दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
WWW.NAVPRADESH.COM

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 8 | छत्तीसगढ़ 11 | कारोबार

बिलासपुर, सोमवार, 8 दिसंबर 2025 कृष्ण पक्ष- तृतीया, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 228 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

रक्षामंत्री ने रणनीतिक महत्व की 125 परियोजनाएं राष्ट्र को सौंपी, 28 सड़कें, 93 पुल शामिल

नई दिल्ली (आईएएनएस) लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर निर्मित, 900 मीटर लंबी श्योक टनल शुरू की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में श्योक टनल के साथ-साथ यहां से सीमा सड़क संगठन की 125 रणनीतिक महत्व की अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया है।

इन परियोजनाओं में 28 सड़कें, 93 पुल और 04 अन्य सामरिक अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं 7 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। 920 मीटर लंबी श्योक टनल को रक्षा मंत्री ने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में निर्मित इंजीनियरिंग मार्वल बताया।

उन्होंने बताया कि यह टनल भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और अत्यधिक तापमान वाले इस क्षेत्र में सुरक्षा, मोबिलिटी और विशेषकर कड़ाके की ठंड के दौरान सैन्य तैनाती क्षमता को भी कई गुना बढ़ाएगी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों और सिविल प्रशासन के साथ, बॉर्डर एरिया के नागरिकों का जो समन्वय देखने को मिला, वह भी शानदार था। मैं लद्दाख के साथ-साथ बॉर्डर एरिया के हर नागरिक को हमारे सशस्त्र बलों का सहयोग देने के लिए आभार प्रकट करता हूं। यह समन्वय ही हमारी पहचान है। हमारा आपसी जुड़ाव ही हमें दुनिया में सबसे अलग पहचान दिलाता है। रक्षामंत्री ने कहा, अभी कुछ ही महीने पहले हमने देखा, जब पहलगाम के दुर्दांत आतंकी हमले का जवाब देते हुए, हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, और आतंकियों का क्या हश्र किया, यह दुनिया जानती है। वैसे करने को तो हम

बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारी सेनाओं ने पराक्रम के साथ-साथ धैर्य का भी परिचय देते हुए, उतना ही किया जितना आवश्यक था। इतना बड़ा ऑपरेशन इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि हमारी कनेक्टिविटी मजबूत थी। हमारे सशस्त्र बलों के पास, सही समय पर लॉजिस्टिक को पहुंचाया जा सका। बॉर्डर एरिया के साथ भी हमारी कनेक्टिविटी बनी रही। जिसने ऑपरेशन सिन्दूर को ऐतिहासिक सफलता दी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि लद्दाख के साथ-साथ आज जम्मू कश्मीर, चंडीगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में भी अन्य परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जा रही हैं। लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरे हुए ये 125 प्रोजेक्ट्स बीआरओ के इतिहास में अब तक का सबसे हाईएस्ट-वैल्यू इनॉगरेशन है। इतनी बड़ी संख्या में, यानी 125 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की शुरुआत एक साथ कभी भी नहीं हुई। यह अपने आप में बीआरओ के लिए और हम सबके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसीम मुनीर जो फेल मार्शल साबित होने के बाद भी फील्ड मार्शल का तमगा हथियाने में कामयाब हो गये थे अब वे असीम शक्तियों के मालिक बन बैठे हैं। उन्होंने कट्टे की नोक पर पाकिस्तान के पहले चीफ ऑफ डिफेन्स फोर्स का पद भी हासिल कर लिया है। वे अब वे पूरे पांच साल तक पाकिस्तान के सीने पर मूंग दलेंगे और अपनी मनमानी करेंगे। अब तो पाकिस्तान में एक ही नीति चलेगी कि न खाता न बही जो आसीम मुनीर कहें वही सही। पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तो अब आसीम मुनीर का हुक्का ही भरेंगे।

दक्षिणी यूनान के तट पर प्रवासियों से भरी नाव डूबी, 18 की मौत

एथेंस (वार्ता)। यूनान में क्रेते के दक्षिणी तट पर प्रवासियों से भरी एक नाव के पलट जाने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। यूनान के सार्वजनिक प्रसारक ईआरटी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नाव द्वीप के दक्षिणी तट पर स्थित इरापेट्रा शहर से लगभग 26 समुद्री मील (48.2 किमी) दक्षिण में डूब गई। हेलेनिक तटरक्षक बल के अनुसार, दो जीवित बचे लोगों को पानी से बचा लिया गया। बचाव दल क्षेत्र में अभियान जारी रखे हुए हैं और गश्ती नौकाएं समुद्र से शव बरामद कर रही हैं।

सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ एफआईआर

पणजी। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना में 25 लोगों की मौत हुई है। इस मामले में अरपोरा-नागोआ पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा पुलिस ने नाइटक्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बता दें कि नाइट क्लब एक अस्थायी निर्माण पर चल रहा था और इसके निर्माण में बड़े पैमाने पर ताड़ की पत्तियों का इस्तेमाल हुआ था, जिसके चलते आग तेजी से भड़की।

नेपाल में चुनाव की तैयारी शुर

राजनीतिक दलों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

काठमांडू (आईएएनएस)। नेपाल में अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर सुगबुगाहट अब तेज हो गई है। नेपाल में अगले साल 5 मार्च 2026 को चुनाव होने जा रहा है। संसदीय चुनाव लडऩे के लिए प्रपोर्शनल रिप्रजेंटेशन (पीआर) सिस्टम के तहत राजनीतिक पार्टियों का रजिस्ट्रेशन रविवार से शुरू हो गया। नेपाल के प्रतिनिधि सभा के सदस्यों का चुनाव दो तरीकों से होता है। प्रतिनिधि सभा के सदस्य फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट (एफपीटीपी) और पीआर सिस्टम, दोनों के जरिए चुने जाते हैं। नेपाल के निचले सदन में 275 सदस्य हैं। नेपाल के संविधान के अनुसार 275 सदस्यों में से 165 सदस्य एफपीटीपी सिस्टम के तहत और 110 सदस्य पीआर सिस्टम के तहत चुने जाते हैं।

हमारी रक्षा प्रणाली को चीन ने दो बार बनाया निशाना : जापान

टोक्यो (वार्ता/स्पूतनिक)। चीनी जे-15 लड़ाकू विमानों के दो बार जापान की वायु-रक्षा प्रणाली को निशाना बनाने के बाद चीन और जापान के बीच जारी तनाव गहरा गया । जापान के रक्षा मंत्री शिनजिरो कोइज़ुमी ने रविवार तड़के यह दावा किया।

नाइट क्लब में आग, 25 मौतें

■ प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख देने की घोषणा

पणजी (वार्ता)। गोवा के उत्तरी क्षेत्र में स्थित अरपौरा गांव में एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात आग लगने से करीब 25 लोगों की मौत हो गयी तथा कुछ घायल हो गये। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार आग नाइट क्लब की रसाई में गैस सिलेंडर फटने से लगी। मृतकों में अधिकतर क्लब के कर्मचारी है। दुर्घटना के कुछ देर बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दुर्घटना की जांच के आदेश दिये है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रधानमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख रूपये तथा घायलों को पचास -पचास हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति और पीएम ने दुख जताया, अनुग्रह राशि देने का ऐलान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के अरपोरा में हुए भयावह अग्निकांड पर रविवार को गहरा दुख और शोक प्रकट किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'उत्तरी गोवा ज़िले में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। इसमें कई कीमती जानें चली गईं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। भगवान उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत दे। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख जताते हुए घायल लोगों के जल्द ठीक होने की भी कामना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से बात की है। केंद्र सरकार इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रही है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा,'गोवा के अरपोरा में आग लगने की घटना बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हों। स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत जी से बात की। राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रही है।'

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर लिखा,'गोवा के अरपोरा में हुई घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोवा के अरपोरा इलाके में हुई भीषण आग दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर आज पोस्ट साझा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएँ प्रकट कीं।मुख्यमंत्री ने लिखा कि दुर्घटना अत्यंत दुखद है और जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं। उन्होंने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और शोकाकुल परिवारों को इस कठिन घड़ी से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनाएँ गोवा के भाई-बहनों के साथ हैं। गोवा सीएम ने अग्निकांड के लिए अनदेखी को जिम्मेदार ठहराया गोवा के उत्तरी इलाके आरपोरा में बने 'बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने इस त्रासदी के लिए शुरुआती तौर पर अग्नि सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन को जिम्मेदार ठहराया है। आग लगने से पहले के क्षणों का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कैसे आग की लपटों ने कुछ ही सेकंडों में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अंदर मौजूद कलाकारों और कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। फुटेज में छत से आग की लपटें निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके तुरंत बाद डांसर और अन्य कर्मचारी मौके से भागते नजर आते हैं। थोड़ी ही देर में धुएं से पूरा स्थान भरने लगता है। वीडियो में कोई भी अग्नि-सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होती हुई दिखाई नहीं देती है।

पुलिस ने बताया कि यह आग सिलेंडर फटने से लगी। गोवा पुलिस नियंत्रण कक्ष को रात 12:04 बजे आपातकालीन कॉल मिली, जिसके बाद बचाव दल तुरंत मौके पर भेजे गए। पुलिस महानिदेशक ने पुष्टि की कि आग पर काबू पा लिया गया है और

इंडिगो की मुश्किलें बढ़ीं

डीजीसीए ने अब अकाउंटेबल मैनेजर को जारी किया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली (आईएएनएस)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को इंडिगो के अकाउंटेबल मैनेजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले ठीक इसी तरह का नोटिस नियामक एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स को जारी कर चुका है। विमानन नियामक ने कहा कि इंडिगो द्वारा हाल ही में बड़े पैमाने पर उड़ानों को रद्द करने से देश भर के यात्रियों को गंभीर असुविधा और परेशानी हुई है। डीजीसीए के अनुसार, इस बड़ी समस्या के पीछे का मुख्य कारण एयरलाइन द्वारा संशोधित फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए उचित व्यवस्था करने में विफलता है। ये नियम, जो उड़ान चालक दल के कार्य घंटों और विश्राम अवधि को नियंत्रित करते हैं और हाल ही में लागू हुए हैं, जिससे इंडिगो के लिए बड़ी परिचालन चुनौतियां पैदा हो गई हैं। नोटिस में, नियामक ने कहा कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

इंडिगो संकट पर पायलटों का खुला पत्र

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इन दिनों बड़े परिचालन संकट से जूझ रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर इंडिगो पायलटों का एक कथित ओपन लेटर आया है, जिसमें सीईओ पीटर एल्बर्स समेत कई शीर्ष अधिकारियों पर एयरलाइन को डूबने की कगार पर पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। यह पत्र किसी अनाम कर्मचारी द्वारा लिखा दावा किया गया है, जो खुद को वर्षों से इंडिगो की अंदरूनी स्थिति का गवाह बताता है। पत्र में कहा गया है कि इंडिगो एक दिन में नहीं गिरी, यह गिरावट कई वर्षों से बन रही थी। कथित खुले पत्र की शुरुआत 2006 में इंडिगो की स्थापना के जिक्र से होती है। लेखक का दावा है कि वर्षों के साथ कंपनी की शुरुआती ग्रोथ लालच ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम मोदी ने पुतिन को भेंट की कश्मीरी केसर

■ जम्मू-कश्मीर के किसानों की उम्मीदें बढ़ी

अनंतनाग (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक दर्शाने वाले विशेष तोहफे भेंट किए। इन उपहारों में कश्मीर का मशहूर केसर और भगवद्गीता का रूसी संस्करण शामिल रहा। यह उपहार न केवल भारत की कला, आध्यात्मिकता और परंपरा को दर्शाते हैं बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं। कश्मीर के बुरहान दीन ने आईएएनएस से बातचीत में इस कदम पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को कश्मीरी केसर उपहार में दिया। उन्होंने कहा

कि पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से विशेष लगाव है। वह चाहें तो कोई कीमती वस्तु भेंट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कश्मीर की पहचान केसर को चुना। यह हमारे लिए सम्मान की बात है। मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केसर की पैदावार बढ़ाएं, क्योंकि अब यह दुनिया के शीर्ष नेताओं तक पहुंच चुका है। सामाजिक कार्यकर्ता सईद अख्तर हुसैन ने कहा कि कश्मीर की हर वस्तु अनमोल है और उसी अनमोलता का प्रतीक यहां का केसर है।

बड़ी खबर: जमीन की गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी पर सीएम साय ने लिया संज्ञान, कहा- जरूरत पड़ी तो करेंगे बदलाव

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में जमीन खरीद-फरोख्त के लिए जारी नई कलेक्टर गाइडलाइन दरों में भारी बढ़ोतरी के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। कई जिलों में गाइडलाइन दरों में 100प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 800प्रतिशत तक पहुंच गई है। अचानक बढ़े इन दरों को लेकर आम जनता, व्यापारी, किसान और राजनीतिक दल खुलकर विरोध जता रहे हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्थिति पर संज्ञान लेते हुए स्पष्ट किया है कि सरकार जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि गाइडलाइन दरों को लेकर अभी भी विभागीय मंथन जारी है और जरूरत पडऩे पर सरकार इसमें पुनर्विचार करने के लिए तैयार है।

2017 के बाद से जमीन की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं -सीएम साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद से जमीन की गाइडलाइन दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी, जबकि नियमों के अनुसार हर साल इन दरों में संशोधन होना चाहिए। उन्होंने बताया कि गाइडलाइन बढऩे के कई सकारात्मक पहलू भी हैं, परंतु वे अभी जनता के सामने उतने स्पष्ट रूप से नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि नई दरों से आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा होती है तो सरकार स्थिति की समीक्षा करेगी और लोगों को राहत देने के विकल्पों पर गंभीरता से विचार करेगी।

राष्ट्र की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे सैन्य जवानों का योगदान अतुलनीय : सीएम साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के सचिव ब्रिगेडियर विवेक शर्मा ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के प्रतीक स्वरूप सम्मान बैज लगाया तथा संचालनालय सैनिक कल्याण द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों और उनके परिवारों के त्याग, साहस और राष्ट्रसमर्पण के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

सुपारी किलर... असफल होने पर जलाई थी कार, 5 आरोपी गिरफ्तार

हमर राज पार्टी जिला अध्यक्ष पर हमले का खुलासा

बालोद/नवप्रदेश। आखिरकार हमर राज पार्टी के जिला अध्यक्ष के कार जलाने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, सुपारी लेकर जिला अध्यक्ष पर हमले की साजिश थी, लेकिन घर पर कैमरा लगा होने की वजह से आरोपी कार पर आग लगाकर ही निकल गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद 5 आदतन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही सुपारी देने वालों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दरअसल, एक दिसंबर 2025 को बुढ़ापारा वार्ड निवासी देवेन्द्र साहू के घर के समीप रखे कार को अज्ञात

आरोपियों ने आग लगा दी थी। मामले में देवेन्द्र साहू की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 527/2025 धारा 326(जी),3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की जांच के दौरान संदेही अनिकेत मेश्राम, सूरज रंगारी, दानेश्वर साहू, अभिषेक चौरे, मोहम्मद फैजान से पूछताछ की गई. पता चला कि बालोद जेल में निरूध्द रहने के दौरान मोहम्मद फैजान की अश्वनी डडसेना से मुलाकात हुई. अश्वनी डडसेना ने ग्राम पाररास निवासी देवेन्द्र साहू से जमीन विवाद का जिक्र करते हुए उसे जान से मारने पर पैसा देने की बात कही थी। जेल से रिहा होने के बाद फैजान फोन पर चर्चा में अश्वनी डडसेना ने कहा कि देवेन्द्र साहू के हड्डी टूटते तक मारना है, और उसका वीडियो मुझे दिखाना, तब रिकु उर्फ श्यामु यादव उसकी पत्नी से पैसा लेकर देगा. साथ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मध्यप्रदेश नई शिक्षा नीति देश में नंबर-1 बना : सीएम मोहन यादव

भोपाल /नवप्रदेश। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में रविवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 : क्रियान्वयन, चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि रहे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर लिखा, 'आज राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ नई शिक्षा नीति के पांच साल

पूरे होने पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुआ। मध्यप्रदेश इस नीति को लागू करने में पूरे देश में सबसे आगे है। हमने इसे सिर्फ किताबी पढ़ाई तक सीमित नहीं रखा, बल्कि कौशल विकास, नवाचार और अपनी संस्कृति के पुनर्जागरण से भी जोड़ा है।

महाराज डॉ इंद्रदेव सरस्वती बोले– शिव महापुराण 18 पुराणों में सर्वोत्तम

■ **शिव भक्तों पर सहज कृपा बरसाते हैं**

गरियाबंद/नवप्रदेश। शिव महापुराण कथा के अवसर पर विशेष बातचीत में महाराज डॉ इंद्रदेव सरस्वती ने कहा कि शिव महापुराण हमारे 18 पुराणों में सबसे श्रेष्ठ है। शिव जी कल्याणकारी हैं, इसलिए उन्हें 'शिव' नाम से जाना जाता है। वह भोले भंडारी हैं, भक्तों पर उनकी कृपा सरलता से प्राप्त होती है। उनके लिए विशेष अनुष्ठान या भारी चढ़ावा जरूरी नहीं। जल, पल्लव, फ्लङ्कफूल—जो प्रेम से अर्पित हो, वह शिव स्वीकार कर लेते हैं।

खास बातचीत

यहां की भीड़ अद्भुत है, ऐसा उत्साह कम जगह दिखता है

महाराज जी ने बताया कि कथाओं में भीड़ तो कई जगह होती है, लेकिन यहाँ जो श्रद्धा और अनुशासन के साथ भीड़ जुट रही है, वह दुर्लभ और प्रेरक है।

शिव महापुराण सरल नहीं, अध्ययन पर आधारित कथा है

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शिव महापुराण की कथा कम होती है, क्योंकि यह अध्ययन पर आधारित है। पिछले दो वर्षों में शिव भक्ति तेजी से बढ़ी है, लोगों का भाव गहरा हुआ है। लेकिन शिव कथा कहना आसान नहींयह सिर्फ नोट्स से नहीं होती है। उन्होंने भागवत कथा की तुलना करते हुए कहा कि भागवत में सात दिन के नोट्स से भी कई लोग कथा कह लेते हैं। लेकिन शिव, देवी, गणेश पुराण—ये गहन अध्ययन मांगते हैं। अध्ययन करने वाले वक्ता कम हैं, इसलिए शिव कथा भी कम होती है।

कथा सुनने से सुख मिलता है, आचरण में उतारने से जीवन बदलता है

महाराज ने कहा कि जिस उत्साह से लोग कथा सुनने आ रहे हैं, समय दे रहे हैं, वही जीवन में उतरना चाहिए। सुनने से सुख मिलता है, लेकिन आचरण में उतारेंगे तो वही सुख स्थायी हो जाएगा। उन्होंने लोगों को व्यसनमुक्त रहने और परिवार को प्राथमिकता देने की सलाह दी।

युवाओं को चेतावनी– परंपरा क्षीण हुई तो जवानी नहीं बचेगी

युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि युवा जीवन बढ़ने का समय है। शरीर और बुद्धि बदलती है, समाज में उनकी भूमिका बदलती है। माताङ्कपिता भी उन्हें बराबर का मानते हैं। ऐसे समय में संस्कृति और परंपरा ही उन्हें संभाल सकती है। परंपरा कमजोर होगी तो जीवन कमजोर हो जाएगा। उन्होंने गणेश जी के उदाहरण से समझाया कि गणेश जी का सिर अलग हुआ, पर शरीर वहीं था। मस्तिष्क ही पहचान है। इसी तरह हमारी परंपरा, संस्कृति और संस्कार हमारे 'माथे' में होने चाहिए। यही हमारी दिशा तय करते हैं।

धर्म व्यवसाय का केंद्र नहीं बनना चाहिए

वर्तमान धार्मिक परिवेश पर महाराज ने कहा कि देश में धर्म को व्यवसाय का केंद्र नहीं बनना चाहिए। देश में धार्मिक परिवर्तन हो रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन यह परिवर्तन स्थायी हों, ऐसा प्रयास जरूरी है, नहीं तो स्थिति फिर बदल सकती है।

धर्मांतरण पर चिंता, संतुलन जरूरी

धर्मांतरण को लेकर उन्होंने गंभीर चिंता जताई। महाराज जी ने कहा हम आर्य वंशज हैं और वैदिक सिद्धांत पर आगे बढ़ते आए हैं। लेकिन आज जनसंख्या का संतुलन बदल रहा है। कुछ वर्गों की संख्या घट रही है, कुछ की तेजी से बढ़ रही है।

राजिम एवं बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा स्तरीय सांसद खेल प्रतियोगिता संपन्न

सांसद खेल महोत्सव 202: वॉलीबाल और कबड्डी में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

■ **विजेता खिलाड़ी अब करेंगे महासमुंद लोकसभा में प्रतिनिधित्व**

गरियाबंद/नवप्रदेश। सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत आज अंतिम दिवस राजिम विधानसभा में खेल मैदान क्रीड़ा परिसर गरियाबंद एवं बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा अंतर्गत खेल मैदान भाठीगढ़ मैनपुर में विधानसभा स्तरीय दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरी शंकर कश्यप, पूर्व संसदीय सचिव श्री गोवर्धन मांझी, जनपद सदस्य मैनपुर, एसडीएम मैनपुर श्री तुलसीदास मरकाम एवं इसी प्रकार राजिम विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव के अंतिम दिवस के आयोजन में वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल चन्द्राकर, पार्षद श्री सुरेन्द्र सोनटेके, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गरियाबंद श्री के.एस. नागेश, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री गजेन्द्र ध्रुव एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों तथा विधाओं के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आज अंतिम दिन कबड्डी एवं वॉलीबाल खेलों के लीग और प्रारंभिक मुकाबले आयोजित किए गए। जिसमें राजिम विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत वॉलीबाल में 14-19 बालक वर्ग में गरियाबंद एवं बालिका वर्ग में गरियाबंद (धारणा एवं साथी) 19-24 में बालक वर्ग में संकुल जोन गरियाबंद (प्रफुल्ल एवं साथी), कबड्डी खेल प्रतियोगिता में 14-19 बालक वर्ग में संकुल (जोन) छुरा एवं बालिका वर्ग में संकुल (जोन) फिंगेश्वर, 19-24 में बालक वर्ग में संकुल (जोन) मालगांव विजेता रहे। इसी तरह बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत वॉलीबाल में 14-19 बालक वर्ग में देवभोग एवं बालिका वर्ग कनसिंघी, 19-24 में बालक वर्ग में संकुल जोन मैनपुर, बालिका वर्ग में संकुल (जोन) मैनपुर, कबड्डी खेल प्रतियोगिता में 14-19 बालक वर्ग में संकुल (जोन) कनसिंघी एवं बालिका वर्ग में संकुल (जोन) मैनपुर, 19-24 में बालक वर्ग में संकुल (जोन) कनसिंघी एवं बालिका वर्ग में संकुल (जोन) मैनपुर विजेता रहे।

गरियाबंद जिला अंतर्गत विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव में जिला प्रशासन द्वारा सभी संकुलों से खिलाड़ियों को आयोजन स्थल तक लाने एवं सुरक्षित वापस ले जाने हेतु बसों की व्यवस्था कर खेल प्रतियोगिता में सम्मिलित कराया गया। उपरोक्त विधानसभा स्तरीय आयोजन में जिला प्रशासन द्वारा भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक संसाधनों का उत्तम व्यवस्था कर विवादास्पद स्थिति से परे सफ्लतापूर्वक आयोजन सम्पन्न कराया गया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर में मुख्य अतिथि एवं अन्य विशेष अतिथियों ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि अनुशासन, धैर्य और टीम वर्क की भावना विकसित करते हैं। सभी विजेता खिलाड़ियों को उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त विजेता खिलाड़ीगण लोकसभा स्तरीय आयोजन महासमुंद लोकसभा में विधानसभा का प्रतिनिधित्व करेंगे। विधासभा सांसद खेल महोत्सव के आयोजन में सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री यू.के नेताम, ब्लॉक नोडल गरियाबंद श्री संजीव साहू, ब्लॉक नोडल मैनपुर श्री यशवंत बघेल, गिरीश शर्मा, प्रभारी शिक्षक एवं व्यायाम शिक्षकों के विशेष सहयोग से सम्पन्न कराया गया।

पाण्डुका थाना के पीछे धड़ल्ले से मुरम की लूट, प्रशासन की चुप्पी चुभने लगी!

■ **इलाके में धूल उड़ती हाइवा दौड़ती हैं**

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए पाण्डुका थाना के ठीक पीछे अवैध मुरम उत्खनन का खेल खुलेआम जारी है। हैरानी की बात यह है कि थाने की नाक के नीचे चल रही यह लूट पुलिस और प्रशासन—दोनों की नज़र से जाने क्यों ओझल बनी हुई है। रविवार की छुट्टी का बहाना बनाकर मुरम माफ्यिा खुलकर मैदान में उतर आते हैं, और बेधड़क मशीनें चलती रहती हैं।

इलाके में धूल उड़ती हाइवा दौड़ती हैं, लेकिन जिला प्रशासन पूरी तरह मौन—जैसे सब कुछ देखकर भी कुछ नहीं देख रहा हो।स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन दिन में भी जारी है,माफ्यिा बेखौफ़ हैं,और कार्रवाई का कोई डर नहीं है।ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन की चुप्पी माफ्यिाओं को खुली छूट दे रही है? या फ्रि थाने के पीछे चल रही यह तस्करी प्रशासन की नाकामी का सबसे बड़ा सबूत बन चुकी है?

मुरूम माफिया की गतिविधियों की जानकारी के बाद भी विभाग मौन

राजिम/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए पाण्डुका थाना के ठीक पीछे अवैध मुरम उत्खनन का खेल खुलेआम जारी है। हैरानी की बात यह है कि थाने की नाक के नीचे चल रही यह लूट पुलिस और प्रशासन–दोनों की नज़र से जाने क्यों ओझल बनी हुई है। रविवार की छुट्टी का बहाना बनाकर मुरम माफ्यिा खुलकर मैदान में उतर आते हैं, और बेधड़क मशीनें चलती रहती हैं। इलाके में धूल उड़ती हाइवा दौड़ती हैं, लेकिन जिला प्रशासन पूरी तरह मौन–जैसे सब कुछ देखकर भी कुछ नहीं देख रहा हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि

अवैध खनन दिन में भी जारी है, माफ्यिा बेखौफ़ हैं, और कार्रवाई का कोई डर नहीं है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन की चुप्पी माफ्यिाओं को खुली छूट दे रही है? या फ्रि थाने के पीछे चल रही यह तस्करी प्रशासन की नाकामी का सबसे बड़ा सबूत बन चुकी है?

धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग

आरंग/नवप्रदेश। धान खरीदी प्रक्रिया में तेजी लाने और किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर किसान नेता पारस नाथ साहू ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि धान खरीदी शुरू हुए 22 दिन बीत चुके हैं, लेकिन शासन की गलत नीतियों के कारण न तो पर्याप्त मात्रा में ऑनलाइन टोकन कट रहे हैं और न ही खरीदी केंद्रों में अपेक्षित गति से धान खरीदी हो पा रही है। ऐसी स्थिति बनी रही तो 31 जनवरी की निर्धारित समय सीमा तक सभी किसानों का धान खरीदी पूरा होना संभव नहीं होगा। उन्होंने बताया कि कई खरीदी केंद्रों में प्रतिदिन बहुत कम मात्रा में ही धान की खरीदी की जा रही है, जिससे किसानों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि प्रतिदिन ऑनलाइन टोकन काटने के लिए कम से कम दो घंटे का निश्चित समय निर्धारित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को अवसर मिल सके। साथ ही उन्होंने दैनिक खरीदी सीमा को दोगुना करने की भी मांग की है, जिससे खरीदी की गति बढ़ाई जा सके और किसान समय पर अपना धान बेच सकें।

किसान नेता ने शासन से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि खरीदी सीमा बढ़ाने में देरी आखिर क्यों की जा रही है, जबकि किसान लगातार परेशानियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो किसानों में बढ़ती निराशा गंभीर रूप ले सकती है, क्योंकि मजबूरी में कई किसान आत्मघाती कदम उठाने को विवश हो रहे हैं। सरकार से तत्काल प्रभावी कदम उठाकर खरीदी प्रक्रिया सुचारू करने की मांग की है।

मुकुट राम साहू के गोलोकधाम गमन पर श्रीमद् भागवत कथा

भटगांव/नवप्रदेश। नगर के स्वर्गीय मुकुट राम साहू जी की गोलोकधाम प्राप्ति हेतु भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन के लिए आज भव्य कलश यात्रा निकल गया जो कथा स्थल से बस्ती ब्राह्मण , पुराना हटरी होते हुए तालाब से जल भरकर कथा स्थल पहुंचे जहां प्रथम दिवस गौरी गणेश /देव पूजन स्थापना से 8/ 12 /2025 कथा प्रारंभ में सुखदेव परीक्षित संवाद से 9 दिसंबर -कपिल अवतार/ ध्रुव चरित्र 10 दिसंबर को प्रहलाद चरित्र/ नरसिंह अवतार 11 दिसंबर को श्री वाहन अवतार/ श्री कृष्ण जन्मोत्सव 12 दिसंबर- को श्री कृष्णा बाललीला /रुक्मणी विवाह ,13 दिसंबर- को श्री सुदामा चरित्र/ श्री द्वारिका लीला 14 दिसंबर -को श्री कृष्णा उद्धव संवाद /कथा विश्राम/ चढौरी और 15 12 2025 को तुलसी वर्षा/ हवन/ गो पूजन /सहस्त्रधारा/ पूर्णाहुति किया जाएगा इस श्री मद संगीत में श्रीमद् भागवत कथा व्यास- पंडित श्री विकास किशोर शर्मा (पिसौद वाले), कथा यजमान हेमलता विजय कुमार साहू, कथा स्थल- नगर पंचायत भटगांव, वार्ड क्रमांक 3 सलौनीकला मार्ग खाद गोदाम के पास कथा का समय दोपहर 3:00 बजे से श्री कृष्णा कृपा तक चलेगा। प्रेषक - फूलबाई साहू , हेमलता विजय कुमार साहू, मधुलता साहू वेदराम साहू व गौरी सम्मेलाल साहू साहु परिवार।

गरियाबंद मरार पटेल समाज का जिला स्तरीय चुनाव में भारी बहुमत से अध्यक्ष बने विष्णु

गरियाबंद/नवप्रदेश। कोसरिया मरार पटेल समाज जिला गरियाबंद का बहुप्रतीक्षित जिला स्तरीय निर्वाचन दिनांक 7 दिसंबर को मजरकट्टा में शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ। समाज के इस महत्वपूर्ण चुनाव में नई जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर समुदाय में उत्साह का माहौल रहा।

निर्वाचन प्रक्रिया पीठासीन अधिकारी फ्रिंगी पटेल के मार्गदर्शन में तथा समाज के तीनों राज—राजिम राज, भाठीगढ़ राज और कांदाडोगर राज— अध्यक्ष और पदाधिकारियों की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संपन्न की गई। मतदान के दौरान व्यवस्था, अनुशासन और सहयोग का अनुकरणीय प्रदर्शन देखने को मिला। जिला स्तर पर कुल 18 मतदाता निर्धारित थे, जिनमें से 3 मतदाता उपस्थित नहीं हो सके।

शेष 15 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित की। तीन प्रत्याशियों द्वारा प्रारंभ में नामांकन दाखिल किए गए थे, किंतु प्रक्रिया के दौरान एक प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद अंतिम मुकाबला दो प्रत्याशियों—विष्णु पटेल और बसंत पटेल—के बीच रहा। मतगणना के दौरान रोमांचक स्थिति देखने को मिली। बसंत पटेल को जहां कुल 7 मत प्राप्त हुए, वहीं विष्णु पटेल को 8 मत मिले। महज एक मत के अंतर से विष्णु पटेल जिला गरियाबंद मरार पटेल समाज के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष चुने गए। उनके विजय की घोषणा के बाद समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। समाज के वरिष्ठजनों ने उम्मीद जताई कि नए अध्यक्ष विष्णु पटेल संगठन को और अधिक सशक्त, संगठित और समाजहित में सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई: विधायक रोहित

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नवीन भवन के निर्माण कार्य का विधायक रोहित ने किया भूमिपूजन

कोपरा नवापारा/नवप्रदेश। नगर पंचायत कोपरा में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सर्वसुविधायुक्त नए भवन का राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू एवं अतिथियों ने विधिविधान से भूमिपूजन किया। उक्त भवन लगभग 50 लाख रुपए की लागत से भाटापारा वार्ड में बनेगी। पूर्व में कोपरा में ही दो अलग अलग स्थानों पर संचालित था जिसमें प्राथमिक माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवन अलग अलग स्थानों पर संचालित थे जिसके कारण संचालन समिति तथा विद्यार्थियों को भी परेशानी होती थी। अब यहां शिक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है।

तथा शुभ मुहूर्त पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रस्तावित भव्य भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह पूरे उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्य खाद्य आयोग अध्यक्ष संदीप शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष रूपनारायण साहू, भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, नगर पंचायत उपाध्यक्ष तारणी सेन, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपी ध्रुव, पार्षदगण समाज के गणमान्य नागरिक, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने विद्यालय के निर्माण कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा, शिक्षा ही राष्ट्र के भविष्य की आधारशिला है। यह नया विद्यालय न केवल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देगा, बल्कि उनमें भारतीय संस्कृति और मूल्यों का भी संचार करेगा। सरस्वती शिशु मंदिर हमारी परंपराओं के बीजारोपण का केंद्र है जहां बाल्यकाल से ही बच्चों में सनातन संस्कृति का पाठ पढ़ाया जाता है।

नगर पंचायत अध्यक्ष रूपनारायण साहू ने अपने संबोधन में बताया कि यह नया भवन वृहद कक्षाओं, आधुनिक सुविधाओं और खेल मैदान जैसी सुविधाओं से युक्त होगा, जो विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास का अवसर प्रदान करेगा। भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा कि उनका लक्ष्य इसे क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक केंद्र बनाना है। नया विद्यालय भवन छात्रों की बढ़ती संख्या और शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से इसका उपयोग शुरू किया जा सके। यह भूमिपूजन समारोह क्षेत्र के लोगों के लिए एक उत्साह और गर्व का क्षण था, जिसने भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य की नींव रखी है।

राष्ट्रव्यापी अभियान : महापरीक्षा में 22 आत्मसमर्पित माओवादियों ने परीक्षा दी

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिला गरियाबंद अंतर्गत आत्मसमर्पित माओवादियों के द्वारा छ0ग0 शासन के पुनर्वास नीतियों के विभिन्न योजनाओं से प्रभावित होकर प्रतिबंधित माओवादी संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में वापस आकर खुशहाल जीवन में सम्मिलित होकर दिनांक 07 दिसम्बर 2025 को होने वाली उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम महापरीक्षा में कुल 22 आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया गया, और इसी तरह स्वरोजगार हेतु आत्मसमर्पित नक्सलियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कौशल विकास योजना के तहत लाइवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में सिलाई मशीन, वाहन चालक एवं पलम्बर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है] और भविष्य में भी शासन के विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जायेगा।

लोन दिलाने व ब्याज में छूट का झांसा देकर 73 लाख की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपी श्रीराम सिटी यूनियन फायनेंस लिमिटेड मुम्बई का अधिकारी बनकर करते थे ऑनलाइन ठगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। मेडिकल व्यवसायी को पीएम समृद्धि योजना के तहत् कम ब्याज में 50 लाख का लोन दिलाने व 30 प्रतिशत का छूट दिलाने के नाम पर 73 लाख रुपए की ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना सकरी थाना क्षेत्र से संबधित है। आरोपी फर्जी सिम कार्ड व फर्जी बैंक खातों का धोखाधडी करने में उपयोग करते थे। आरोपी श्रीराम सिटी यूनियन फायनेंस लिमिटेड मुम्बई का अधिकारी बनकर कम ब्याज में लोन दिलाने के नाम पर कॉल कर ऑनलाईन ठगी करते थे। डॉ. संजीव शुक्ला पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज के निर्देशन एवं रजनेश सिंह पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में साइबर अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार राजेश पाण्डेय पिता स्व. महावीर निवासी सी-24 फेस-1 नेचर सिटी, सकरी थाना सकरी आरोपियों द्वारा श्रीराम सिटी यूनियन फायनेंस लिमिटेड मुम्बई से पीएम समृद्धि योजना के तहत् 50 लाख का लोन दिलाने तथा 30 प्रतिशत का छूट दिलाने के नाम पर 12 फरवरी 2024 से 29 सितंबर 2025 के मध्य विभिन्न मोबाईल नम्बरो से कॉल कर ग्रिजेश त्रिवेदी एवं अन्य कथित नामों से कॉल कर अलग-अलग तिथियों में कुल 73,23,291/रुपये की राशि का वित्तीय धोखाधड़ी किये जाने के संबंध में आवेदक के लिखित रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की अग्रिम विवेचना कार्यवाही रेंज सायबर थाना बिलासपुर रेंज बिलासपुर द्वारा संपादित कर विवेचना दौरान प्रार्थी के साथ धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों के संबंध में सायबर क्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल अद्यतन रिपोर्ट, ठगी की रकम प्राप्त करने में उपयोग किये बैंक खातों को चिन्हांकित कर बैंक खाता धारकों की जानकारी, ऑनलाईन लेनदेन तथा घटना से संबधित तकनीकी जानकारी प्राप्त किया गया। रेंज सायबर थाना बिलासपुर के अपराध क्रमांक 718/2025 धारा 318(4), 111(4) बीएनएस एवं 66(डी) आई.टी एक्ट के प्रकरण में कार्रवाई की गई। आरोपियो द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि इनके द्वारा अपने और अन्य लोगो से फर्जी बैंक खाता खुलवाकर ठगी की रकम को इन बैंक खाताओं में जमा कराकर आहरण किया जाता था। प्रकरण में आरोपियों से घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों तथा ठगी की गई रकम के संबंध में पूछताछ किया जा रहा है।

दिल्ली में किराए की मकान में रहकर देते थे घटना को अंजाम

जानकारी के आधार पर आरोपी बिहार के वैशाली जिला अंतर्गत ग्राम गढवाल कनौली के निवासी होने की जानकारी प्राप्त होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार विशेष टीम निरीक्षक रजनीश सिंह के नेतृत्व में बिहार जिला वैशाली रवाना की गई, टीम द्वारा जिला वैशाली के क्षेत्रांतर्गत लगातार दो दिनों तक आरोपियों के संबंध में पतासाजी कर विकास कुमार उर्फ विक्रम सिंह एवं अमन कुमार सिंह उर्फ पीयूष निवासी गढवाल कनौली (बिहार) को ऑनलाईन ठगी का काम करने में संलिप्त होने की पुष्टी होने पर स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों आरोपियों को तलब कर पूछताछ किया गया, जो दिल्ली में किराये के मकान में रहकर अपने अन्य साथियों के द्वारा आम लोगो को कॉल कर पीएम समृद्धि योजना के तहत् कम ब्याज में लोन दिलाने तथा अन्य प्रकार से लालच देकर अपने झांसे में लेकर ऑनलाईन ठगी करने में फर्जी सीम व बैंक खाता उपलब्ध कराकर ठगी की रकम आहरण करने का जुर्म करना स्वीकार किया गया।

न्यूज गैलरी

सदगुरु कबीर संत समागम 14 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। श्री सदगुरु कबीर धर्म का कंसोल मिशन के तत्वावधान में एक दिवसीय श्री सदगुरु कबीर संत समागम समारोह का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में दामाखेड़ा, जहां पिछले 110 वर्षों से परंपरा स्थापित है, के सोलहवें निवेदित वंशाचार्य साहब का विशेष आगमन बिलासपुर में होगा। उनके आगमन को लेकर शहर के समस्त कबीरपंथी समाज में उत्साह का माहौल है। इसी तैयारी को सुव्यवस्थित करने के लिए बिलासपुर कबीरपंथी समाज की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं स्वागत व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया।समारोह में कल्याणी योजना के साथ-साथ सदगुरु कबीर साहेब के मूल संदेश– जीव दया, आत्मा पूजा और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन– पर विशेष चर्चा होगी। समाज में फैली बुराइयों को दूर करने तथा मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समागम में बड़ी संख्या में कबीरपंथी अनुयायी शामिल होंगे।14 दिसंबर को बिलासपुर आगमन के साथ ही परमात्मा के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करने के लिए शहर का कबीरपंथी समाज प्रथम स्वागत के लिए एकजुट होकर प्रतिनिधित्व करेगा।

पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी की आठवीं पुण्यतिथि मनाई गई, विधायक बोले-उन्होंने छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाया

छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी की आठवीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर रायपुर रोड स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि पं. चतुर्वेदी ने जाति, वर्ग और संप्रदाय से ऊपर उठकर 'छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान' को जगाया। उन्होंने पं. चतुर्वेदी को छत्तीसगढ़ी साहित्य की अमिट छाप और बिलासपुर की पहचान बताया।

विधायक ने यह भी घोषणा की कि 'पुरखा के सुरता' कार्यक्रम के तहत कोनी में पद्मश्री श्यामलाल चतुर्वेदी के नाम पर साहित्य केंद्र और सत्यदेव दुबे की स्मृति में कला केंद्र स्थापित किया जाएगा। भाजपा नगरीय प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक किशोर राय ने कहा कि पं चतुर्वेदी ऐसे महामना थे, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के हित को अपना परमहित मानकर सर्वस्व योगदान दिया। पत्रकारिता के क्षेत्र में छह दशकों तक कार्य करने वाले पं चतुर्वेदी ने छत्तीसगढ़ की अस्मिता और छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए निरंतर कार्य किया। वे उस दौर के पत्रकार थे जब निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारों के लिए कहा जाता था कि उनका एक पैर जेल में दूसरा प्रेस में हुआ करता था।

छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए: मेयर

महापौर पूजा विधानी ने पं. चतुर्वेदी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने बिलासपुर और छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने पत्रकारिता और छत्तीसगढ़ी भाषा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। महापौर ने कहा कि पं. चतुर्वेदी के अधूरे सपनों को पूरा करके ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की जा सकती है। श्यामलाल चतुर्वेदी को उनकी चर्चित कविता 'बेटी के बिदा' और काव्य संकलन 'पर्रा भर लाई' से काफी प्रसिद्धि मिली थी। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने 'छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया' के नारे को स्थायी बनाने और भाषा के प्रति स्वाभिमान जगाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे वे छत्तीसगढ़ की पहचान बन गए।

जूदेव और पं. चतुर्वेदी के बीच सम्मान से जुड़ा भावपूर्ण प्रसंग

विधायक सुशांत शुक्ला ने एक संस्मरण साझा करते हुए बताया कि एक बार जब कुमार दिलीप सिंह जूदेव अपोलो अस्पताल से इलाज के बाद छत्तीसगढ़ भवन में ठहरे थे, तब उन्हें पं. चतुर्वेदी के अस्वस्थ होने की जानकारी मिली। जूदेव पैदल ही चितले कॉलोनी स्थित उनके निवास पहुंच गए। पं. श्यामलाल चतुर्वेदी को जब जूदेव के अस्पताल में भर्ती होने का पता चला, तो उन्होंने जानकारी न देने पर नाराजगी व्यक्त की। जूदेव ने समझाया कि सम्मान वश उन्हें सूचित नहीं किया गया था। वे इस दुविधा में थे कि पहले से अस्वस्थ चतुर्वेदी जी को जूदेव की बीमारी के बारे में बताने से दोनों परेशान हो सकते थे।

छत्तीसगढ़ी को राजभाषा बनाना चतुर्वेदी का सपना: रूद्र अवस्थी

वरिष्ठ पत्रकार रूद्र अवस्थी ने कहा कि आज पं चतुर्वेदी की पुण्य तिथि पर उनका दिव्य स्मरण करने के साथ ही उनके अधूरे कार्यों, सपने को पूरा करने, आगे बढ़ने के संकल्प का भी दिन है। उन्होंने कहा कि पं चतुर्वेदी ने पद्मश्री हासिल करते वक्त भी छत्तीसगढ़ी को केंद्र की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग राष्ट्रपति तक पहुंचाई थी। यह सिलसिला आगे बढ़े,इस दिशा में ठोस पहल होना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण बहादुरी के लिए सीआईएसएफ कर्मियों को उत्कृष्ट सम्मान

सीपत/नवप्रदेश। सीआईएसएफ मुख्यालय में हुए एक समारोह में महानिदेशक ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान असाधारण साहस और बेहतरीन ऑपरेशनल प्रदर्शन के लिए 19 जवानों प्रतिष्ठित उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान मई 2025 में सीमा पार दुश्मनी के एकनाजुक दौर के दौरान जम्मू और कश्मीर में उरी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स (यूएफईपी-फर्स्ट और सेकेंड) की सुरक्षा में उनकी अहम भूमिका को सम्मानित करता है। ऑपरेशन सिंदूर, जिसे भारतीय सेना ने 06 , 07 मई 2025 की दरमियानी रात को अंजाम दिया, के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पार स्थित एक आतंकवादी ठिकाने को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई में, पाकिस्तानी सेना ने भारतीय इलाके में तेज़ और बिना सोचे-समझे गोलाबारी शुरू कर दी, जिससे उरी हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट्स सहित ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और आस-पास की आम आबादी को गंभीर खतरा पैदा हो गया। लाइन ऑफ़ कंट्रोल से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित एनएचपीसी प्रतिष्ठानों पर तैनात सीआईएसएफ इकाइयाँ, इस अचानक बढ़े तनाव के बीच स्वयं को सीधे प्रभाव क्षेत्र में पाया। दुश्मन की भारी गोलाबारी के बीच, सीआईएसएफ के जवानों ने बहुत हिम्मत, धैर्य और पेशेवरता दिखाया। कमांडेंट रवि यादव के नेतृत्व में, उप कमांडेंट मनोहर सिंह और सहायक कमांडेंट सुभाष कुमार के सक्षम सहयोग से, सीआईएसएफ टीमों ने ठिकानों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा हेतु त्वरित एवं संगठित बचाव कार्य शुरू किए।

संरक्षण एवं सुरक्षा का शानदार उदाहरण

कार्यक्रम में मानवीय पहल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनका आचरण सीआईएसएफ के मूलमंत्र–'संरक्षण एवं सुरक्षा'–का एक शानदार उदाहरण है। स्थानीय समुदाय तथा एनएचपीसी अधिकारियों ने भी सीआईएसएफ के समयोचित और प्रभावी हस्तक्षेप की सराहना की, जिसकी बदौलत दुश्मन की कार्रवाई के दौरान एक भी आम नागरिक हताहत नहीं हुआ। इन 19 जवानों को दिया गया उत्कृष्ट सम्मान उनकी बहादुरी और मजबूत हौसले की पहचान है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनका कार्य देशभर के सीआईएसएफ कर्मियों को आगे भी प्रेरित करता रहेगा।

रोड मरम्मत कार्य के लिए परसदा समपार रहेगी बंद

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत गतौरा-जयरामनगर के मध्य किमी 706 /20-22 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 361 (परसदा फाटक) को 8 दिसम्बर रात्रि 06 बजे से 9 दिसम्बर सुबह 8 बजे तक रोड मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग जयरामनगर फाटक से उपलब्ध है।

उल्लास महापरीक्षा अभियान में 90 फीसदी शिक्षार्थी आकलन परीक्षा में हुए शामिल

बिलासपुर /नवप्रदेश। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत 07 दिसंबर दिन रविवार को नवसाक्षरो के लिए मुल्यांकन परीक्षा का आयोजन बिलासपुर में किया गया । परीक्षा को लेकर पूरी तैयारी की गई थी चारों विकासखंड में 493 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें बिल्हा में 52 मस्तूरी 56 तखतपुर 63 और कोटा विकासखंड में सबसे अधिक 322 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे ग्राम के व्यक्तियों का चिन्हांकन असाक्षर के रूप में करने के पश्चात् पंजीयन किया गया था कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में उल्लास कार्यक्रम का सञ्चालन बिलासपुर जिले में किया जा रहा है राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण से जिले के लिये इस बार 33260 असाक्षरों को परीक्षा में शामिल करने का लक्ष्य मिला है इनमे से कुछ ऐसे असाक्षर भी शामिल हुए जो पूर्व के महा परीक्षा में या तो अनुत्तीर्ण हुए थे या अनुपस्थित थे साथ नए असाक्षरों को भी इस परीक्षा में शामिल किया गया है जो वर्तमान में पंजीकृत है जिन्हें साक्षर करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। इस सभी असक्सरों को स्वयं सेवकों ने निःशुल्क 200 घंटे का अध्ययन कराया है जिसमें प्रवेशिका के सातों भाग शामिल है असाक्षरों को पढ़ना लिखना संख्यात्मक ज्ञान आदि की जानकारी दी गई है जिसका आकलन एफ एल एन ए टी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा में शामिल किया गया है इस परीक्षा में प्रातः 10 बजे से शाम 05 बजे के बीच नब्बे फीसदी असाक्षरों ने अपने काम धंधा को छोड़कर परीक्षा केन्द्र में पहुच कर आकलन परीक्षा दी। केन्द्रीय जेल के 100 असाक्षर बंदी महिला एवं पुरुष भी उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी पढाई पूरी करने के पश्चात आज उल्लास महा परीक्षा अभियान में सम्मिलित हुए इन बंदियों को जेल से ही पढ़े लिखे शिक्षित बंदी हैं जो स्वयंसेवक बनकर उनके पढ़ने लिखने का काम किया हैढ्ढ जिला शिक्षा अधिकार विजय कुमार टांडे ने केन्द्रीय जेल में चल रही परीक्षा का निरिक्षण किया।

मंच सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का माध्यम: नीमा

5 लाख की स्वीकृति से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन

सीपत/नवप्रदेश। बिलासपुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोंठी में स्थित पर्वत वासिनी बगलामुखी मां मन्नादाई का विख्यात मंदिर श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केन्द्र है। इसी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंदिर परिसर में सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भव्य भूमिपूजन संपन्न हुआ। तोखन साहू सांसद बिलासपुर एवं केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा सोंठी प्रवास के दौरान मंदिर प्रांगण में सांस्कृतिक मंच निर्माण हेतु 5,00,000 (पाँच लाख रुपए) की स्वीकृति प्रदान की गई थी। उक्त स्वीकृति के तहत आज 7 दिसंबर को बगलामुखी मां मन्नादाई सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर जायसवाल एवं ग्राम सरपंच नीमा वस्त्रकार की उपस्थिति में विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना एवं विधि-विधान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं मंदिर समिति से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम सरपंच नीमा वस्त्रकार ने कहा कि यह सांस्कृतिक मंच हमारे गांव के लिए केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का माध्यम है। इससे धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ लोकसंस्कृति, भजन, कीर्तन और सामाजिक कार्यक्रमों को सशक्त मंच मिलेगा। इसके लिए हम सांसद तोखन साहू जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। बंगलामुखी मां मन्नादाई सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर जायसवाल ने कहा कि मां मन्नादाई के आशीर्वाद से यह कार्य प्रारंभ हो रहा है। सांस्कृतिक मंच बनने से मंदिर परिसर में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को सुव्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप मिलेगा।

ग्राम ऊनी में दाल तिलहन व सूर्यमुखी फसल को प्रेरित करने किसानों से अधिकारियों ने की परिचर्चा

मस्तूरी/नवप्रदेश। मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत उनी में किसान परिचर्चा रखा गया जिसमें ग्राम उनी एवम कुली क़े लगभग 25 किसान शामिल हुये इस कार्यक्रम में संभागीय सयुक्त संचालक कृषि बिलासपुर एवम उपसंचालक कृषि बिलासपुर साथ ही सहायक संचालक कृषि वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी ए के आहिरे मस्तूरी की उपस्थिति में आयोजन किया गया यह कार्यक्रम कलेक्टर बिलासपुर क़े मार्ग दर्शन में दाल तिलहन सूर्यमुखी फसल की खेती किये जाने हेतु प्रेरित किया गया सभी उपस्थित किसानों में से 10:00 हेक्टर क्षेत्र में बोनी करने हेतु सहमति दिया गया इसमें कृषक संतोष ठाकुर ऊनी के सरपंच पंच गण तथा अन्य किसानों की उपस्थिति के साथ सहयोग रहा।

सुविधा

शीतकालीन में रेल यात्रियों की मांग को ध्यान रखते हुए रेल प्रशासन ने लिया निर्णय

सीएसएमटी-हावड़ा के मध्य 1-1 फेरे के लिए चलेंगी विशेष ट्रेनें

बिलासपुर/नवप्रदेश। शीतकालीन में रेल यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा के मध्य एक-एक फेरे के लिए विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 02870 हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से 6 दिसम्बर शनिवार को तथा गाड़ी संख्या 02869 सीएसएमटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से 8 दिसम्बर 2025 सोमवार को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है। गाड़ी संख्या 02870 हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन 6 दिसम्बर शनिवार को हावड़ा से 13.55 बजे रवाना होगी तथा खड़गपुर आगमन 15.30 बजे, प्रस्थान 15.35 बजे, टाटानगर आगमन 17.23 बजे, प्रस्थान 17.28 बजे, राऊरकेला आगमन 19.52 बजे, प्रस्थान 20 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 22.03 बजे, प्रस्थान 22.05 बजे तथा दूसरे दिन रविवार को बिलासपुर आगमन 01.15 बजे, प्रस्थान 01.25 बजे, रायपुर आगमन 03.15 बजे, प्रस्थान 03.20 बजे, दुर्ग आगमन 04.15 बजे, प्रस्थान 04.20 बजे, गोंदिया आगमन 06.05 बजे, प्रस्थान 06.10 बजे, नागपुर आगमन 8.10 बजे, प्रस्थान 08.20 बजे, बडनेरा आगमन 11.10 बजे, प्रस्थान 11.15 बजे, अकोला आगमन 12.10 बजे, प्रस्थान12.15 बजे, भुसावल आगमन 14.50 बजे, प्रस्थान 14.55 बजे, नासिक रोड आगमन 18.30 बजे, प्रस्थान 18.35 बजे, कल्याण आगमन 22.05 बजे, प्रस्थान 22.10 बजे होते हुये 23.45 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02869 सीएसएमटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से 8 दिसम्बर सोमवार को सीएसएमटी से 11.05 बजे रवाना होगी तथा कल्याण आगमन 12.10 बजे, प्रस्थान 12.15 बजे, नासिक रोड आगमन 15.15 बजे, प्रस्थान 15.20 बजे, भुसावल आगमन 18.50 बजे, प्रस्थान 18.55 बजे, अकोला आगमन 21 बजे, प्रस्थान 21.05 बजे, बडनेरा आगमन 22.55 बजे, प्रस्थान 23.00 बजे दूसरे दिन मंगलवार को नागपुर आगमन 01.25 बजे, प्रस्थान 01.30 बजे, गोंदिया आगमन 03.25 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, दुर्ग आगमन 05.05 बजे, प्रस्थान 05.10 बजे, रायपुर आगमन 05.43 बजे, प्रस्थान 05.48 बजे, बिलासपुर आगमन 07.40 बजे, प्रस्थान 07.45 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 11.20, प्रस्थान 11.25 बजे, राऊरकेला आगमन 12.50 बजे, प्रस्थान 13.00 बजे, टाटानगर आगमन 15.50 बजे, प्रस्थान 15.55 बजे, खड़गपुर आगमन 18.10 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे, होते हुये 20.55 बजे हावड़ा पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 06 स्लीपर, 02 एसी-थ्री टियर इकोनामी, 04 एसी-थ्री टियर, 02 एसी-टू टियर, 01 एसी- पहला तथा जनरेटर कार सहित कुल 21 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

सुविचार

जो आपके साथ बुरा करें उनके साथ न तो अच्छा करो न ही उनका बुरा करो बस उनसे दूर रहो। - अज्ञात

घुसपैठ को लेकर सुको की कड़ी टिप्पणी

भारत में बढ़ती घुसपैठियों की संख्या को लेकर केन्द्र सरकार ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्यवाही शुरू कर दी है। जिन राज्यों में चुनाव आयोग एसआईआर करा रहा है वहां से घुसपैठिये खुद ही पलायन कर रहे हैं। इसके साथ ही देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में वहां की योगी सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। लखनऊ, मेरठ, कानपुर और आगरा सहित यूपी के 17 बड़े शहरों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की सघन जांच पड़ताल की जा रही है और इन घुसपैठियों के लिए उत्तरप्रदेश के सभी जिलों में अस्थाई डिटेंशन सेन्टर खोल दिये गये हैं ऐसे प्रत्येक डिटेन्शन सेन्टरों में लगभग पंद्रह हजार घुसपैठियों को रखा जाएगा और बाद में उन्हें उनके देश खदेड़ दिया जाएगा। उत्तरप्रदेश की तरह ही बिहार में भी घुसपैठियों के खिलाफ अभियान छेड़ा गया है और अवैध कब्जा करके जिन घुसपैठियों ने अपनी बस्ती बसा रखी है उनके खिलाफ बुलडोजर की कार्यवाही शुरू की गई है। घुसपैठियों के खिलाफ की जा रही इस कार्यवाही को लेकर कुछ संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके मांग की है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरणार्थी घोषित किया जाए और उन्हें भारत से न निकाला जाये। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है कि इस देश में घुसपैठियों को अभी शरणार्थी घोषित नहीं किया गया है इसलिए उन्हें देश को छोड़ना ही पड़ेगा। घुसपैठियों को किसी भी तरह का कोई कानूनी अधिकार नहीं दिया जा सकता। भारत के संसाधनों पर भारतीयों का ही हक है हम कालीन बिछाकर घुसपैठियों का स्वागत नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट की इस कड़ी टिप्पणी के बाद अब केन्द्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारें जहां घुसपैठियों की संख्या ज्यादा है वहां घुसपैठियों के खिलाफ अभियान और तेज होगा। एक अनुमान के मुताबिक भारत में लगभग पांच करोड़ रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये वर्षों से रह रहे हैं जिनमें सबसे ज्यादा संख्या बंगाल और असम है। असम में तो खैर वहां की राज्य सरकार घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर रही है लेकिन बंगाल में घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। वे तो एसआईआर का ही प्रबल विरोध कर रही हैं क्योंकि एसआईआर की कार्यवाही के दौरान हजारों की संख्या में बंग्लादेशी घुसपैठिये अपना घर छोड़कर भाग रहे हैं। इससे ममता बनर्जी बौखलाई हुई है क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान इन रोहिंग्या और बांग्ब्लादेशी घुसपैठियों को तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध करा कर इन्हें अपना वोट बैंक बना रखा है। बहरहाल अब केन्द्र सरकार ने तय कर लिया है कि भारत को धर्मशाला नहीं बनने देंगे और एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुनकर देश से बाहर करेंगे। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद तो यह अभियान अब और तेज होगा भले ही ममता बनर्जी सहित अन्य विपक्षी पार्टियां इसे लेकर विधवा विलाप करती रहें।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत सराहनीय निर्णय

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को और राहत दी है अब 400 यूनिट तक खपत करने वाले बिजली उपभोक्ताओं को भी बिजली बिल में 200 यूनिट तक पचास प्रतिशत ही छूट प्रदान की जाएगी। इससे प्रदेश के लगभग छह लाख और विद्युत उपभोक्तओं को राहत मिलेगी। निश्चित रूप से साय सरकार का यह निर्णय सराहनीय है। गौरतलब है कि पहले सरकार ने सिर्फ सौ यूनिट तक बिजली बिल हाफ किया था बाद में इसे बढ़ाकर 200 यूनिट तक किया गया था लेकिन सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के आम विद्युत उपभोक्ता नाखुश थे। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए आखिरकार साय सरकार ने 400 यूनिट तक खपत वाले लोगों को भी 200 यूनिट तक 50 प्रतिशत की छूट देने का फैसला लिया है जो एक साल तक प्रभावी रहेगा। इस बीच ऐसे विद्युत उपभोक्ता जो 400 यूनिट से अधिक बिजली की खपत करते हैं वे पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अपने घरो पर सोलर प्लांट स्थापित करा सकें। सोलर प्लांट के लिए भी राज्य सरकार एक किलो वाट क्षमता तक के सोलर प्लांट पर 15 हजार तथा 2 किलो वाट या उससे अधिक के सोलर प्लांट पर 30 हजार रूपये तक की अतिरिक्त सब्सीडी दे रही है।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ मुक्ति धर्म अध्यात्म, आनंदित होना यह ऑप्शन सब्जेक्ट नहीं है, कंपलसरी है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों! तुम्हारे बाप को भी मानना पड़ेगा।, अपनाना पड़ेगा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 2009: डेनमार्क के कोपेनहेगन में जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। 2008: भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने जापान टूर का खिताब जीता। 2008: हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने चन्द्रमोहन को मुख्यमंत्री पद से बर्खास्त किया। 2002: तुर्की की आजरा अनिन मिस वर्ल्ड बनीं। 2001: तालिबान ने कई दिनों तक चली लड़ाई के बाद अफगानिस्तान के कंधार पर कब्जा छोड़ा। 1988: आर्मेनिया में आए 6.9 तीव्रता वाले भूकंप से 25 हजार लोगों की मौत, लाखों बेघर। 1995: भारत ने संचार उपग्रह इनसेट-2सी का प्रक्षेपण किया। 1992: दक्षिण अफ्रीका की धरती पर पहली बार कोई वनडे मैच खेला गया। 1949: भारतीय सशस्त्र बल फ्लैग डे मनाया जाता है। 1941: दूसरे विश्व युद्ध के दौरान आज ही के दिन जापान ने अमेरिका के पर्ल हार्बर पर हवाई हमला किया। 1889: दुनिया में मौजूदा रूप की पहली गाड़ी बनाई गई। 1856: देश में पहली बार आधिकारिक रूप से 'हिंदू विधवा' का विवाह कराया गया। 1825: भाप से चलने वाला पहला जहाज 'एंटरप्राइज' कोलकाता पहुंचा।

इंडिगो संकट से उभरे व्यवस्था के बुनियादी प्रश्न

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली इस संकट का केंद्र बना। 5 दिसंबर को इंडिगो की 235 सभी घरेलू उड़ानें रद्द हो गईं, एक ऐसा दृश्य जो भारतीय विमानन इतिहास में दुर्लभ है। दिल्ली इंडिगो का प्रमुख हब है, जहाँ रेड-आई फ्लाइट्स और रात के ऑपरेशनल दबाव अधिक होते हैं। नए स्नष्ठञ्जरु नियमों की मार भी सबसे पहले और सबसे ज़्यादा इसी बेस पर पड़ी। जब दिल्ली चरमराया, तो उसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे अन्य हब्स में भी कैंसिलेशन फैल गए। यह मानना गलत नहीं होगा कि इंडिगो का नेटवर्क एक अच्छी तरह निर्मित मशीन भले हो, लेकिन इस संकट ने दिखा दिया कि मशीन का हर पुर्जा पहले से ही अपनी अधिकतम क्षमता पर चल रहा था—और किसी भी दिक्कत में पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है।

इंडिगो में हालिया बड़े पैमाने पर हुई फ्लाइट रद्दीकरण की घटना ने देश की विमानन व्यवस्था की गहरी परतें उजागर कर दी हैं। यह संकट केवल एक एयरलाइन की विफलता नहीं, बल्कि उस सोच और मॉडल की नाकामी है जिसने भारतीय विमानन को लंबे समय तक ÷लीन और एफिशिएंट÷ रणनीति के नाम पर अनिश्चितता और अस्थिरता की ओर धकेला। इंडिगो जैसी विशाल एयरलाइन, जो अपने समय पर उड़ान भरने और व्यापक नेटवर्क के लिए जानी जाती रही है, आज इतने व्यापक परिचालन संकट में घिर जाए यह स्वाभाविक रूप से एक बड़े सिस्टम की चेतावनी का संकेत है।

संकट की जड़ में नए FDTL (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन रहा, जो 1 नवंबर 2025 से लागू हुए। इन नियमों ने पायलटों और केबिन क्रू के कार्य-घंटों पर कड़े प्रावधान लगाए। साप्ताहिक आराम 36 से बढ़ाकर 48 घंटे करना और नाइट लैंडिंग्स को 6 से घटाकर 2 कर देना। यह बदलाव पायलटों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और थकान प्रबंधन के लिए अनिवार्य था और वैश्विक मानकों के अनुरूप भी। परंतु इंडिगो ने इन बदलावों के प्रभाव को समय रहते न तो ठीक से समझा और न ही इसके लिए आवश्यक स्टाफिंग तैयार की। ष्ठत्रष्ट ने नियम लागू होने से नौ महीने पहले एयरलाइंस को तैयारी का समय दिया था, लेकिन इंडिगो के भीतर ÷लीन मैनपावर÷ रणनीति ने इस लचीलापन को नज़रअंदाज़ कर दिया। यही वह बिंदु था, जहां से संकट की नींव पड़ी।

इंडिगो का पायलट रोस्टर पहले ही अपनी क्षमता की सीमा पर संचालित हो रहा था। जब नए FDTL नियम लागू हुए, तो पायलटों की आवश्यकता अक्टूबर में 2,186 से बढ़कर नवंबर में 2,422 हो गई, जबकि उपलब्ध संख्या 2,357 पर ही अटकी रही। यह महज संख्या का अंतर नहीं था बल्कि एक ऐसे ऑपरेशन का चित्र था, जो हर दिन किनारे पर डगमगाते हुए चल रहा था। फर्स्ट ऑफिसर्स की कमी ने स्थिति को और कमजोर किया। खासकर विंटर शेड्यूल, रेड-आई फ्लाइट्स और हाई-ट्रैफिक हब्स जैसे दिल्ली और मुंबई पर इस कमी के कारण रोस्टरिंग लगभग असंभव हो गई। परिणामस्वरूप मामूली देरी भी पूरे नेटवर्क में ÷कैस्केडिंग कैंसिलेशन÷ में बदल गई, जैसा कि दिसंबर के पहले सप्ताह में देखने को मिला। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इंडिगो ने पिछले महीनों में हायरिंग फ्रीज, सैलरी फ्रीज और अन्य एयरलाइंस के साथ नॉन-पोचिंग एग्रीमेंट जैसे निर्णय लिए, जिनका सीधा असर उसकी क्रू उपलब्धता पर पड़ा। यह रणनीति लागत नियंत्रण के लिहाज़ से आकर्षक लग सकती है, लेकिन विमानन जैसे जटिल और सुरक्षा-उन्मुख क्षेत्र में स्टाफ को ÷लीन संसाधन÷ मानकर चलना जोखिमभरा कदम है। ऐसा मॉडल अनिश्चित मौसम, एयर ट्रैफिक कंजेशन, तकनीकी समस्याओं या स्टेशन-स्तर की गड़बड़ियों को सहन नहीं कर सकता। और यही हुआ—दिल्ली एयरपोर्ट जैसी जगहों पर चेक-इन और डिपार्चर कंट्रोल सिस्टम में आई तकनीकी दिक्कतें और कोहरे ने उस रोस्टर को चरमराकर गिरा दिया, जिसमें बफर क्रू का लगभग अभाव था।

दिल्ली इस संकट का केंद्र बना। 5 दिसंबर को इंडिगो की 235 सभी घरेलू उड़ानें रद्द हो गईं, एक ऐसा दृश्य जो भारतीय विमानन इतिहास में दुर्लभ है। दिल्ली इंडिगो का प्रमुख हब है, जहाँ रेड-आई फ्लाइट्स और रात के ऑपरेशनल दबाव अधिक होते हैं। नए स्नष्ठञ्जरु नियमों की मार भी सबसे पहले और सबसे ज़्यादा इसी बेस पर पड़ी। जब दिल्ली चरमराया, तो उसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे अन्य हब्स में भी कैंसिलेशन फैल गए। यह मानना गलत नहीं होगा कि इंडिगो का नेटवर्क एक अच्छी तरह निर्मित मशीन भले हो, लेकिन इस संकट ने दिखा दिया कि मशीन का हर पुर्जा पहले से ही अपनी अधिकतम क्षमता पर चल रहा था—और किसी भी दिक्कत में पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है।

DGCA की भूमिका यहां निर्णायक रही। नियामक ने न केवल एयरलाइन से हर 15 दिन में प्रोग्रेस रिपोर्ट की मांग की, बल्कि उससे 30 दिनों में पूर्ण FDTL अनुपालन का विस्तृत रोडमैप जमा करने को भी कहा। DGCA ने A320 विमानों के लिए कुछ अस्थायी छूट दी जैसे लगातार फ्लाइंग घंटे 12 से बढ़ाकर 14 करना या क्रू लीव को वीकली रेस्ट के रूप में स्वीकार करना लेकिन यह स्पष्ट संदेश दिया कि पूर्ण अनुपालन की अंतिम सीमा 10 फरवरी 2026 ही है। यह डेडलाइन इस राजनीतिक और नियामक संकल्प का प्रतीक है कि सुरक्षा के मूल मानकों पर कोई समझौता नहीं होगा, चाहे ऑपरेशनल असुविधा कितनी भी बड़ी क्यों न हो।

मौजूदा संकट केवल विमानन मैनपावर की कमी का संकट नहीं, बल्कि यह उन रणनीतिक निर्णयों की भी विफलता है जो 'किफ़ायत' के नाम पर बने। किसी भी उद्योग में लागत नियंत्रण आवश्यक है, लेकिन यदि वह सुरक्षा, विश्वसनीयता और मानवीय संसाधनों के सम्मान को कमजोर करने लगे, तो वह टिकाऊ मॉडल नहीं रह जाता। इंडिगो को यह समझना होगा कि पायलट, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ मशीन का हिस्सा नहीं, बल्कि अपने कौशल और निर्णय क्षमता से हर दिन हजारों यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले पेशेवर हैं। उन्हें थकावट की सीमा तक खींचना एयरलाइन के लिए भी और यात्रियों के लिए भी नुकसानदेह है। यह संकट हमें विमानन उद्योग के भविष्य के बारे में भी सोचने पर मजबूर करता है। क्या एयरलाइंस को AI आधारित प्रेडिक्टिव रोस्टरिंग और बफर क्रू पूल जैसे आधुनिक विकल्पों को अपनाना चाहिए? क्या पायलटों के लिए कैडेट प्रोग्राम्स, तेज ट्रेनिंग रूट्स और बेहतर वेतन संरचना जरूरी है? क्या हवाई अड्डों पर तकनीकी अवसंरचना को मजबूत किए बिना हम बढ़ते यात्री ट्रैफिक का सामना कर सकते हैं? ये सवाल अब और टाले नहीं जा सकते।

आतंकवाद की नई परिभाषा गढ़ते तालिबान पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

तब जब तालिबान और पाकिस्तान एक-साथ मिलकर, अमेरिका व पश्चिम समर्थित अफगानी शासन के खिलाफ संघर्ष में थे। तब आतंकवाद, संगठित विद्रोह, और पनाह-गाह का एक साझा मंच था। उस संघर्ष का मकसद स्पष्ट था अफगानिस्तान में तालिबानी शासन स्थापित करना, और क्षेत्रीय देश अपने स्वार्थ साधना। पाकिस्तान ने अपने हितों के तहत तालिबान और उनसे जुड़े संगठनों को संरक्षण दिया था। कई आतंकी समूह चाहे वे तालिबान के ही हों या बहु-संगठित भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, और मध्य एशिया में सक्रिय रहे लेकिन वक्त और हालात बदल गए। पहले जिस तालमेल को आतंकवाद की साझा पहचान ने जोड़ा था, अब वही लहू-खून और घात-छिपा युद्ध का कारण बन गया है। पिछले महीनों में सीमा पार कई हिंसक हमले हुए। कथित आतंकवादी संगठनों ने पाकिस्तान की सुरक्षाबलों पर हमले बढ़ा दिए। पाकिस्तान का आरोप है कि ये हमले विशेषकर उन संगठनों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, पाकिस्तान ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि अगर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), टीटीपी या अन्य प्रतिबंधित समूहों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो अफगानिस्तान के शासन और तालिबान दोनों को दुश्मन माना जाएगा।

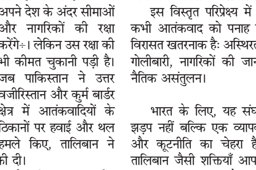

दूसरी ओर, तालिबान भी खामोश नहीं रहा। उसने पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में कथित हवाई हमलों जिनमें मासूमों की मौत हुई को ÷अभियान÷, ÷सैन्य घुसपैठ÷, और ÷सरहद उल्लंघन÷ करार दिया। तालिबान के एक मंत्री ने पाकिस्तान की रक्षा नीति को चुनौती देते हुए, उसे ÷कायर दुश्मन÷ कहा और चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतों का जवाब दिया जाएगा।

यही नाजुक संतुलन जो कभी साझा थे अब क्लेश, वियोग, और परस्पर अविश्वास में बदल गया है।

पाकिस्तान का कहना है कि तालिबान शासन ने उन आतंकवादी समूहों को पनाह दी जिन्होंने खुद पाकिस्तान की सेना व आम नागरिकों को निशाना बनाया। उनकी मांग यह है कि तालिबान उन समूहों को खदेड़े, या उन्हें समाप्त करने की ठोस कार्रवाई करें। क्योंकि, पाकिस्तान का कहना है, ÷जो भी उन्हें पनाह देता है, उकसाता है या फंड करता है, वह हमारे लोगों का मित्र नहीं हो सकता।?

तालिबान के लिए जिसे अब काबुल में सत्ता मिली है ।यह कहना आसान हो सकता है कि ÷वे अपने देश के अंदर सीमाओं और नागरिकों की रक्षा करेंगे÷। लेकिन उस रक्षा की भी कीमत चुकानी पड़ी है। जब पाकिस्तान ने उत्तर वजीरिस्तान और कुर्म बार्डर क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई और थल हमले किए, तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी।

इस बदलते परिदृश्य को यदि हम तत्कालीन इतिहास से जोड़कर देखें: 2021 में जब तालिबान ने अफगानिस्तान में फिर सत्ता सँभाली, पाकिस्तान की उम्मीदें बहुत थीं कि तालिबान न सिर्फअफगान, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन में पाकिस्तान का साथ देगा। विशेष रूप से, भारतङ्कपाकिस्तान कश्मीर के मसलों में तालिबान को पाकिस्तान का साथी बनाने की कवायद थी। लेकिन वह उम्मीद धरी की धरी रह गई। न तो तालिबान ने कश्मीर पर पाकिस्तान की किसी पुरज़ोर रणनीति का वादा निभाया, न ही भारत-विरोधी स्पष्ट राजनीतिक रुख अपनाया।

अब, जब तालिबान स्वयं आतंकवादियों के जिनमें टीटीपी, बीएलए आदि शामिल खिलाफ कार्रवाई में रुचि नहीं दिखा रहे, या दिखा भी रहे हो, पर कार्रवाई ठोस नहीं है, पाकिस्तान की नाराज़गी बढ़ने लगी। और इस नाखुशी की आंच से दोनों पूर्व मित्र अब आपस में तलवारें खिंचने लगे हैं।

इस विस्तृत परिप्रेक्ष्य में जहाँ दोनों ही पक्षों ने कभी आतंकवाद को पनाह दी, सहारा दिया आज विरासत खतरनाक है: अस्थिरता, अविश्वास, सीमा पर गोलीबारी, नागरिकों की जान और क्षेत्रीय राज-नैतिक असंतुलन।

भारत के लिए, यह संघर्ष सिर्फ एक सीमापार झड़प नहीं बल्कि एक व्यापक सुरक्षा, भू-राजनीति और कूटनीति का चेहरा है। क्योंकि जब पाक तालिबान जैसी शक्तियाँ आपस में झड़ रही हों, तो आतंकवाद का जाल और जटिल हो जाता है चाहे वह कश्मीर हो या पंजाब, चाहे भारत की सीमाएँ हों या मध्य एशिया का विस्तार।

इसलिए, अब यह कहना लाजिमी हो गया है कि ÷आतंकवादियों को पनाह देने÷ वाले देशों चाहे कभी मित्र रहे हों का अंत निश्चित था। और वह अंत सिर्फ उनकी अपूर्णीय साझेदारी का ही नहीं, बल्कि उस साझेदारी के दायित्वों, कूटनीतिक दावों और सुरक्षा प्रणालियों की विफलता का प्रतीक है।

आज, पाकिस्तान राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तीनों मोर्चों पर अस्थिरता से गुजर रहा है। उसकी सेना, उसकी सीमाएँ, उसका भरोसा सब कुछ सवालों पर है। एक अस्थायी, गठबंधन-सरकार की राजनीतिक कमजोरी, आर्थिक संकट, और बढ़ती आंतरिक असुरक्षा इन सबके बीच तालिबान का विरोध उस संकट को और गहरा कर रहा है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चाँद जैसे घटा

चाँद जैसे घटा बढ़ा करता, मेरा महबूब यूँ वफ़ा करता!! रू-ब-रू जाने कब मिलेगा वो, रोज़ ख़ूवाबों में बस मिला करता!! मौसमे इश्क़ है सँभलकर चल, इन दिनों हादसा हुआ करता!! ख़ुद वो मेरे मरज़ का आशिक़ था, क्या मेरे मरज़ की दवा करता!! एक इक लफ्ज़ उसको पढ़ती मैं, वो वरक़ दर वरक़ खुला करता!! लज़्ज़ते दर्द आंख में भरकर , साथ में कोई रत जगा करता!! बेखुदी की ये इंतहा है 'कमल' मुझको हर शय में वो दिखा करता!!

– रूबी झा 'कमल'

वक्त के दुशाले

वक्त के दुशाले पे बड़े पैबंद थे फटे थे मैले थे बड़े कसीदे किये मैंने बड़े बेल-बूटे सजाये थे आज जब मेरी कारीगरी ने तुझे बेशकीमती बना दिया सब बेताब है तुझे अपना बनाने को श्रेय ले जाने को कंधे पे सजाने को और वक्त के दुशाले ÷तू भी बड़ी बेवफा है। कब सजना चाहती है गरीब ,गुमनाम कारीगर के कंधे पे तुझे भी अपनी कीमत चाहिए ,ज़माने से।

– तनु देहलवी

ज़िंदगी तेरी है, तू खुलकर जी छोड़कर

ज़िंदगी तेरी है, तू खुलकर जी छोड़कर प्राण मेरे,जो चाहे पी जीने का हक़ तो मुझको भी है जीने दे मुझे और खुद भी जी डाक्टरों के चक्कर में तू ना पड़ ठंडा मौसम है,खूब खा गुड़-घी फटे-पुराने भी कपड़े काम आयेंगे जरा करके मेहनत तू उनको सी नीयत को साफ रख हमेशा बेवजह किसी का खून मत पी। – जे डी कुदाल ÷

एक कहानी न दादी वाली न नानी वाली

एक कहानी न दादी वाली न नानी वाली फिर भी मुझे सुनानी है बच्चों तुम्हे सिखानी है जीवन, वन में कैसे पनपा जल को किसने लिया अपना कौन उड़ा यह नभ को छूने कौन चला मिट्टी में छुपने कौन, कहाँ, कैसे, कब आओ हम जानें सब कहानी से जुड़ कर हम जड़ विज्ञान की खोज लाएँ जो भी सीखें आज हम घर जा कर सबको बतलाएँ। – अलका अग्रवाल

सब जानकर भी आप तो

सब जानकर भी आप तो अनजान जी रहे। जो हो रहा है मुल्क में कुछ भान भी रहे। जो आस्तीनों में पले फुफकारने लगे, किसको पिलाते दूध थे नादान ही रहे। – हरिवल्लभ शर्मा

अपनी एक कमी के बारे मे सोचिये...

अपनी एक कमी के बारे मे सोचिये... अब ये मत कहना मुझमे तो कोई कमी है ही नही... तो चलो अब सोच लिया... अब इसे ठीक करना है या नही ये सोचिये.. अब ये सोचिये की अगर करना है तो कैसे... और अगर नही करना है तो क्यूँ... –भागीरथी सिंह

उन्हें बस एब ही गिनाना है असल मक़सद

उन्हें बस एब ही गिनाना है असल मक़सद मुझे मिटाना है वो जिन रिश्तों को पाल कर रक्खा मुझे अब ज़ह्र उनसे खाना है उन्हें लगता है वो सही हैं बस सभी का वक़्त बस सयाना है चले जाना है एक दिन सबको सभी की सांस बस तराना है समझ ले आज से मरा खुद को कभी तो 'मित्र'तुझको जाना है

– मित्र ग़ाज़ियाबादी

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष: आज का दिन आपके लिये कामना पूर्ति वाला रहेगा। स्वयंजन एवं सहकर्मियों से विवेकी व्यवहार रखें अन्यथा इच्छाओं पर पानी फेरते समय नही लगाएंगे।

वृष: आज के दिन आपकी दिनचर्या पिछले दिनों की अपेक्षा बेहतर रहेगी। दिन के आरंभ में कार्यो के गलत दिशा लेने से गुस्सा आएगा।

मिथुन: आज का दिन सुख शांति दायक रहेगा दिन के पूर्वार्ध से ही मजाकिया व्यवहार से घर का वातावरण खुशनुमा बनाएंगे लेकिन बोलने में शब्दों का चयन ठीक ना होने से किसी से नाराजगी भी हो सकती है।

कर्क: आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य मे सावधानी बरतें की आवश्यकता हैं। पूर्व में बनाई योजना अथवा गतिशील कार्यो में नुकसान होने की प्रबल संभावना है।

सिंह: आज का दिन भी आपके लिये लाभदायक रहने वाला है दिन के आरंभ में घर मे किसी से व्यर्थ की बात पर उलझेंगे लेकिन मध्यान के बाद स्वभाव में गंभीरता आएगी।

कन्या: आज के दिन आपको व्यवसाय से आर्थिक लाभ पाने के लिये बड़ी जोड़ तोड़ करनी पड़ेगी फिर भी आशाजनक ना होने से मन मे नकारत्मक भाव आएंगे।

तुला: आज के दिन आप किसी मुसीबत से बचने के लिये धर्म का सहारा लेंगे मन मे आध्यात्मिक भाव रहेंगे लेकिन स्वार्थ सिद्धि मात्र ही। पूजा पाठ तंत्र टोटको पर दिन का कुछ समय और धन खर्च होगा ।

वृश्चिक: आज का दिन प्रतिकूल रहेगा पूर्व में बरती लापरवाही के कारण सेहत में विकार आने से प्रातः काल से ही अनमने से रहेंगे कार्य करने का मन करेगा लेकिन उत्साह की कमी हर कार्य मे विलंब कराएगी।

धनु: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा आज आपकी मानसिकता सुखोपभोग की वस्तुओं के संग्रह की रहेगी इसपर खर्च भी करेंगे लेकिन भविष्य को ध्यान में रखकर ही चले।

मकर: आज आपके मन मे काफी उलझने रहेंगी कार्य क्षेत्र और घर मे तालमेल बैठाना प्राथमिकता रहेगी एक काम को करने पर दूसरे में विलंब होगा फिर भी मध्यान तक स्थिति को संभाल लेंगे।

कुंभ: आज के दिन आप अपने बुद्धि चातुर्य से हर जगह सम्मान पाएंगे मेहनत भी आज अन्य दिनों की तुलना में अधिक करनी पड़ेगी लेकिन बीच-बीच मे प्रसंशा मिलने से अखरेगा नही। आर्थिक लाभ को लेकर दिन के आरंभ से कयास लगाएंगे।

मीन: आज के दिन अपने काम से काम रखना बेहतर रहेगा। दिन भर क्रोध और कलह के प्रसंग बनते रहेंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) झील किवु, जो समाचारों में देखी गई थी, किन दो देशों के बीच स्थित है?

2) माउंट एडम्स एक स्ट्रैटोवोल्केनो किस देश में स्थित है?

3) पारंपरिक ज्ञान के संचार और प्रसार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया था?

4) किस काल में तंत्रवाद का उदय हुआ?

5) हाल ही में भारत के पहले वर्टिकल रेलवे सी ब्रिज का उद्घाटन कहाँ हुआ?

उत्तरमाला- (1) डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और रवांडा (2) संयुक्त राज्य अमेरिका (3) नई दिल्ली (4) वैदिक काल (5) रामेश्वरम, तमिलनाडु

कार्टून

सीएम साय से कुंभकार समाज के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री साय को आगामी जनवरी 2025 में रायपुर जिले के ग्राम नवागांव (कोलियारी) में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय महाधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया।मुख्यमंत्री साय ने आमंत्रण के लिए समाज के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का धन्यवाद किया तथा आयोजन की सफ्लता के लिए शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि कुंभकार समाज की पारंपरिक कला, श्रमशीलता और सांस्कृतिक योगदान छत्तीसगढ़ की सामाजिक संरचना को समृद्ध बनाते हैं। राज्य सरकार सभी समाजों के विकास और सहभागिता के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।प्रतिनिधि मंडल में समाज के सलाहकार रतन लाल चक्रधारी, बी.पी. चक्रधर, प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार चक्रधारी, महामंत्री हेमलाल कौशिक, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश कुंभकार, दौवा राम चक्रधारी सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छग में कड़ाके की ठंड शुरू, बस्तर का न्यूनतम तापमान 3 डिसी दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। उत्तरी हवाओं का छग में प्रभाव पिछले 48 घंटों से दिखना शुरू हो गया है। प्रदेश में अब कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। रविवार सुबह बस्तर का न्युनतम तापमान 8.9 डिसी दर्ज किया गया। बदले मौसम के चलते आगामी 48 घंटों में बस्तर सरगुजा सहित संपूर्ण छग में शीतलहर चलने की संभावना आईएमडी एजेंसी ने व्यक्त की है। आईएमडी एजेंसी के अनुसार आज सुबह 8.30 बजे प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। सुबह सरगुजा में तापमान गिरकर 4.6 डिसी पर पहुंच गया है। प्रदेश के उत्तरी एवं मध्य भागों में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज होने से दो से 6 डिसी तापमान में कमी महसूस की गई है। प्रदेश में कोरिया जशपुर, बलरामपुर, सरगुजा में तापमान में तेजी से गिरावट होने के चलते ठिठुरन के साथ कड़ाके की ठंड का सामना क्षेत्रवासियों को करना पड़ रहा है। सरगुजा कोरिया एवं जशपुर में वहां के नगर पालिका प्रशासन द्वारा चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था भी की गई है। आईएमडी के अनुसार उत्तरी पश्चिम दिशा से आ रही शुष्क और ठंडी हवाओं के चलते आगामी 72 घंटों में तापमान और गिरावट दर्ज की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित क्षेत्र के निवासियों से अत्यधिक ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने की अपील करते हुए सिर्फ काम के समय ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। इसके साथ ही देर रात तक घूमने वालों से भी स्वास्थ्य रक्षा की दृष्टि से घर में रहने की सलाह दी गई है।

बागबाहरा के किसान से मिलने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का प्रतिनिधिमंडल मेकाहारा गया

रायपुर/नवप्रदेश। धान बेचने टोकन नहीं कटने से निराश बागबाहरा के सेनभाठा किसान मनबोध गाड़ा के द्वारा अपना गला काट कर आत्महत्या का प्रयास किये जाने की घटना को दुखद मानते हुये कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और जिला कांग्रेस अध्यक्षों का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने मेकाहारा गया। किसान मनबोध गाड़ा का ऑपरेशन चल रहा था, इस कारण उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रभारी सचिवगण जरिता लैतफ्लांग, विजय जांगिड़ सहित जिलाध्यक्षगण शामिल थे।

महासमुंद के किसान द्वारा आत्महत्या की कोशिश दुर्भाग्यजनक

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने महासमुंद के किसान द्वारा 3 दिन तक धान बेंचने के लिए टोकन ना मिलने पर सांस की नली काटकर आत्महत्या की कोशिश को दुर्भाग्यजनक बताया है। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के किसानों का सरकार धान खरीदना नहीं चाह रही है। टोकन के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है जिससे किसानों में चिंता बनी हुई है।प्रदेश में ज्यादातर किसानों का रकबा ही काट दिया गया है कुछ किसानों का रकबा जहां 10 एकड़ था वहां कटकर एक एकड़ ही कर दिया गया है। कहीं बारदाना नहीं है तो कहीं कांटा तक सरकार उपलब्ध नहीं करा पा रही है। ज्यादातर समितियों में किसानों द्वारा जितना कर्ज लिया गया है सिर्फ उतना ही कीमत का धान खरीदा जा रहा है और बाकी धान का कलर खराब या अन्य कारण बताकर वापस भेज दिया जा रहा है।

चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स ने रायपुर रेलवे स्टेशन को सर्वसुविधा युक्त बनाने पर दिया ज़ोर

रायपुर/नवप्रदेश। 06 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के कुशल मार्गदर्शन में व्यापारिक हितों एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई । चेम्बर के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने आज रायपुर रेलवे स्टेशन के प्रमुख प्रबंधक माननीय आर.पी मंडल जी से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में डीआरयूसीसी रायपुर संभाग के सदस्य एवं चेम्बर के उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन और जितेंद्र शादीजा शामिल थे।

इलाज की चिंता खत्म, आयुष्मान योजना 10 लाख तक बढ़ाने की तैयारी कर रही सरकार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार मार्च 2026 में अपना तीसरा मुख्य बजट पेश करने की तैयारी तेज़ कर दी है। वित्त विभाग ने सभी विभागों से ÷मोदी की गारंटी÷ और चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने का पूरा हिसाब मांगा है। यह बजट राज्य सरकार के दो साल पूरे होने के बाद ÷मोदी की गारंटी÷ के आधार पर तैयार किया जाने वाला पहला बजट होगा।

लंबित 18 लाख आवासों की मंजूरी

विभिन्न विभागों के साथ चर्चा 10 दिसंबर से शुरू होगी, और सभी विभागों से मिली जानकारी के आधार पर 24 दिसंबर तक बजट का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। मोदी की गारंटी के तहत मुख्य योजनाओं में कृषि उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीद 3,100 रुपए की दर से, महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपए की मासिक वित्तीय सहायता, पांच साल में 100,000 सरकारी नौकरियां, और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1.8 मिलियन लंबित घरों को मंजूरी देना शामिल है।

अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं में तेंदू पत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, चरण पादुका योजना (जूते वितरण योजना), दीनदयाल उपाध्याय कृषि श्रमिक कल्याण योजना, CGPSC भर्ती परीक्षा की जांच, राज्य राजधानी क्षेत्र का गठन, और श्री रामलला दर्शन योजना (तीर्थयात्रा योजना) शामिल हैं।

सरकार के नए बजट में कई पेंडिंग पहल शामिल हैं, जैसे आयुष्मान योजना के तहत इंश्योरेंस कवरेज को बढ़ाकर 10 लाख रुपए करना, गरीबी रेखा से नीचे परिवारों की लड़कियों को बर्थ सर्टिफिक्रेट देना, गरीब महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देना, एक एंटी-करप्शन कमीशन और एक मॉनिटरिंग वेबसाइट बनाना, और हर डिवीजन में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना करना। वित्त विभाग की यह नई तैयारी यह सुनिश्चित करेगी कि बजट जनता की उम्मीदों के मुताबिक हो और इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

वीर सैनिकों के कारण ही हमारे जीवन और संपत्ति सुरक्षित है : राज्यपाल डेका

- सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर आयोजित समारोह में हुए शामिल राज्यपाल
- झण्डा दिवस निधि में राज्यपाल ने दी 2 लाख की सहयोग राशि

रायपुर/नवप्रदेश। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में गौरवपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि सैनिक निःस्वार्थ भाव से हमेशा देश की रक्षा के लिए तैयार रहते है और अपना जीवन देश सेवा के लिए लगाते है। उनके कारण ही हमारे जीवन और संपत्ति सुरक्षित हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने सशस्त्र झण्डा दिवस निधि के लिए 2 लाख रूपए की सहयोग राशि राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड को प्रदान की।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने सभी शहीदों की वीर नारियों एवं माताओं, आश्रितों को सम्मान राशि और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। वीरता अलंकरण प्राप्त सैनिकों और झण्डा दिवस के अवसर पर विशेष योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया।

राज्यपाल डेका ने अपने उद्बोधन के दौरान इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि झण्डा दिवस निधि से लगभग 27 महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है, जिनके माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके आश्रित परिवारों को निरंतर सहायता मिल रही है। छत्तीसगढ़ सैनिक कल्याण बोर्ड और गृह विभाग के सहयोग से हमारे वेटरन्स की उत्कृष्ट देखभाग सुनिश्चित की जा रही है।

डेका ने कहा कि हमारे सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपना कार्य संपादित करते हैं। माइनस डिग्री के तापमान में भी अपनी जिम्मेदारी कुशलता से निभाते है। उन्होंने शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को नमन किया और कहा कि आप लोगों का त्याग अमूल्य है। लोकभवन और छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ा हैं। सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध है।

समारोह की शुरूआत में शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी गई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का प्रतीक बैज लगाकर डेका को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के संदेश का वाचन किया। राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर विवेक शर्मा ने झण्डा दिवस निधि के महत्व पर एवं इस निधि से भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में सबसे ज्यादा राशि एकत्रित करने के लिए कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार सिंह एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रायपुर कैप्टन अनिल कुमार शर्मा को प्रथम पुरस्कार एवं कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह एवं सैनिक कल्याण अधिकारी दुर्ग को द्वितीय पुरूस्कार एवं राज्यपाल ट्राफी प्रदान की गई।

इस अवसर पर राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के ब्रोशर संक्षेपिका-2025 का भी विमोचन किया गया। एन.सी.सी. कैडेटों ने ओजपूर्ण देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) संजय शर्मा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, सेवारत् तथा भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

सृष्टि इम्पेरिया आधुनिक डिजाइन वाले फ्लैट्स का अनोखा आकर्षण

- बेस्ट लोकेशन पर सृष्टि ग्रुप का अत्याधुनिक सुविधाओं सहित ग्रीनरी वाला प्रोजेक्ट

रायपुर/नवप्रदेश। बेस्ट प्रापर्टी की पहचान है संसार बिल्डकॉन, हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग खूबियां रही हैं। इसीलिए लोगों ने हाथों हाथ खरीदा। जो बताया वहीं बनाया और सबसे बड़ी बात अपने निर्धारित समय पर पजेशन भी दिया।

सृष्टि ग्रुप के छठवें प्रोजेक्ट सृष्टि इम्पीरिया की काफ्री चर्चित रही है जो कि 14 एकड़ बना हुआ है। सृष्टि इम्पीरिया के फ्लैट्स का डिज़ाइन इस तरह तैयार किया गया है कि नैचुरल लाइट सीधी फ्लैट के अंदर तक पहुँचती है, जिससे प्रत्येक यूनिट में खुलापन और ताजगी का एहसास बना रहता है। फ्लैट्स की बनावट बंगलो जैसी फ्रीलिंग देती है और इन्हें पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया गया है।प्रोजेक्ट में डिजिटल लॉक, मॉडर्न सुरक्षा व्यवस्थाएँ, और सभी हाई-क्लास सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। फ्लैट्स का स्ट्रक्चर वर्क लगभग पूरा हो चुका है। कॉलोनी में एक ही बिल्डिंग होने से चारों तरफ से खुला माहौल मिलता है, जो रहने के अनुभव को और बेहतर बनाता है। मॉडल फ्लैट भी तैयार किया जा चुका है।इसी वजह से प्रॉपर्टी बायर्स इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखा रहे हैं, क्योंकि इसकी आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिज़ाइन को बेहद आकर्षक और संतुलित ढंग से तैयार किया गया है।

सृष्टि इम्पीरिया शंकरनगर इलाके के बेस्ट लोकेशन पर स्थित है यह प्रोजेक्ट। आवागमन के दृष्टिकोण से और भी शानदार है। यहां अलग-अलग साइज के प्लाट्स व बंगले फ्लेट, शॉप एवं आफ्सि एवं उपलब्ध हैं। सृष्टि इम्पीरिया में वह सारी सुविधाएं उपलब्ध है जो कि एक मेट्रो सिटी के आवासीय प्रोजेक्ट में चाहिए। इसकी पूरी बनावट व बसाहट फ्यूचर को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। आज लोग कम्यूनिटी लिविंग वाले सुरक्षित व ग्रीनरी इलाके में स्वास्थ्य के अनुकूल माहौल देने वाला आवासीय प्रोजेक्ट चाहते हैं और यह सारी खूबियां सृष्टि इम्पीरिया में उन्हे मिलेगी।

सृष्टि ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सतेन्द्र अग्रवाल और डायरेक्टर नवनीत अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि सृष्टि इम्पीरिया प्रोजेक्ट में ग्रीनरी का सबसे ज्यादा ध्यान रखा गया है। खुली हवा के बीच हरियाली आपको पूरी तरह से सुकून देगा। प्रवेश द्वार पर ही खुबसूरत झरने से स्वागत होगा। पूरी कालोनी सुरक्षा घेरे में हैं ।

सरकारी स्कूलों की ऑडिट रिपोर्ट ने शिक्षा गुणवत्ता की कलाई खोल दी : वंदना राजपूत

मध्यम एवं गरीब बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़

रायपुर/नवप्रदेश। सरकारी स्कूलों के सोशल ऑडिट रिपोर्ट पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार में सरकारी स्कूलों की स्थिति दयनीय होती जा रही है, शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत राज्य के 56895 सरकारी स्कूलों के सोशल ऑडिट सामने आए हैं जिनमें 9540 स्कूलों को डी ग्रेड मिला है इसका मतलब है कि बच्चों को अक्षर ज्ञान तक नहीं हो पाया है। सरकारी स्कूलों के सोशल ऑडिट में 30570 स्कूलों को बी ग्रेड मिला है। मतलब बी ग्रेड में बच्चे सिर्फ सामान्य है जबकि वर्तमान में जो कम्पीटिशन चल रहा है उसके लिए बच्चों को उच्च क्वालिटी की शिक्षा जरूरी है, लेकिन वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार में शिक्षा के नाम पर सिर्फ और सिर्फ खाना पूर्ति की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार की ग़लत नीति के कारण आज शिक्षा की गुणवत्ता नीचे गिरते जा रहा है, स्कूलों में युक्ति युक्तकरण के नाम पर लगभग 10500 स्कूल बंद किए गए. कई स्कूलों को मर्ज कर दिया गया।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार प्रदेश में आई है तब से शिक्षा विभाग भगवान के भरोसे से ही चल रहा है। दो सत्र तो बिना शिक्षा मंत्री के निकल गए थे। सत्र में विद्यालय खुलने के तीन-चार महीना बाद भी स्कूलों में पाठ्य पुस्तक नहीं मिल पाया था।

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की बैठक संपन्न

रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस के नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्षों की पहली बैठक राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रभारी सचिव द्वय जरिता लेतफ्लांग, विजय जांगिड़ की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, डॉ. शिवकुमार डहरिया भी उपिस्थत थे।

बैठक में नवनियुक्त जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्षों का स्वागत, मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति पर चर्चा एवं समीक्षा, नई दिल्ली में 14 दिसंबर को आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ महारैली में सहभागिता पर चर्चा, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर मासिक बैठकें आयोजित करने पर चर्चा, संगठन की मजबूती के लिए आगामी रणनीति एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा तथा धान खरीदी की परेशानी, जमीन की गाईडलाइन की बढ़ी दरों, बिजली के दाम 400 यूनिट की कटौती पर चर्चा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश में पहली बार संगठन सृजन का काम हुआ है। आलाकमान ने आप सभी पर भरोसा जताया है। उस पर खरे उतरना है। एआईसीसी और पीसीसी के निर्देशो का पालन करना है। आप सबकी सक्रियता जरूरी है। भ्रष्ट सरकार के खिलाफ लड़ना है। जनता के मुद्दे को लेकर सरकार को फैलियर साबित हो रही है और तीन साल तक इन मुद्दों को बढ़ाकर सरकार के खिलाफलड़ाई और तेज करनी है। देश और प्रदेश में सरकार बनाना हमारी प्राथमिकता है। सभी सामंजस्य बनाकर काम करना है। सभी जिलों में सोशल मीडिया टीम बनाना, प्रकोष्ठ की नियुक्ति करना है, एसआईआर का की प्राथमिकता में ले, 14 दिसंबर को सभी को अधिक साथियों के साथ दिल्ली रैली में जाना है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सभी जिला अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन सृजन का काम अच्छे से चला। धान खरीदी में हर किसान से साढ़े सात रू. प्रति बोरे के हिसाब से लिया जा रहा है। आपको सभी प्रकोष्ठ में महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस के साथ मिलकर काम करना है। जिला स्तर पर सेवादल मजबूत करना है। हम सबकी जवाबदारी है कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात को जनता तक ले जाये।

छत्तीसगढ़ की महिला टीम 8 पदकों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर

रायपुर/नवप्रदेश। 47वी अखिल भारतीय विद्युत महिला क्रीड़ा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला टीम ने 6 राज्यों की टीमों से मुकाबला कर टीम चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया। यह स्पर्धा तमिल नाडु राज्य द्वारा 3-5 दिसंबर को चेन्नई में आयोजित की गयी थी जिसमे छत्तीसगढ़ की टीम ने तमिल नाडु,कर्नाटक , तेलंगाना, केरल, आंध्र प्रदेश, असम के साथ मुकाबला करते हुए संपूर्ण टूर्नामेंट में 8 पदकों के साथ तीसरे स्थान हासिल किया।

तीन दिवसीय इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने पांच अलग अलग खेल वर्ग में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टेबल टेनिस श्रेणी में सामूहिक वर्ग में रजत पदक, डबल्स वर्ग में स्वर्ण एवं एकल में स्वर्ण और कांस्य दोनों पदको पर कब्जा किया। इसी तरह बैडमिंटन एवं शतरंज श्रेणी में सामूहिक वर्ग में रजत और कैरम में कांस्य पदक विजेता रहे।

शतरंज श्रेणी में नूतन ठाकुर एकल स्पर्धा में हैट्रिक बनते हुए एकल वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता रही। वह वर्ष 2023 से अब तक लगातार तीन वर्षों से शतरंज की चैंपियन रही है।

टीम की मैनेजर श्रीमती अनामिका मांडवी एवं कोच रजनीश ओबेरॉय के नेतृत्व में टीम तमिलनाडु गई थी । श्रीमती अनामिका और ओबेराय ने इस जीत का श्रेय छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की उत्साहवर्धक नीतियों को दिया जिसके कारण खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है। केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के पदाधिकारियों द्वारा बेहतर सुविधायें देकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया जाता है ।

इस स्पर्धा में कैरम टीम से कंचन महेश ठाकुर, नमिता जैन, शकुंतला करक, अनिता रोही, बैडमिंट टीम से झरना लता साहू, जुवेना गेम्स, गायत्री दीवान, टेबल टेनिस से दिव्या आमदे, श्रद्धा वर्मा, शिखा खंडे, शोभना सिंह, शतरंज से नूतन ठाकुर, मीना कुर्रे, स्मिता सोनी, भारती साहू, एवं टेनिकोइट खेल से सुश्री एलिस मेरी केरकेट्टा, उपासी दांगी, यशोदा रौतिया, कल्याणी वर्मा ने भाग लिया।

न्यूज गैलरी

शादी का झांसा देकर लूटता रहा महिला की अस्मत...

कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

काँकेर/नवप्रदेश। महिला से शादी के नाम पर दुष्कर्म करने वाला आरोपी कृष्ण कांत वघाड़े पिता रविकांत वघाड़े उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं.56 दल्ली राजहरा जिला बालोद को गिरफ़्तार किया गया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों को पीछे भेज दिया है।पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पीड़िता ने थाना कांकेर मे उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि कृष्ण कांत वघाड़े पिता रविकांत वघाड़े उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं.56 दल्ली राजहरा जिला बालोद ने मुझे 20 सितंबर 2025 को कांकेर में बुलाकर मैं आपको पसंद करता हूँ एवं पीड़िता को शादी का प्रलोभन देकर मेरे इच्छा के विरूद्ध शारीरिक संबंध बनाया है की रिपोर्ट पर थाना कांकेर मे अपराध अपराध क्रमांक 407/2025 धारा 64,115(2), बीएनएस का अपराध कायम का विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान पुलिस कांकेर द्वारा त्वारित कार्यवाही करते हुए आरोपी कृष्ण कांत वघाड़े पिता रविकांत वघाड़े उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं.56 दल्ली राजहरा जिला बालोद को जिला रायपुर मुजगाहन से गिरफ्तार कर आरोपी को माननीय न्यायालय कांकेर में न्यायिक रिमाण्ड पर 07 दिसम्बर 2025 को पेश किया गया सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक मनीष नागर के नेतृत्व में, सउनि सोमेन्द्र सिंह आरक्षक राकेश बघेल रूद्र कुमार जुर्री का अहम भूमिका रहा है।

भारत माता परिसर में जन सहयोग का स्वच्छता अभियान.....

काँकेर/नवप्रदेश। समाज सेवी संस्था ÷जन सहयोग÷ तथा भूतपूर्व सैनिकों के सहयोग से आज रविवार को शहर के राजा पारा स्थित भारत माता मूर्ति परिसर में ज़बर्दस्त स्वच्छता अभियान चलाया गया।जिसमें कई ट्रैक्टर ट्राली भरकर कचरा साफ किया गया।÷ जन सहयोग÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के वक्तव्य के अनुसार बरसात के दिनों में संपूर्ण परिसर में बड़ी-बड़ी कँटीली झाड़ियां हो गई थीं एवं फालतू कचरा भी बहुत अधिक इकट्ठा हो गया था,जिसके कारण यह सुंदर परिसर खराब होकर रह गया था। नव वर्ष तथा अन्य त्योहारों के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए समाज सेवकों द्वारा आज पक्के इरादे के साथ संपूर्ण परिसर तथा तथा कोमलदेव ज़िला अस्पताल के आसपास तक की सफ़ाई कई घंटे की मेहनत के बाद कर दी गई, जिससे इस इलाके की तस्वीर ही बदल गई। इस पुण्य कार्य में भाग लेने वाले समाज सेवकों में जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी तथा भूतपूर्व सैनिक कल्याण परिषद के टेश्वर जैन के अलावा धर्मेंद्र देव करण नेताम, सागर देव शैलेंद्र देहारी, बल्लू राम यादव, पपन यादव, बलराम सिंह आदि उत्साही समाज सेवकों ने भाग लिया तथा संपूर्ण भारत-माता परिसर को आने वाले त्योहारों के लिए नई स्वच्छ तस्वीर के रूप में तैयार कर दिया।

डाकघर में आधार अपग्रेडशन शिविर संपन्न

काँकेर/नवप्रदेश। भारतीय डाक विभाग तथा बस्तर संभाग के अधीक्षक के मार्ग निर्देशन पर संभागीय निरीक्षक तुरकर व जांगडे के तत्वावधान शनिवार एवं रविवार को सरोना उप डाकघर में एक दिवसीय आधार कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें आस-पास के आये हुए 35 से 40 लोगों ने शिविर का लाभ लिया जिसमें बच्चों का नया आधार बनाना आधार सुधार और भी आधार से सम्बन्धित कमियो वाले कार्य को सफलता पूर्वक किया गया।सरोना उप डाकघर के आधार इंचार्ज शेख फ़ैज़ान ने बताया की शिविर संचालन का उद्देश्य यह होता है कि अधिक से अधिक लोगो को इसका लाभ मिल सके इसके लिए डाक विभाग द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। शिविर में ग्रामीण क्षेत्रों के आधार त्रुटियों सहित बच्चे बूढ़े महिलाओ के समस्त आधार को सुधार करते हुए नए आधार बनाकर त्रुटियों में सुधार किया जा रहा है

जिले में मनाया गया मनरेगा दिवस

बलरामपुर/ नवप्रदेश। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आज मनरेगा दिवस का आयोजन किया गया। विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत सभी 95 ग्राम पंचायतों में मनरेगा रोजगार दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मनरेगा के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वाटरशेड महोत्सव आयोजित

बलरामपुर/ नवप्रदेश। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम देवीगंज में वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के द्वारा जल संरक्षण विषय पर विस्तृत जानकारी दिया गया परियोजना अधिकारी श्री रॉबिंसन सुधीर कुजूर के द्वारा वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम के बारे में जल और मृदा की उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई साथ ही अमृत सरोवर और सिंचाई नाली के साफ सफाई में श्रमदान किया गया। इस दौरान करमा नृत्य के साथ साथ स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए जल संरक्षण पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री बद्री यादव, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सूरजमुनिया उइके, वाटरशेड समिति के अध्यक्ष श्री उदय भान मरकाम, अन्य जनप्रतिनिधिगण, वाटरशेड परियोजना के सभी अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीण एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अलसुबह कलेक्टर ने धनवार व चूना पाथर चेक पोस्ट का किया औचक निरीक्षण

■ **अवैध धान परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के दिए निर्देश**

बलरामपुर/ नवप्रदेश। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आज मनरेगा दिवस का आयोजन किया गया। विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत सभी 95 ग्राम पंचायतों में मनरेगा रोजगार दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मनरेगा के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने आज अलसुबह विकासखण्ड वाड्रफनगर से लगे अंतरराज्यीय चेक पोस्ट धनवार का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री कटारा ने चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारियों से जांच प्रक्रिया तथा सुरक्षा की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसी भी प्रकार की आंनयांमतता या अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अवैध परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेक पोस्ट पर वाहनों की जांच प्रक्रिया, सीसीटीवी, वाहनों के प्रवेश-निकास पंजी तथा कर्मचारियों की ड्यूटी सूची का भी अवलोकन किया। उन्होंने चेक पोस्ट में संबंधितों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे हर स्थिति में सतर्क रहें और आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच सुनिश्चित करें।

समर्थन मूल्य पर मेहनत का मिल रहा उचित दाम'

धान खरीदी में पारदर्शिता से खुश किसान

■ **शिव कुमार बोले बच्चों के भविष्य के लिए मिला आर्थिक सहारा**

बलरामपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी कार्य सुचारू और पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रहा है। जिले में भी निर्बाध रूप से किसानों से धान खरीदी की जा रही है। जिले के बलरामपुर विकासखंड के झलपी ग्राम पंचायत के शिव कुमार इस वर्ष धान खरीदी केंद्र पहुंचे उन्होंने बताया कि टोकन कटाने से लेकर धान बेचने तक की प्रक्रिया बेहद आसान और सरल रही। केंद्र पर पहुंचते ही कर्मचारियों ने तुलाई कर उनका 102 बोरी धान समर्थन मूल्य पर खरीदा। वे बताते हैं कि इस वर्ष वे लगभग 330 बोरी धान बेचने वाले हैं, जिससे उन्हें अच्छी आर्थिक आय होने की उम्मीद है। शिव कुमार कहते हैं सरकार की ओर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से हमें हमारी मेहनत का पूरा दाम मिलता है। इस वर्ष मिलने वाले पैसे से मैं अपने बच्चों के ब्याह का खर्च आसानी से पूरा कर सकूंगा। उन्होंने खरीदी व्यवस्था संतोष जताया।

शिवकुमार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वर्तमान सरकार किसानों के हित में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। समर्थन मूल्य पर खरीदी पूरी तरह से किसानों को समर्पित है। इससे हमें सीधा आर्थिक लाभ मिलता है और हमारी कठिन मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त होता है।

प्रशासन की सतर्कता से 400 बोरी अवैध धान से भरा ट्रक जब्त

जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की ओर से एक ट्रक में अवैध रूप से धान लाए जाने की जानकारी प्राप्त होते ही प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक नंबर सीजी 29 एएफ0480 में लगभग 400 बोरी अवैध धान लोड था, जिसे बिना वैध दस्तावेजों के जिले की सीमा में लाया जा रहा था। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को रोका, सामग्री की जांच की और धान को कब्जे में लेकर वाहन को संबंधित थाने के सुपुर्द कर दिया है।अनुविभागीय अधिकारी श्री नीर नंदेहा ने कहा है कि जिले में धान खरीदी सीजन के दौरान प्रत्येक स्तर पर अवैध गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है। चेक पोस्टों पर निगरानी को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा है कि आगे भी अवैध परिवहन , भंडारण गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतागढ़ में 'मावा मोदोल' की तैयारियों का सीईओ ने लिया जायजा

■ **15 दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश**

काँकेर/नवप्रदेश। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने आज अंतागढ़ में स्थापित 'मावा मोदोल' अध्ययन केंद्र की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं और प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

'मावा मोदोल' जिला प्रशासन की अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से स्थानीय युवाओं को निःशुल्क कोचिंग, पुस्तकें और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'मावा मोदोल' का संचालन क्षेत्र के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अवसर साबित होगा और यह पहल अंतागढ़ के शैक्षिक विकास में नई ऊर्जा लाएगी।

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री मंडावी ने बैठने की व्यवस्था, पुस्तक उपलब्धता, परिसर की सफाई तथा डिजिटल संसाधनों की स्थिति की बारीकी से जांच की।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मावा मोदोल केंद्र को 15 दिसंबर तक पूर्ण रूप से तैयार कर लिया जाए। उन्होंने परिसर में अपूर्ण टाइल्स कार्य को तत्काल ूरा करने, भवन परिसर में स्थापित खंभे को हटाने तथा साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश सीएसईबी के जेई और अन्य संबंधित विभागों को दिए।

निरीक्षण के दौरान जनपद सीईओ अंतागढ़, खंड शिक्षा अधिकारी अंतागढ़ सेजेस प्रिंसिपल, उप अभियंता आरईएस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्यों को काँचेका ने ज्ञापन सौंपा

■ **कांकेर मुख्यालय को भानुप्रतापपुर रेल लाइन से जोड़ने की मांग**

काँकेर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल की रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति डीआरयूसीसी रायपुर की द्वितीय बैठक दिसंबर माह में रायपुर रखी गई है छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेशाध्यक्ष सतीश थोरानी के पहल पर रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले समस्त स्टेशनों के लिए नई मांग एवं महत्वपूर्ण सुझाव छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा मांग की गई थी जिसे रेल मंडल की होने वाली उपरोक्त बैठक मैं रखा जा सकें जिसके लिए छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स की अनुशंसा पर रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेंद्र सादीजा को नामित भी किया गया हैं।तथा छत्तीसगढ़ चेंबर द्वारा प्रदेश के विभिन्न रेल्वे स्टेशनों से संबंधित सुझाव से अवगत कराए जाने हेतु लोकेश एवं जितेन्द्र को प्रभारी भी बनाया गया हैं।जिन्हें कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अनूप शर्मा,निरंजन सिंह ठाकुर एवं बाबा ठाकुर द्वारा कांकेर जिला मुख्यालय को रेल मार्ग से जोड़ने एवं कांकेर ज़िला मुख्यालय अंतर्गत आने वाले भानुप्रतापुर स्टेशन से संबंधित महत्वपूर्ण मांग एवं सुझाव पत्र विगत दिनों रायपुर चेंबर भवन में सौंपा गया।

कांचेका के सौंपे गए ज्ञापन में

प्रमुख मांगे इस प्रकार है जैसे धमतरी से जिला मुख्यालय कांकेर व्हाया चारामा नई रेल्वे लाइन का विस्तार किए जाने हेतु संपूर्ण विवरणों एवं सुझावों के साथ मांग पत्र सौंपी दल्ली से दुर्ग 3 दिन चलने वाली ट्रेन को प्रतिदिन किया जाए और इसे भानुप्रतापु से चालु किया जाय।सभी ट्रेन में बोगी बढ़ाई जाए अंतागढ़ से गोंदिया एवम् बिलासपुर के लिये नई ट्रेन चालू की जावे।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव जनकनंदन के नेतृत्व में झमित कुड़ियाम ने किया नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष का स्वागत

काँकेर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर कांकेर जिले के नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष बसंत यादव के कांकेर प्रथम आगमन को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जनकनंदन कश्यप के नेतृत्व में कांग्रेस के मंडल उपाध्यक्ष झमीत कुड़ियाम अपने सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकताओं के साथ ज्ञानी चौक से विशाल बाइक रैली निकाल कर कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष बसंत यादव की स्वागत रैली में शामिल हुए।इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी कांग्रेस चीफ़ खड़गे दीपक बैज भूपेश विधायक सावित्री मंडावी बघेल बसंत यादव जितेंद्र ठाकुर जिंदाबाद के जमकर नारे लगाते हुए आतिशबाजी किया गया।

कांग्रेस के युवाओं ने बाइक रैली निकालकर कांकेर मुख्यालय में नारेबाजी और ऐतिहासिक स्वागत आतिशबाजी से नगर को कांग्रेसमय कर दिया।

इस दौरान कांग्रेस मंडल उपाध्यक्ष झमीत कुड़ियाम प्रकाश लोकेश सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

सर्व आदिवासी समाज की अनूठी पहल,नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा पूर्व मेगा टेस्ट में क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों ने लिया हिस्सा

अंतागढ़/नवप्रदेश। अंतागढ़ के गोंडवाना भवन में सर्व आदिवासी समाज और गोंडवाना समाज के पदाधिकारियों की पहल से क्षेत्र के कक्षा पाँचवी में पढ़ रहे बच्चों को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा और एकलव्य परीक्षा की निशुल्क कोचिंग दी जा रही हैं।जिसमें क्षेत्र के अभिभावक बड़े ही उत्साह के साथ बच्चों को लेकर गोंडवाना भवन अंतागढ़ आते हैं। वहीं सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने शिक्षा पर जनजागरूकता पहल करते हुई तेरह दिसंबर को होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा को लेकर,परीक्षा पूर्व सात दिसम्बर रविवार को अंतागढ़ के गोंडवाना भवन में मेधा टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ो बच्चों ने टेस्ट में शामिल हुए। वहीं टेस्ट को लेकर ग्रामीण अभिभावकों में भारी उत्साह देखने को मिला।क्षेत्र के आए हुए कई पालकों ने बताया की सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों का कोचिंग से भी हमारे बच्चों को बहुत फायदा मिल रहा हैं वहीं आज के परीक्षा पूर्व मेगा मूल्यांकन परीक्षा से क्षेत्र के कई ग्रामीण बच्चों को सीधा इसका लाभ मिला।

प्रथम पेज का शेष

आग, 25 मौतें

रक्षामंत्री ने रणनीतिक महत्व ...

यह उपलब्धि एक तरफ तो विकसित भारत के संकल्प का प्रमाण है, तो वहीं दूसरी तरफये प्रोजेक्ट बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की हमारी सरकार के कमिटमेंट का भी एक सजीव उदाहरण है।

उन्होंने कहा, मुझे याद है, इसी वर्ष मई महीने में, हमने 50 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की थीं। मुझे उस समय भी बड़ी खुशी हुई थी। आज आपने इस ऐतिहासिक पड़ाव के साथ, मेरी खुशी को कई गुना बढ़ा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में बीआरओ ने जिस तेजी से सीमावर्ती इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास किया है, उसने राष्ट्रीय विकास को भी बड़ी तेजी प्रदान की है। स्वदेशी समाधान के माध्यम से, जटिल प्रोजेक्ट को भी सफलतापूर्वक पूरा कर, बीआरओ आज 'संचार' और 'कनेक्टिविटी' के पर्याय के रूप में उभर चुका है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा हमेशा यह प्रयास रहा है कि लद्दाख समेत जितने भी बॉर्डर एरिया हैं, उनके साथ हमारा कम्युनिकेशन और कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो। इसका एक और उदाहरण यदि मैं आपके सामने दूं, तो अभी हाल ही में चाणक्य डिफेंस डायलॉग के दौरान मैंने लद्दाख में 200 किलोवाट के ग्रीन हाइड्रोजन आधारित पावर प्लांट का उद्घाटन किया, जो इस क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लिए भी बहुत लाभकारी होगा।

उन्होंने कहा, हमारी सेनाओं के बहादुर जवान और आप जैसे बीआरओ के सभी कर्मी देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। किसी भी मौसम में, किसी भी स्थिति में काम करते रहने की आपकी जो भावना है, उसी का यह परिणाम है कि आज हमारा देश लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। 2014 तक जहां भारत के पास 97 हजार किलोमीटर तक के नेशनल हाइवे थे, वहीं आज इनकी संख्या बढ़कर लगभग 1.5 लाख किलोमीटर तक हो चुकी है। 2014 में भारत के पास जहां सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, वहीं आज इनकी संख्या दो गुनी से भी ज्यादा बढ़ चुकी है। कुल मिलाकर साथियों, आपकी सफलता उसी पर टिकती है कि आपने कितना श्रम किया।

डीजीसीए ने अब अकाउंटेबल ...

इंडिगो की ÷बड़े पैमाने पर परिचालन विफलताएं÷ योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण खामियों की ओर इशारा करती हैं। नोटिस में आगे कहा गया कि ऐसा लगता है कि एयरलाइन ने विमान नियम, 1937 के नियम 42ए का उल्लंघन किया है, साथ ही ड्यूटी अवधि, उड़ान समय सीमा और चालक दल के सदस्यों के लिए अनिवार्य आराम से संबंधित नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं (सीएआर) के कई प्रावधानों का भी उल्लंघन किया है।

डीजीसीए ने यह भी कहा कि इंडिगो ने रद्दीकरण के दौरान यात्रियों को आवश्यक सहायता और सुविधाएं प्रदान नहीं कीं, जबकि नियमों के अनुसार एयरलाइनों को उड़ान में देरी, रद्दीकरण या बोर्डिंग से इनकार के मामलों में सहायता प्रदान करना अनिवार्य है।

अकाउंटेबल मैनेजर को 24 घंटे के भीतर यह बताने के लिए कहा गया है कि इन उल्लंघनों के लिए प्रवर्तन कार्रवाई क्यों न की जाए।

डीजीसीए ने चेतावनी दी है कि अगर इंडिगो समय पर जवाब देने में विफल रहती है, तो वह उपलब्ध जानकारी के आधार पर निर्णय लेगा।

इंडिगो संकट पर ...

में और गौरव अहंकार में बदल गई। पत्र के अनुसार, एयरलाइन की बदहाली की जड़ वहीं से शुरू हुई, जब प्रबंधन ने अनुभव और योग्यता की अनदेखी करते हुए ऐसे लोगों को बड़े पद सौंप दिए, जिनके पास न विशेषज्ञता थी और न ही संचालन की समझ।

पत्र में आगे कहा गया है कि पायलटों और कर्मचारियों की थकान, सुरक्षा और ड्यूटी नियमों को लगातार नजरअंदाज़ किया गया। थकान और ओवरवर्किंग पर आपत्ति जताने वाले कई पायलटों को दफ्तर में बुलाकर डांटा, डराया और अपमानित किया गया। हालात यह तक पहुंच गए कि बिना किसी अतिरिक्त वेतन के नाइट ड्यूटी, शिफ्ट और काम का बोझ कई गुना बढ़ा दिया गया।

राष्ट्र की सुरक्षा में निरंतर ...

प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। देश की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे जवानों का योगदान अतुलनीय है।÷ उन्होंने आगे कहा कि इस दिवस का संदेश है कि राष्ट्र की रक्षा में लगे हमारे जवानों और शहीद परिवारों के प्रति हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें और उनके कल्याण हेतु सहयोग की भावना से आगे आएं।

अंशदान भी प्रदान किया

मुख्यमंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु अपनी ओर से अंशदान भी प्रदान किया। इस अवसर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा पद्मश्री उषा बारले भी उपस्थित थीं।

हमर राज पार्टी जिला ...

में जमीन खरीद कर देने की बात कहते हुए रिंकू यादव का फोन नंबर दिया। फैजान ने योजना में अपने दल्लीराजहरा के दोस्त अनिकेत मेश्राम, सूरज रंगारी, दानेश्वर साहू को शामिल किया. इसके बाद रिंकू यादव ने फैजान को 7,000 रूपए एडवांस दिया, वहीं अश्वनी डडसेना के लिए खाने-पीने के सामान लाने वाले अभिषेक चौरे ने आरोपियों को देवेन्द्र साहू का घर व ऑफिस दिखाया था. आरोपियों ने देवेन्द्र साहू के घर जाकर आवाज देकर उन्हे घर से बाहर गेट पर बुलाया और बात किया.

आईटी पार्क और बीसीसीआई क्रिकेट स्टेडियम से दुर्ग को मिलेगी नई पहचान : गजेंद्र

■ दो साल के कार्यकाल में दुर्ग शहर का हर क्षेत्र में हुआ चौमुखी विकास

दुर्ग/नवप्रदेश। प्रदेश के शिक्षा मंत्री शहर विधायक गजेंद्र यादव ने आज दो साल के विधायक कार्यकाल की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दुर्ग शहर में खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित नगर विकास को लेकर करोड़ों की राशि स्वीकृत की गई है। प्रेस कांफ्रेंस में गजेंद्र ने कहा कि दुर्ग में विकास का चमकता सितारा जड़ने आईटी पार्क, बीसीसीआई क्रिकेट मैदान विकसित करने बड़ी योजनाएं मंजूर हो चुकी है और अब इन योजानाओं का काम भी शुरू हो गया है।

गजेंद्र ने कहा कि दो साल के कार्यकाल में दुर्ग शहर का चौमुखी विकास किया गया है। खेल की दिशा में बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण हो चुका है। स्विमिंग पुल और उरला स्टेडियम निर्माण अंतिम चरण में है। 20 से अधिक स्थान पर सार्वजनिक मंच में डोम शेड, शासकीय स्कूलो में संधारण, किसान भवन, शादी ब्याह जैसे बड़े आयोजन के लिए कई वार्ड में करोड़ों की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण जारी है।

गजेंद्र ने कहा कि दुर्ग को विकसित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लगातार विकास कार्यों की सौगात दी है। 1100 से अधिक बिजली पोल और 6 स्थानों पर हाई मास्क लाईट लगाई गई है। रात्रि में सुरक्षित आवागमन हेतु बिजली पोल में लाइट्स लगाने विधायक निधि से 1 करोड़ 16 लाख की स्वीकृति दी गई। नए बसाहट वाले कॉलोनी में 1400 से अधिक बिजली पोल सह लाइन विस्तार कार्य जारी है। विद्युत लोड को बढ़ाने 20 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किये गए हैं। 36 लाख की लागत से शहर के 6 स्थानों पर हाई मास्क लाइट और 10 स्थान पर सोलर हाई मास्ट लगाया जा रहा है।

116 से अधिक स्थानों पर सीमेंटीकरण सड़क और नाली निर्माण कराया गया है। 31 करोड़ 6 लाख की लागत से शहर के विभिन्न वार्डों में सीमेंटीकरण, डामरीकरण एवं नाला/नाली का निर्माण कराने स्वीकृति हो चुकी है। इतने बड़े वृहद स्तर पर शहर में पहलीबार विकास कार्य स्वीकृत हुआ है। सिकोला नाला निर्माण हेतु 975.56 लाख की राशि स्वीकृत भी मिल चुकी है। इसके अलावा दुर्ग शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में रोड निर्माण कार्य तथा वार्ड 48 में पुलिया, सड़क निमार्ण हेतु 177.54 की राशि जारी हो चुकी है।

दुर्ग को आईटी हब बनाने की दिशा में ठोस कदम

गजेंद्र ने कहा कि आईटी के क्षेत्र में दुर्ग में एक नए युग की शुरुआत हो गई है। आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ सरकार के मध्य आईटी पार्क स्थापना हेतु एमओयू किया गया है। आईटी पार्क का निर्माण स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप के नए अवसर सृजित करेगा। बहुत जल्द सिंगापुर सहित विश्व की आईटी कंपनियां दुर्ग में काम करेंगी। रोजगार की दिशा में युवाओं का बड़ा सपना पूरा होगा।

फोर लेन बनेंगे दुर्ग की सड़कें

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के कई सड़कों का चौड़ीकरण करने शासन से करोड़ों रुपए की स्वीकृति मिली है। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और सड़क दुर्घटना को नियंत्रित करने और आवागमन को सुरक्षित बनाने चंडी मंदिर रोड निर्माण व चौड़ीकरण, जेल तिराहा से मिनी माता चौक पुलगांव तक फोरलेन, महाराजा चौक से बोरसी चौक तक फोरलेन, राजेन्द्र पार्क चौक से शहीद चौक आईएमए चौक तक फोरलेन, साईंस कॉलेज से स्टेशन रोड निर्माण, स्टेशन रोड से शहीद चौक तक फोरलेन निर्माण हेतु कुल 1 अरब 5 करोड़ 76 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है।

स्पोर्ट्स हब बनेगा दुर्ग

दुर्ग में खेल को बढ़ावा देने रविशंकर स्टेडियम के पास 1 करोड़ 44 लाख 68 हजार की लागत से शहर का पहला आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इंडोर बैडमिंटन का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा 1 करोड़ 48 लाख 68 हजार की लागत से स्वीमिंग पुल का निर्माण अंतिम चरण पर है। उरला में 198.39 लाख की लागत से स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। यहां बीसीसीआई द्वारा विशाल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इसके बाद दुर्ग में इंटरनेशनल क्रिकेट मैच होने लगेंगे।

क्राइम बढ़ने पर जताई चिंता

गजेंद्र ने शहर में क्राइम रेट बढ़ने और नशीली दवाइयों और ड्रग्स के बढ़ते कारोबार पर चिंता जताते हुए कहा कि पुलिस इस मामले में सजगता से काम कर रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में लगातार कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही सूखे नशे के व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण कर लिया जाएगा। प्रेस कांफ्रेंस में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, निगम सभापति श्याम शर्मा, शिवेंद्र परिहार, देवनारायण चंद्राकर, कांशी राम कोसरे, लीलाधर पॉल, खालिक रिजवी सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

104 स्थानों पर बनेंगे सामुदायिक भवन और डोमशेड

शहर के नागरिकों को सुख-दुख और शादी-ब्याह जैसे आयोजन के लिए विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक भवन निर्माण जारी है। शहर के 104 स्थानों पर 791.83 लाख की राशि से सार्वजनिक मंच में डोमशेड, मंच निर्माण और सामुदायिक भवन बनाने की स्वीकृति मिलने के बाद कार्य जारी है। अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण से शहर के 22 स्थानों पर जैतखाम, भवन निर्माण हेतु 168.60 की राशि स्वीकृत हो चुकी है।

इन कार्यों से संवर जाएगी दुर्ग की तस्वीर

1. आस्था के प्रतीक चंडी मंदिर और बैगापारा स्थित शीतला मंदिर प्रांगण को 1 करोड़ 20 लाख की लागत से भव्य बनाने नींव रखी गई है। इसके अलावा बैगापारा स्थित अखाड़ा के संर्वधन हेतु कार्य किया जाना है।
2. पांच मंजिला विशाल सर्किट हाउस का निर्माण दुर्ग में किया जाएगा। पुराने रेस्ट हाउस के सर्वेंट क्वार्टर की जगह पर स्वीमिंग पुल और जिम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।
3. क्षेत्र के 70 स्कूलों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित करने सीएसआर मद से राशि उपलब्ध कराई गई है। इससे स्कूलों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।
4. दुर्ग में संगीत विश्वविद्यालय की स्थापना, प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के लिए 11 करोड़ की लागत से 500 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी (नालंदा परिसर) की स्वीकृति शासन से मिल चुकी है।
5. अधूरे ऑडिटोरियम का निर्माण करने 13 करोड़ मंजूरी मिली है।
6. साइंस कॉलेज के सामने अधूरे आ़डिटोरियम का निर्माण पूरा करने 13 करोड़ की अतिरिक्त राशि मंजूर की गई है।
7. जेआरडी स्कूल में डेढ़ करोड़ की लागत से ऑडिटोरियम बनाया जाएगा।
8. सिविल लाइन और मोहन नगर में 5 करोड़ 98 लाख 35 हजार रुपए की लागत से शासकीय कर्मचारियों के लिये आवास बनेंगे।

■ न्यूज गैलरी

बकाया किराया न चुकाने पर निगम प्रशासन ने सील की दुकान

दुर्ग। शहर में वर्षों से किराया जमा न करने वाले दुकानदारों के खिलाफ निगम प्रशासन सख्त रवैया अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। आज महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर बाजार विभाग और अतिक्रमण अमले ने अग्रसेन चौक स्थित महात्मा गांधी मार्केट में व्यस्थापक सहकारी समिति की दुकान को सील कर दिया। दुकान पर कुल 50,106 रुपये का किराया काफी समय से बकाया था। बार-बार नोटिस देने के बावजूद राशि जमा न करने पर निगम ने सीलबंद करने की कार्रवाई की। बाजार विभाग अधिकारी अभ्युदय मिश्रा के नेतृत्व में अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार, सहायक राजस्व निरीक्षक ईश्वर वर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक शशिकांत यादव सहित निगम का अमला मौके पर मौजूद रहा। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि निगम के मार्केट और गुमटियों का किराया जमा न करने वाले बकायादारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने सभी दुकानदारों को समय पर किराया जमा करने की अपील की है।

ओपन संगीत व नृत्य प्रतियोगिता

भिलाई। बीएसपी के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा प्रति वर्ष आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित ओपन संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 22 से 26 दिसम्बर के मध्य महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में कर्नाटक (सुगम, शास्त्रीय गायन), हिन्दुस्तानी (सुगम, शास्त्रीय गायन), लोक गायन, एकल नृत्य (भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक, ओड़िसी), हिन्दुस्तानी वाद्य (तंतु वाद्य एवं ताल वाद्य) और खुली आयु वर्ग समूह में नृत्य स्पर्धा का आयोजन होगा। आयु समूह को दो वर्गों में बांटा गया है।

कॉन्स्टेबल ने मंत्रालय के ड्राइवर से मारपीट की

दुर्ग। शादी समारोह के दौरान पुलिस आरक्षक द्वारा मंत्रालय के ड्राइवर से मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर मोहन नगर थाना पुलिस ने आरोपी आरक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। नया रायपुर सेक्टर-27 निवासी जितेंद्र वर्मा मंत्रालय (महानदी भवन) के विधि एवं विधायी कार्य विभाग में वाहन चालक हैं। वे 2 दिसंबर को पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दुर्ग आए थे। 5 दिसंबर की रात वे अपने दोस्त छबिलाल वैष्णव के साथ शंकर नगर स्थित कुर्मी भवन में एक मित्र की शादी में पहुंचे थे। शिकायत में कहा गया है कि दोस्त के साथ बातचीत के दौरान दुर्ग जिले के पुलिसकर्मी केशव प्रसाद साहू वहां पहुंचे। उन्होंने बिना किसी कारण जितेंद्र वर्मा पर शराब पीने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपी पुलिसकर्मी ने गाली-गलौज करते हुए जितेंद्र वर्मा पर हमला कर दिया।

बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज से मिले विधायक देवेंद्र

निजीकरण की दिशा में बिल्कुल न सोचें बीएसपी प्रबंधन, करेंगे कड़ा विरोध

■ रिटेंशन स्कीम से आबंटित आवास, मिनिमम वेज, टाउनशिप मार्केट के लीज नवीनीकरण, सेक्टर 9 हॉस्पिटल के निजीकरण सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई बातचीत

भिलाई/नवप्रदेश। विधायक देवेंद्र यादव ने आज बीएसपी के डायरेक्टर इंचार्ज सीआर महापात्र से मुलाकात की। देवेंद्र यादव ने कहा कि बीएसपी द्वारा टाउनशिप में रिटेंशन स्कीम के तहत निवास कर रहे परिवारों को नोटिस देकर घर के किराए में वृद्धि की जा रही है। यह अमानवीय है। प्रबंधन को इस पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने प्रभावितों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर इस पर निर्णय लेने की बात कही।

विधायक देवेंद्र ने कहा कि रिवर्स बिडिंग बंद होनी चाहिए और जो निर्धारित दर है, उसका भुगतान समय पर वर्करों को मिलना चाहिए। इस पर इंचार्ज डायरेक्टर ने सहमति जताई है। देवेंद्र ने कहा कि भिलाई टाउनशिप के व्यापारियों द्वारा लगातार लीज नवीनीकरण की मांग की जा रही है। इस विषय पर जल्द से जल्द समाधान निकाला जाना चाहिये। समस्या का निराकरण पूरी तरह होने तक बीएसपी प्रबंधन किसी भी आबंटित दुकान पर कोई कार्यवाही न करे।

विधायक देवेंद्र ने कहा कि सेक्टर 9 अस्पताल में आश्रित 50 हजार कर्मचारी-अधिकारी का पूर्ण रूप से ध्यान रखा जाए। सेक्टर 9 हॉस्पिटल के निजीकरण की बातें सामने आ रही है।

विधायक ने कहा कि निजीकरण की दिशा में भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन बिल्कुल न सोचें। अन्यथा हम गांधीवादी तरीके से इसका विरोध करेंगे। सेक्टर एरिया में स्थित आवासीय बस्तियों को नोटिस देने के संबंध में भी चर्चा की गई। तय किया गया कि जब तक निवासरत आवासियों को मकान आवंटित नहीं होगा, तब तक बेदखली की कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में भी बातचीत की गई।

मां की मौत के तीसरे दिन बेटे ने की आत्महत्या

भिलाई। मां के निधन के तीसरे दिन ही उनके बेटे ने सुसाइड कर जान दे दी। युवक की जेब से सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने लिखा था कि वह काफी समय से परेशान है और मां के निधन ने उसे अंदर तक तोड़ दिया है। इसी कारण उसने आत्महत्या की है। सुपेला अंडरब्रिज के पास लगे एक बड़े होर्डिंग टॉवर में युवक का शव फंदे से लटका मिला। जिस दिन घर में मां के तीजनहावन का कार्यक्रम चल रहा था, उसी दिन बेटे का शव पहुंचा। मृतक की पहचान चंद्रभान विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो बालोद जिले के ग्राम चौरेला का रहने वाला है। चंद्रभान भिलाई में एक स्टेशनरी दुकान में काम करता था। पुलिस ने जांच के दौरान मृतक की जेब से सुसाइड नोट और उसकी मां के तिजनहावन कार्यक्रम का कार्ड बरामद किया। कार्ड में 3 दिसंबर को मां के निधन का उल्लेख था। 5 दिसंबर को ही उनके गांव बालोद में तिजनहावन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। चंद्रभान कार्यक्रम के लिए गांव जाने वाला था, लेकिन इससे पहले ही उसने जीवन खत्म कर ली।

बीएसपी कर्मचारी को 3 लाख देकर 10 लाख वसूले

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई स्टील प्लांट के एक कर्मचारी से 3 लाख के बदले 10 लाख की वसूली की गई। पीड़ित कर्मचारी ने पैसों की जरूरत पड़ने पर शहर के प्रदीप नायक से पैसे मांगे थे, जो ब्याज में पैसे उपलब्ध कराता था। पीड़ित बीएसपी कर्मचारी ने भिलाई भट्ठी थाने में लिखित शिकायत देते हुए बताया कि उसने घरेलू जरूरतों के लिए प्रदीप नायक से पैसे मांगे थे। प्रदीप ने उसे एम. कृष्णा रेड्डी उर्फ सोनू के माध्यम से जयदीप सिंह नामक व्यक्ति से 28 फरवरी को 3 लाख रुपए उधार दिलवाए थे। इसके बदले कर्मचारी से सेक्टर-2 प्रगति महिला नागरिक सहकारी बैंक के पांच ब्लैंक चेक और दो एग्रीमेंट पेपर पर हस्ताक्षर करवाकर रख लिए गए थे। कर्मचारी ने 4 महीने बाद जून 2025 में ब्याज सहित पूरी राशि लौटा दी थी। इसके बाद भी आरोपी जयदीप सिंह लगातार दबाव बनाता रहा। पीड़ित कर्मचारी 30 नवंबर 2025 को बीएसपी से सेवानिवृत्त हुआ था। 3 दिसंबर को अपनी पत्नी के साथ रिटायरमेंट की रकम को दूसरे खाते में ट्रांसफर करने बैंक पहुंचा तभी आरोपी जयदीप सिंह, कृष्णा रेड्डी, प्रदीप नायक और उनके 8-10 साथी ने दबाव बनाकर 9 लाख आरटीजीएस के माध्यम से और 1 लाख नगद ले लिया।

विधिवेत्ता कनक तिवारी का अधिवक्ताओं ने किया सम्मान

दुर्ग/नवप्रदेश। प्रमुख विधिवेत्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता कनक तिवारी ने दुर्ग न्यायालय में अधिवक्ताओं से सौजन्य भेंट की। इस दौरान अधिवक्ताओं ने उनका सम्मान किया। तिवारी ने अधिवक्ताओं ने संबोधित किया और वकालत के पेशे से जुड़े कई अनुभव सुनाए। सदस्यों ने उनके सुदीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना की। तिवारी ने अपने अनुभवों और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में अपने वकालत के दिनों और महत्वपूर्ण मामलो के संस्मरण साझा किये। उन्होंने कहा कि 1971 से लगभग 20 वर्षों तक जिला न्यायालय दुर्ग में वकालत की है। इसके बाद जबलपुर उच्च न्यायालय, बिलासपुर उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करने गया। इस दौरान तिवारी के पौत्र और वकालत के स्टूडेंट अंतस तिवारी भी साथ थे। आयोजन में जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता शकील अहमद सिद्दीकी ने किया। आयोजन में अजय मेश्राम, विष्णु मिश्रा, फिरोज खान, एनकेपी सिंह, हरे कृष्ण तिवारी, आकाश कस्सू, पूजा सिंह, करण जंघेल, शमसुद्दीन मिर्जा, नरसिंह शर्मा, एसएम पांडेय, अजय राजपूत, कृष्ण कुमार, पेशन देव हिरकने, ललित सेन, गणेश कुमार ध्रुववंशी, टिकेश्वर कुमार कुर्रे, उषा भारती, प्रहलाद क्षीरसागर, अभिषेक जैन, ज्ञानचंद टेम्भुरकर, विश्वजीत, आकांक्षा उपस्थित थे।

डेंगू, मलेरिया की रोकथाम करने हजारों घरों का सर्वेक्षण

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नागरिकों को मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से सुरक्षित रखने के लिए आयुक्त राजीव पांडेय के निर्देश पर मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम जोर-शोर से चलाया जा रहा है। निगम का विशेष दस्ता और जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर रही है। मच्छर प्रजनन स्त्रोतों को समाप्त करने का कार्य किया जा रहा है। वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल से 30 नवंबर तक चलाए गए सघन अभियान के दौरान कुल 16,168 घरों की जांच की गई। इस दौरान 3327 कूलर, 2370 टंकी, 3096 ड्रम/कंटेनर व 32 अन्य स्त्रोत खाली कराए गए। लार्वा नियंत्रण के लिये 13,253 घरों के 8,864 कूलरों में पानी मिश्रित एक्यूगार्ड का छिड़काव किया गया। व्यस्क मच्छर नियंत्रण करने 19,125 कूलरों में पानी मिश्रित मैलाथियान का छिड़काव कार्य किया गया। निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मच्छर अपने जीवन काल की प्रारंभिक तीन अवस्थाएं अण्डा, लार्वा और प्यूपा पानी में ही पूरी करते हैं। मच्छरों को वयस्क अवस्था में पहुंचने से पहले ही प्रारंभिक स्तर पर मच्छर प्रजनन स्त्रोतों को समाप्त करना सबसे प्रभावी बचाव है। उन्होंने मच्छरों के पनपने के स्थान को खत्म करने के लिए उपाय करने की अपील की। पानी संग्रहण पात्रों को ढंककर रखने, कूलर, टंकी, ड्रम या कंटेनर में संग्रहीत पानी को सप्ताह में कम से कम एक दिन अवश्य खाली करे या सुखाकर नया पानी भरे।

कार्यालयों में लागू होगी बायोमेट्रिक अटेंडेंस

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति के रिकॉर्ड के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लागू करने के निर्देश दिये हैं। सभी कार्यालय प्रमुख अधिकारी अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी शीघ्र एनआईसी को उपलब्ध कराएं। सिस्टम की जानकारी के लिए विभागीय कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रशिक्षण हेतु एनआईसी भेजना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न कार्यालयों में शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत निष्क्रिय बैंक खाते जिसमें लंबी अवधि से लेन-देन नहीं किया जा रहा है, ऐसे खातों को सक्रिय खातों में परिवर्तित कर जानकारी जिला कोषालय को उपलब्ध कराएं, ताकि राशि का उपयोग अन्य मदों पर किया जा सके। कलेक्टर सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक में विभागवार लंबित समय-सीमा प्रकरणों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की कार्यवाही निरंतर जारी रखें। अंतिम तिथि का इंतजार किए बगैर कार्य समय से पूर्व पूरा करें। सीएमएचओ को सिकल सेल जांच का दायरा बढ़ाने और वय वंदन व आयुष्मान कार्ड पर विशेष फोकस करने कहा। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय सहित समस्त शासकीय चिकित्सालयों में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्धता रहे।सभी तहसीलदार और एसडीएम को संबंधित क्षेत्र के कोटवारों को शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए जमीन का सत्यापन कराने और वास्तविक स्थिति की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आगामी 7 दिसंबर को जल संसाधन विभाग में भर्ती हेतु अमीन पटवारी परीक्षा की जिले में व्यवस्था के संबंध में नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा को समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्कूली बच्चों के बायोमेट्रिक अपडेट, आपार आईडी व जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया।

अन्तर्क्षेत्रीय विद्युत सुगम संगीत, स्वरचित काव्य प्रतियोगिता में दुर्ग विजेता

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा आयोजित अन्तरक्षेत्रीय सुगम संगीत एवं स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन केन्द्रीय कार्यालय खेल क्षेत्र रायपुर में किया गया। रायपुर में अंतरक्षेत्रीय प्रतियोगिता के कराओके पुरुष वर्ग में दुर्ग क्षेत्र के दिलीप पाठक ने मो. रफी की ''तेरी आंखो के सिवा दुनिया में रखा क्या है'' गाकर प्रथम और गैर फिल्मी गायन में श्रवण गेण्ड्रे ने ''मैली चादर ओढ़ के घर से'' गाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चंचल मिश्रा ने अपने पिता और रमणी राजेन्द्रण ने अपनी माता के स्मरण में स्वरचित कविता का पाठ कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। प्रतियोगिता में राजेश शर्मा, खेमलाल साहू, जागृति साहू, ईशा नायक, नरेन्द्र साहू, श्रवण गेण्ड्रे, दीपा परगनिहा, शिवेन्द्र केशव दुबे, सुरेश देवांगन, ललित साहू भी शामिल हुए।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों का विरोध करें नवनियुक्त जिला अध्यक्ष

■ संगठन को मजबूत बनाएं - भूपेश बघेल

■ राजीव भवन दुर्ग में तीनों नवनियुक्त जिला अध्यक्षों ने किया पदभार ग्रहण

दुर्ग/नवप्रदेश। राजीव भवन दुर्ग में आज दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भिलाई शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू, विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक अरुण वोरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवनियुक्त जिला अध्यक्षों ने पदभार ग्रहण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री स्व मोतीलाल वोरा, पूर्व दुर्ग जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्व. वासुदेव चंद्राकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि संगठन सृजन के तहत जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई है। भाजपा के 2 वर्ष का कार्यकाल ने जनता को हिटलर और अंग्रेजों के शासन की याद दिला दी है। प्रदेश की संपदा, संपत्ति, कारखाने अडानी - अंबानी को देने की साजिश हो रही है। देश की रक्षा के क्षेत्र में कई कार्य अडानी-अंबानी को दिए जा रहे हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस देश को बेचने का हमेशा विरोध करती रहे हैं और करते रहेंगे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अपने जिले में संगठन को मजबूत करें और सभी वरिष्ठ छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं को साथ लेकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों का विरोध करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस के इतिहास में पहली बार हुआ है जब जिला कांग्रेस अध्यक्ष का पद कार्यकर्ताओं की पसंद और राय से आलाकमान ने चुना है। कांग्रेस अब मजबूती के साथ जिला स्तर, विधानसभा स्तर, ब्लॉक स्तर और बूथ स्तर पर भाजपा की तानाशाही, बिजली बिल बढ़ोतरी, जमीन की गाइडलाइन की दर में बढ़ोतरी के मुद्दे पर सड़क की लड़ाई लड़ेगी।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने तीनों नवनियुक्त अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि दुर्ग जिले से दो मुख्यमंत्री रहे हैं। अब कांग्रेस के सभी नेता एकजुट होकर भाजपा के काले कानून, जनविरोधी निर्णय का विरोध करेंगे। कार्यक्रम को राकेश ठाकुर, धीरज बाकलीवाल, मुकेश चंद्राकर ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक बीडी कुरैशी, प्रतिमा चंद्राकर, राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, शशि सिन्हा, निर्मल कोसरे, आरएन वर्मा, शंकरलाल ताम्रकार, सीजू एंथोनी, अल्ताफ अहमद मौजूद थे।

शासकीय पीएमश्री स्कूल रुआंबांधा के बच्चों ने निकाली नशा मुक्ति रैली

कुम्हारी/नवप्रदेश। ओजस समाज सेवा समिति द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत स्कूली बच्चों की रैली निकाली गई। नशे के दुष्परिणाम, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। ओजस समाज सेवा समिति की अध्यक्ष ललिता सिंह के अनुसार नशा केवल शराब ही नहीं बल्कि बीड़ी, गुटका, तंबाकू, गांजा, सिगरेट जैसी हानिकारक चीज़ों पर भी प्रतिबंध होना चाहिये। छोटे बच्चे सिगरेट व तंबाकू का सेवन करते हैं। नशा मुक्ति अभियान के तहत शासकीय पीएमश्री प्राथमिक शाला रुआंबांधा स्कूल के बच्चों को नशे का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। अभियान में स्कूल की प्रधान पाठिका ज्ञानेश्वरी मिश्रा, संध्या पाठक, नागेन्द्र मरावी, प्रीति वामन, सुधा का सहयोग रहा। ओजस समिति की संरक्षक दुर्गा अधिकारी ने बच्चों को शपथ दिलाई। सह अध्यक्ष सुषमा सिंह अर्चना सर्राफ़ , प्रणीता शर्मा, अल्का शर्मा, रचना सिंह, संजय सिंह, प्राची सिंह, सामली सोनी, संजू शुक्ला व सुनीता सिंह उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

चलती मोपेड में लगी आग युवक ने कूदकर बचाई जान

अंबिकापुर/नवप्रदेश। कोतवाली थाना क्षेत्र के महामाया रोड में शनिवार दोपहर एक मोपेड में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान मोपेड चला रहा युवक अचानक उठती लपटों को देखकर तुरंत वाहन से कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई। कुछ ही मिनटों में मोपेड पूरी तरह आग की लपटों से घिर गई और जलकर राख हो गई। राहगीरों ने घबराकर इधर-उधर दौड़ लगा दी और सड़क पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मोपेड चलाते समय अचानक इंजन के आगे धुआं उठते देखा गया। युवक ने मोपेड रोकने की कोशिश की, लेकिन तभी तेज लपट निकलने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने पास की दुकान में लगे फायर सेफ्टी सिलेंडर की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। तुरंत की गई कार्रवाई के कारण आग आसपास की दुकानों या वाहनों तक नहीं फैली और बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि आग तकनीकी खराबी या इलेक्ट्रिकल शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी होगी। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन मोपेड पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने वाहन मालिक से जानकारी लेकर आगे जांच शुरू कर दी है।

जल, जंगल व जमीन जनजातीय समाज की जीवनरेखा : रामकुमार

अंबिकापुर/नवप्रदेश। शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय सीतापुर में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामकुमार टोप्पो सहित अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और इतिहास गौरवशाली है, जिसे संरक्षित और संवर्धित करने की आवश्यकता है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन को जनजातीय समाज की जीवनरेखा बताया और इन्हें बचाने की दिशा में सभी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अधिक से अधिक पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनजागरूकता फैलाने का आग्रह किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता शिवनारायण राम भगत, गंगाराम पैंकरा और प्रदीप नागदेव ने जनजातीय समाज के महान योगदान, उनके संघर्ष, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी सहभागिता पर विचार व्यक्त किए।

बरसात में गड्ढ़ों एवं उसमें भरे पानी से लोगों को निजात तो मिला, किन्तु धूल से निजात नहीं मिल पा रही

विभागों की 'आपसी लड़ाई' में लटका सड़क निर्माण, आवागमन में परेशानी

मुंगेली/नवप्रदेश। पड़ाव चौक सेंट जेवियर्स स्कूल से लेकर चातरखार तक की जर्जर सड़क एवं उड़ रहे धूल के गुबार ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। बरसात में गड्ढ़ों एवं उसमें भरे पानी से लोगों को निजात तो मिला, किन्तु धूल से उन्हे निजात नही मिल पा रही है। सड़क के किनारे दुकानदारों का व्यवसाय भी चौपट होते जा रहा है। हर पांच मिनट में उन्हें टेबल-कुर्सी एवं सामानों की साफ-सफाई करनी पड़ रही है।

जिला मुख्यालय में पड़ाव चौक सेंट जेवियर्स स्कूल राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-130 की हालत खस्ताहाल स्थिति ने आम नागरिकों का जीवन त्रस्त कर दिया है।मुंगेली से पंडरिया-कवर्धा को जोड़ने वाली यह महत्वपूर्ण सड़क लंबे समय से जर्जर है, जिस पर बड़े-बड़े गड्ढे लोगों की सुरक्षा और सुविधा दोनों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।नगर से लगे इस सड़क निर्माण को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

नगर पालिका इस मार्ग को लोक निर्माण विभाग की सड़क बताती है, लोक निर्माण विभाग इसे एन-एच की सड़क बताती है।तीन अलग-अलग विभागों के चक्कर में सड़क का निर्माण लटका हुआ है।तीन विभागों के चक्कर में खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। इस मार्ग पर आवागमन लगातार कठिन और जोखिम भरा बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह सड़क बरसात के मौसम के

पहले ही खराब हो चुकी थी, लेकिन बावजूद इसके अब तक कोई स्थाई मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ। जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासन और संबंधित विभागों तक, किसी ने भी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया है। जर्जर सड़क में जगह-जगह बने गड्ढों के कारण वाहन चालक आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। सड़क के किनारे रहने वाले नागरिकों एवं व्यवसायियों का कहना है कि वे मजबूरी में इसी सड़क से गुजरते हैं और हर सफर जोखिम के साथ करना पड़ रहा है।

सेंट जेवियर्स स्कूल के पास उबड़-खाबड़ गड्ढ़ों में क्षेत्र के नागरिक सहित बाहर से आने-जाने राहगीर गड्ढ़ो से परेशान है। शहर की मुख्य सड़कों की बदहाली क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की कार्य क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है। पूर्व में बरसात के चलते काम नही होने की बात कही जा रही थी। बरसात समाप्त होने के बाद भी इस मार्ग पर काम शुरू नही हो पाने की वजह से नागरिकों में आक्रोश बना हुआ है। इस मार्ग पर नाली निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन नाली से बहकर सड़क पर जमा होने वाला पानी अब समस्या को और बढ़ा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि विकास के नाम पर बजट खर्च तो हो रहा है, पर उसका वास्तविक लाभ जनता तक नहीं पहुंच पा रहा। स्थानीय नागरिकों एवं व्यवसायियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि एनएच-130 के मरम्मत और पुनर्निर्माण नही हो रहा है तब तक उड़ती हुई धूल से बचने के लिये दिन में तीन-चार बार कम से कम पानी का छिड़काव ही कर दें, जिससे उड़ रही धूल से मुक्ति मिलें।

धान खरीदी केंद्रों की अनियमितता पर भारतीय किसान संघ का कलेक्टर को ज्ञापन

अवैध वसूली पर रोक और तकनीकी समस्याओं के समाधान की मांग, संघ ने जांच की गुहार लगाई

मुंगेली/नवप्रदेश। किसानों की लगातार बढ़ती समस्याओं और आवश्यक मांगों के समाधान की मांग करते हुए भारतीय किसान संघ ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष ने बताया कि जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में कई तरह की अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिनका तत्काल निराकरण आवश्यक है।

ज्ञापन में कहा गया कि सभी उपार्जन केन्द्रों में धान की तौल प्रति बोरा 40.700 किलोग्राम के निर्धारित मानक के अनुसार ही की जाए। साथ ही केन्द्रों से धान का उठाव अत्यधिक धीमी गति से हो रहा है, जिसे शीघ्र करवाने की आवश्यकता है। धान बिक्री के लिए वारिसान पंजीयन फिलहाल बंद है, जिससे किसानों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने इसे तत्काल पुनः शुरू करने की मांग रखी। इसके अलावा, जिला सहकारी बैंकों

में किसानों के लिए राशि आहरण की साप्ताहिक सीमा 25 हजार रुपये तय है, जो उनकी जरूरतों के हिसाब से अपर्याप्त है।

संघ ने इसे बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति सप्ताह करने की मांग की। टोकन की दैनिक लिमिट को भी 700 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल किए जाने की आवश्यकता जताई गई। किसानों ने यह भी शिकायत की कि उपार्जन केन्द्रों में कुछ हमाल किसानों से तौलाई और बोरे खाली करने के नाम पर अवैध वसूली कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने तथा तत्काल जांच कर कार्रवाई करने की मांग ज्ञापन में शामिल की गई है। साथ ही, एग्रीटेक पंजीयन, किसान पंजीयन, रकबा संशोधन सहित कई तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए खरीद केंद्रों पर ही शिविर लगाकर निराकरण की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया गया। भारतीय किसान संघ ने जिला कलेक्टर से अनुरोध किया है कि किसानों की इन समस्याओं और मांगों पर शीघ्र एवं ठोस कार्रवाई की जाए, ताकि उपार्जन सीजन के दौरान किसानों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष विवेकानंद साहू, जिला मंत्री अश्वाराम अनंत, उपाध्यक्ष देवराज ठाकुर, गया प्रसाद कोशरिया, अजित जांगड़े, विनायक ठाकुर, नोबेल वर्मा व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने रांची में पूरा किया क्लीनिकल प्रशिक्षण

अंबिकापुर/नवप्रदेश। न्यू लाइफ हेल्थ एंड एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, बैकुंठपुर के बीएससी नर्सिंग छठवें सेमेस्टर के छात्र-छात्रियों ने रांची स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकियाट्री एंड अलाइड साइंसेज (रीन पास) में एक माह का क्लिनिकल प्रशिक्षण पूरा किया।

3 से 30 नवंबर तक चले इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की जटिलताओं, उपचार प्रक्रियाओं और व्यवहारिक पक्षों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को बताया गया कि रीन पास देश के प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में से है, जहां आधुनिक तकनीक और उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से उच्च स्तरीय उपचार प्रदान किया जाता है। यहां भर्ती प्रक्रिया, दवा प्रबंधन, परामर्श, निगरानी और पुनर्वास सेवाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित होती हैं। पुरुष, महिला और बच्चों के लिए अलग-अलग वार्डों की व्यवस्था है। ब्रिटिश शासनकाल में 4 सितंबर 1925 को स्थापित यह संस्थान लगभग 211 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी वर्तमान बिस्तर क्षमता 570 है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 612 बताई गई। वर्तमान में डॉ. अमूल रंजन निदेशक और मैग्डिलीन कैडुल्ना मुख्य उपचारिका हैं। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण में मानसिक रोगों की पहचान, उपचार पद्धतियां, रोगी व्यवहार, रिकॉर्ड प्रबंधन और काउंसलिंग प्रक्रिया का अध्ययन किया।

शिक्षण में नवाचार, उपचारात्मक शिक्षण और टीम भावना से काम करने के निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम और शिक्षा गुणवत्ता सुधार हेतु सहायक संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर एवं जिले के प्रभारी अधिकारी हरिशचंद्र दिलावर की मुख्य अभ्यागत एवं जिला शिक्षा अधिकारी एलपी डाहिरे की अध्यक्षता में जिले के समस्त प्राचार्यो का बैठक 4 दिसम्बर को पीएमश्री सेजेस दाऊपारा में आयोजित किया गया। अधिकारियों द्वारा शाला में प्रार्थना स्थल में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का संक्षिप्त मार्गदर्शन किया गया।बैठक की शुरूआत माँ सरस्वती की प्रतिमा में पूजा अर्चना पश्चात की गई।

उक्त बैठक में विशेष रूप से उपस्थित कलेक्टर के प्रतिनिधि एवं डिप्टी कलेक्टर सारिका मित्तल ने कहा कि सभी प्राचार्य दृढ़ संकल्पित होकर अपने लक्ष्य प्राप्ति में लग जायें।पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि एवं थाना प्रभारी सिटी कोतवाली ने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी बच्चें एकसमान होते है, परंतु मार्गदर्शन एवं परिश्रम के अनुरूप

अपने जीवन में उपलब्धि प्राप्त करते है। प्रभारी अधिकारी दिलावर ने कहा कि जिले में विषय विशेषज्ञ की टीम को और अधिक सक्रिय कर बोर्ड के कठिन विषयों की पढ़ाई तेज करने की आवश्यकता है। शालेय अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति की ओर विशेष बल देते हुए उन्होनें कहा कि शाला भविष्य निर्माण की नींव होती है।अतः शाला के सभी शिक्षकगण टीम भावना से काम करते हुए शाला का वातावरण स्वच्छ एवं आकर्षक बनाए रखें। उन्होनें सभी पालक-शिक्षक बैठक में माताओ को भी अवश्य बुलाए जाने हेतु प्रेरित किया। उन्होनें शिक्षा में नवप्रवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि लक्ष्य प्राप्ति में यह अत्यंत सहायक होता है।शैक्षिक गुणवत्ता के साथ उन्होनें सभी प्रकार की गुणवत्ता उन्नयन की बात कहीं। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिले में शत-प्रतिशत् लक्ष्य प्राप्ति के लिए सभी का आपसी सहयोग अपेक्षित है। पूर्व परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल करने वाले जिले के तीन विद्यालय क्रमशःदेवरहट, पौनी एवं सेजेस सरगांव के प्राचार्यो से उनकी इस उपलब्धि का कारण जाना गया एवं अन्य सभी को अनुकरण करने हेतु प्रेरित किया गया। जिला मिशन समन्वयक अशोक कश्यप ने कहा कि परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों का लेखन अभ्यास एवं परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन आवश्यक है।अंत में शाला प्राचार्य डॉ. आईपी यादव ने भी अपने संबोधन में पिछले मिशन 90में सी, डी एवं ई ग्रेड प्राप्त सभी विद्यार्थियों को अंतिम कालखण्ड पश्चात् उपचारात्मक शिक्षण कराने हेतु प्रेरित किया।

स्वस्थ रहने के लिए खेल है जरूरी : जीएम अशोक

अंबिकापुर/नवप्रदेश। स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए खेल गतिविधियां आवश्यक हैं। हर व्यक्ति को किसी न किसी खेल या शारीरिक गतिविधि से जुड़े रहना चाहिए। उक्त बातें डोमन हिल स्थित अमर कुंज क्रीड़ांगन में अंतर क्षेत्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ कर महाप्रबंधक व मुख्य अतिथि अशोक कुमार ने कही। शनिवार को आयोजित इस प्रतियोगिता का शुभारंभ महाप्रबंधक ने मुख्यालय के सभी उपक्षेत्र प्रबंधकों, विभागीय प्रभारियों, क्षेत्रीय जेसीसी सदस्यों, क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्यों, सिस्टा व ओबीसी एसोसिएशन की गरिमामयी उपस्थिति में किया। इस टूर्नामेंट की मेजबानी चिरमिरी एरिया कर रहा है।

धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए धान विक्रय करना हुआ आसान

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा और हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। पारदर्शी व्यवस्था और आसान प्रक्रियाओं ने किसानों का धान विक्रय अब और अधिक सुगम, सरल और सुविधाजनक बना दिया है।

अम्बिकापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मुडेसा के रहने किसान मीना राम विश्वकर्मा ने धान खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उनकी एक एकड़ 16 डिसमिल जमीन से 21 क्विंटल धान उपार्जन हेतु वे मेंड्राकला धान उपार्जन केन्द्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि

समिति में टोकन कटाने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। किसान विश्वकर्मा ने बताया कि उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही नमी परीक्षण, धान की गुणवत्ता जांच और अन्य प्रक्रियाएं तुरंत पूर्ण की गईं। इसके बाद बारदाना उपलब्ध कराया गया और धान की तौल पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के शासन में 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान मूल्य मिलने से किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ हो रहा है। इससे किसान अधिक सशक्त और समृद्ध बन रहे हैं। धान खरीदी व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला में शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिये सुविधाएं बेहतर की गई हैं, जिससे धान विक्रय के दौरान किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में धान खरीदी व्यवस्था लगातार बेहतर और अधिक पारदर्शी बनाएं रखने के लिए निगरानी दल निरीक्षण कर रहे हैं।

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण पर शोध, प्रो. मथुरा महिलांगे को पीएचडी उपाधि

सक्ती/नवप्रदेश। ज्ञान, तप और सतत प्रयास जब संगठित होकर फलित होते हैं, तब एक साधक का समर्पण समाज के सम्मुख प्रेरणा का शाश्वत उदाहरण बनता है। समाजशास्त्र के क्षेत्र में निरंतर अध्ययन, संवाद व अनुसंधान की साधना में रत मथुरा महिलांगे माहेश्वरी ने इसी सत्य को सिद्ध किया है। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा उन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान किए जाने के साथ ही इस उपलब्धि ने न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन में गौरव की ज्योति प्रज्वलित की है, बल्कि प्रदेश की शैक्षणिक चेतना में भी एक नया अध्याय जोड़ा है। सक्ति जिले के ग्राम

फरसवानी-डभरा में जन्मी व पली-बढ़ी प्रो.महिलांगे, पिताम्बर महिलांगे एवं शांति देवी की ज्येष्ठ पुत्री हैं। वर्तमान में वे शासकीय वेदराम महाविद्यालय, मालखरौदा में अपने शिक्षकीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। ग्रामीण जीवन, महिला विकास एवं सामाजिक संरचना के अंतर्संबंधों पर उनका शोध अत्यंत महत्त्वपूर्ण व समयानुकूल माना जा रहा है। 'ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण– छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के ग्रामीण संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन' शीर्षक पर आधारित यह शोध आज की ग्रामीण स्त्री की वास्तविक स्थिति, चुनौतियों व उन्नति के मार्गों पर गंभीर विमर्श प्रस्तुत करता है। इस शोध कार्य के निर्देशन में डॉ. साधना सोम (विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र–डीपी. विप्र. महाविद्यालय, बिलासपुर), सह-निर्देशक डॉ. के.पी. कुर्रे, डॉ. महेश पाण्डेय सहित अनेक शिक्षकों व सहकर्मियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन रहा। उपलब्धि के इस क्षण पर प्रो. महिलांगे ने अपने सभी सहयोगियों, शिक्षकों व परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक समर्थन और विश्वास के फलस्वरूप ही संभव हुई है।

अभियान

साइबर क्राइम से सतर्क रहने के उपाय सहित फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड से बचें युवा

सुखनंदन कॉलेज में 135 छात्रों को साइबर सुरक्षा और नशामुक्ति की दी जानकारी

मुंगेली/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा जिले में चलाए जा रहे पहल जागरूकता अभियान के तहत सुखनंदन महाविद्यालय के 135 छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, यातायात नियम, नशामुक्ति और युवा सशक्तिकरण की जानकारी दी गई।

सुखनंदन महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से 'पहल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, नशा मुक्ति (ब्राउन शुगर) तथा युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आभा चौबे ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज के डिजिटल युग में विद्यार्थियों को केवल पढ़ाई तक सीमित न रहकर सामाजिक, मानसिक और नैतिक रूप से भी मजबूत बनना होगा।उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करते हैं।कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता शैलजा स्वामी बिलासपुर रहीं। जिन्होंने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड जैसी घटनाओं से

सावधान रहने के उपाय बताएं। उन्होंने कहा कि आज सबसे अधिक अपराध साइबर माध्यम से हो रहे हैं,इसलिए युवाओं को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। पुलिस अधिकारी शत्रुहन खूंटे ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें और किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस या साइबर सेल से संपर्क करें।यातायात सुरक्षा पर प्रकाश डालते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रैफिक सिग्नल एवं गति सीमा का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं अधिकांशतः लापरवाही और नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं।और नशा मुक्ति विशेषकर ब्राउन शुगर पर विद्यार्थियों को जागरूक किया।उन्होंने बताया कि नशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर देता है और इससे न केवल व्यक्ति बल्कि पूरा परिवार प्रभावित होता है।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों ने साइबर अपराध, नशा और सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। इस अवसर पर थाना सिटी कोतवाली से राजेश कुमार बंजारे, दुर्गेश यादव एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकगण एवं समस्त छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अवैध शराब परिवहन करते युवक गिरफ्तार, 32 पाव शराब जब्त

मुंगेली/नवप्रदेश। आबकारी विभाग द्वारा लगातार अवैध शराब बिक्री के खिलाफकार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 6 दिसम्बर को मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम फंद्वानी निवासी रितेश कुमार पिता दानी राम लहरे उम्र 21 वर्ष को 32 पाव देसी मदिरा प्लेन के साथ अपनी मोटर साइकिल क्रमांक सीजी 28 एल 8886 में परिवहन करते पकड़ा गया आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1)क, 34(2), 59क का प्रकरण कायम किया गया है। मौके पर

आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जिसे न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया। उक्त कार्यवाही में आबकारी वृत्त मुंगेली प्रभारी जयसिंह मरकाम एवं आबकारी प्रधान आरक्षक हरिचरण खूंटे, आरक्षक राजेश पटेल, जयेंद्र नंदागौरी का विशेष योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

ग्रामीणों को मिली मनरेगा व डिजीटल जानकारी

बलरामपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आज मनरेगा दिवस का आयोजन किया गया। विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत सभी 95 ग्राम पंचायतों में मनरेगा रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मनरेगा के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रत्येक ग्राम पंचायत में चस्पा किए गए क्यू आर कोड को स्कैन कर मनरेगा से संबंधित जानकारी प्राप्त करने की विधि भी ग्रामीणों को भी बताई गई। इस दौरान ग्रामीणों को अधिक से अधिक मांग पत्र ग्राम पंचायत में जमा, स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त करने, महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने प्रेरित किया गया। साथ ही मनरेगा अंतर्गत कार्यरत 100 प्रतिशत श्रमिकों का ई-केवाईसी पूर्ण कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में मोर गांव मोर पानी अभियान को और अधिक से अधिक गति देने के उद्देश्य जल संरक्षण से संबंधित कार्यों के चयन एवं निर्माण पर जानकारी दी गई। आजीविका संवर्धन हेतु डबरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, जल संग्रहण संरचनाओं एवं अन्य जल संरक्षण कार्यों के लिए हितग्राहियों को जागरूक किया गया। युक्त धारा पोर्टल के माध्यम से आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कार्ययोजना बनाने की प्रक्रिया को भी विस्तार से बताया गया। जिससे विकास कार्यों की बेहतर योजना बनाई जा सके।

पेंशनर्स एसोसिएशन : मुंगेली जिला अध्यक्ष बने पवित्र सिंह बेदी

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पीआर यादव ने मुंगेली जिला शाखा अध्यक्ष पद पर पवित्र सिंह बेदी को नियुक्त किया है। पदाधिकारियों की नियुक्ति पर आरपी सिंह, डीएल डहरिया, रामकुमार यादव, राजकुमार मिश्रा, राजेंद्र चंद्राकर, नंद कुमार साहू, राजेंद्र गुप्ता, पीके राही, अश्वनी मिश्रा आदि ने बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड महोत्सव आयोजित

बलरामपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम देवीगंज में वाटरशेड महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव 2025 में छत्तीसगढ़ राज्य का किया नाम रोशन

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की छात्रा निहारिका नाग बनी राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

***मिट्टीकला में निहारिका ने बढ़ाया प्रदेश का मान**

बलरामपुर/नवप्रदेश। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शंकरगढ़ की होनहार छात्रा निहारिका नाग ने वह कर दिखाया है, जिसका सपना हर विद्यार्थी देखता है। साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली यह बाल प्रतिभा आज अपने हुनर से न सिर्फ जिले का, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय मानचित्र पर रोशन किया है।

शंकरगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा निहारिका नाग को एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के बाद अपनी मिट्टी कला सामर्थ्य को निखारने का सुनहरा अवसर मिला, जहां विद्यालय के बेहतर माहौल, उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञों के प्रशिक्षण ने उनके सपनों को मजबूती दी।निहारिका ने पहले जगदलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। यह जीत उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने में सहायक साबित हुई।

इसके बाद निहारिका ने आंध्र प्रदेश में आयोजित 6 वीं ईएमआरएस राष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव उद्भव 2025 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। लगातार दोहरा स्वर्ण पदक जीतकर निहारिका ने अपने विद्यालय और छत्तीसगढ़ राज्य का मान बढ़ाया है। निहारिका के इस सफलता के पीछे उनके कला शिक्षक राहुल जंघेल की प्रेरणा और विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार तिर्की का सतत सहयोग और मार्गदर्शन रहा। निहारिका ने साबित कर दिखाया कि प्रतिभा को बस सही मंच की जरूरत होती है। निहारिका की बचपन से ही मिट्टी कला के प्रति गंभीर रुझान रखती थीं और विद्यालय ने उनकी इस प्रतिभा को ऊंचाई तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निहारिका की इस उपलब्धि से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में उत्साह का माहौल है। निहारिका की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद ऊंचे सपने देखते हैं। निहारिका नाग की तरह मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी विद्यार्थी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकता है।

मेहनत और मार्गदर्शन से बनती है नई पहचान

निहारिका की इस उपलब्धि से बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में उत्साह का माहौल है। निहारिका की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद ऊंचे सपने देखते हैं। निहारिका नाग की तरह मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी विद्यार्थी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकता है।

नियमों को ताक पर शिक्षकों के द्वारा मनमानी तरीके से स्कूल का संचालन किया जा रहा है

शिक्षकों की मनमानी समय से पूर्व करते हैं स्कूल की छुट्टी बच्चों ने लगाया आरोप

लखनपुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले का आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई है किसी न किसी मामले को लेकर शिक्षा विभाग हमेशा सुर्खियों में रहता है। निर्धारित समय से पहले स्कूलों में छुट्टी करने का मामला सामने आया है। जहां बच्चों ने आरोप लगाया है कि प्रतिदिन दोपहर 3 बजे स्कूल की छुट्टी शिक्षकों के द्वारा कर दी जाती है। दरअसल पुरा मामला लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पुहपुटरा के चिलबिल प्राथमिक शाला का है। इस स्कूल में दो शिक्षक पदस्थ है।

शिक्षक राकेश पांडेय अवकाश पर है। शिक्षिका मरियम तिर्की के द्वारा संकुल समन्वयक एव खंड शिक्षा अधिकारी को बिना किसी सूचना के 5 दिसंबर दिन शुक्रवार की दोपहर लगभग 3:00 बजे स्कूल की छुट्टी कर दी गई। जब स्थानीय मीडिया कर्मी वहां पहुंचे और शिक्षिका से समय पूर्व स्कूल की छुट्टी किये जाने के संबंध में पूछा गया तो उनके द्वारा कहा गया शिक्षक की अवकाश होने पर स्कूल के टाइम में संकुल केंद्र जाकर कार्यालयीन किताब लेने जाने के लिए स्कूल की छुट्टी कर दिया गया है। वही छुट्टी के संबंध में स्कूली बच्चों ने आरोप लगाया है कि प्रतिदिन शिक्षकों के द्वारा दोपहर 3:00 बजे स्कूल की छुट्टी कर दी जाती है। अब देखने वाली बात होगी कि किस प्रकार की कार्यवाही इन शिक्षकों के ऊपर विभागीय अधिकारियों के द्वारा की जाती है या फिर कारण बताओ नोटिस जारी कर कार्यवाही के नाम पर महज खाना पूर्ति कर दिया जाएगा। नियमों को ताक पर शिक्षकों के द्वारा मनमानी तरीके से स्कूल का संचालन किया जा रहा है। लखनपुर विकासखंड क्षेत्र के स्कूलों में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। स्कूली बच्चों ने आरोप लगाया है कि यहां पर स्कूल की छुट्टी 3 बजे ही कर दी जाती हैं। यह भी आरोप है कि आये दिन कभी शिक्षक कभी शिक्षिका स्कूल से गायब रहते है।एक दो दिन के अंतराल में कभी शिक्षक हाजिर रहते तो कभी शिक्षिका स्कूल से नदारद रहती हैं।

शिक्षिका मरियम तिर्की

इस संबंध में शिक्षिका मरियम तिर्की ने कहा कि शिक्षक राकेश पांडे के अवकाश पर होने से एफएलएन का बुक लेने संकुल केंद्र जाना था इसलिए स्कूल की छुट्टी किया गया। रविवार को होने वाले महा परीक्षा अभियान को लेकर ब्लॉक मुख्यालय पेपर लेने भी जाना था।

संकुल समन्वयक साकेत गिरी

इस संबंध में संकुल समन्वयक साकेत गिरी से मोबाइल फोन से बात करने कहा कि बिना किसी सूचना के शिक्षिका के द्वारा स्कूल की छुट्टी किया गया है जो कि गलत है। उन्हें समयानुसार स्कूल का संचालन सुबह 10 से शाम 4:00 बजे तक करना है। खंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता ने कहा- संज्ञान में बात आई है बंद के संबंध में शिक्षक शिक्षिका से पूछताछ की जायेगी।

प्रशासन की सतर्कता से 400 बोरी अवैध धान से भरा ट्रक जब्त

बलरामपुर/नवप्रदेश। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की ओर से एक ट्रक में अवैध रूप से धान लाए जाने की जानकारी प्राप्त होते ही प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक नंबर सीजी 29 एएफ 0480 में लगभग 400 बोरी अवैध धान लोड था, जिसे बिना वैध दस्तावेजों के जिले की सीमा में लाया जा रहा था। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को रोका, सामग्री की जांच की और धान को कब्जे में लेकर वाहन को संबंधित थाने के सुपुर्द कर दिया है। अनुविभागीय अधिकारी नीर नंदेहा ने कहा है कि जिले में धान खरीदी सीजन के दौरान प्रत्येक स्तर पर अवैध गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है। चेक पोस्टों पर निगरानी को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा है कि आगे भी अवैध परिवहन , भंडारण गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध रूप से धान का परिवहन या खरीद-बिक्री दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत दें,ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पिपरदा के रेत माफिया का पुछेली में कब्जा, कार्रवाई नहीं होने से शासन को राजस्व का नुकसान

चार-चार जेसीबी मशीन से हसदेव नदी को दिन-रात किया जा रहा छल्ली

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पुछेली से इन दिनों बड़े पैमाने पर चार चार जेसीबी मशीन लगाकर पुछेली हसदेव नदी से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से रेत निकालने का काम पिपरदा के रेत माफिया कर रहे हैं पुछेली के ग्रामीण ने बताया की यहां से रोजाना चालीस से पचास हाइवा रेत की अफरातफरी की जा रही है। जनप्रतिनिधियों ने बताया हसदेव नदी से रोजाना जेसीबी ट्रैक्टर के माध्यम से रेत का अवैध उत्खनन कर एक जगह पर डंप कर उसे जेसीबी मशीन के माध्यम से हाइवा में लोड कर बिलासपुर कोरबा तक बिना रायल्ट्री के बेचा जा रहा है जिसे रोक कर कार्रवाई करने अधिकारी रूचि नहीं ले रहे हैं जिसके चलते पिपरदा के रेत माफियाओ के हौसले बुलंद हैं बताया जा रहा है की चौबीस घंटे पिपरदा गांव के अंदर से ही रेत माफियाओ के भीम सायं वाहन चल रहे हैं जिससे गांव का भी माहौल खराब हो रहा है इसके साथ ही सड़क दुघर्टना होने की भी संभावना बनी रहती? है । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पिपरदा के रेत माफिया ने हथनेवरा नेशनल हाईवे पर चौबीस घंटे अपना एक मुखबिर बैठा रखा है जो खनिज विभाग के आने की सूचना देते रहता है जैसे ही खनिज विभाग की टिम बिर्रा रोड के तरफ निकलते है वह फोन के माध्यम से पिपरदा के रेत को सूचित कर देता है जिससे वह हसदेव नदी से जेसीबी हाइवा निकाल कर रोड पर आ जाते हैं जिसके चलते खनिज विभाग भी इन रेत माफियाओ पर कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं।

> पुछेली टिम भेज कर रेत माफियाओ पर कार्रवाई की जायेगी अवैध उत्खनन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा ।
>
> **पवन कोसमा**
> एसडीएम चांपा

192 बोरी अवैध धान सहित 2 वाहन जब्त

बलरामपुर/नवप्रदेश। जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी है और जिले के अंतरराज्यीय सीमा पर धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण को रोकने के लिए कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम के द्वारा सतत निगरानी एवं कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में वाड्रफनगर के अंतर्गत बलंगी में 01 पिकअप के द्वारा अवैध धान का परिवहन किया जा रहा था जिसे रोककर जांच किया गया। जांच में पाया गया कि उक्त पिकअप में लगभग 40 बोरी अवैध धान लोड कर परिवहन किया जा रहा था जिसे जब्त कर थाना बलंगी को सुपुर्द किया गया ।

पत्नी की हत्या के आरोपी को 10 साल का सश्रम कारावास

इंस्पेक्टर कुमार गौरव साहू की सटीक विवेचना ने संगीन अपराधों में आरोपी को दिलाई सजा

रायगढ़/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में रायगढ़ जिले में कानून की सख्ती और सटीक विवेचना का एक और मजबूत उदाहरण सामने आया है, जहां तत्कालीन थाना प्रभारी खरसिया तथा वर्तमान में घरघोड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव साहू ने निष्पक्ष, वैज्ञानिक और प्रभावी जांच की गई, वहीं अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक पी.एन. गुप्ता ने सशक्त तर्कों, ठोस साक्ष्यों और प्रभावी जिरह के माध्यम से न्यायालय में मामला मजबूती से प्रस्तुत किया जिसके चलते अपराधिक मानववध के मामले में आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। सत्र न्यायाधीश रायगढ़ जितेंद्र कुमार जैन के न्यायालय ने सत्र प्रकरण क्रमांक 114/2024 (थाना खरसिया अपराध क्रमांक 544/2024) में आरोपी कुशल चौहान पिता झाड़ूराम चौहान उम्र 41 वर्ष, निवासी बाम्हनपाली, थाना खरसिया को धारा 105 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दोषसिद्ध कर 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार 11 सितंबर 2024 को ग्राम पंचायत बाम्हनपाली के सरपंच पति दयाराम राठिया को सूचना मिली कि आरोपी ने घरेलू विवाद के दौरान अपनी पत्नी विमला खड़िया के साथ बेरहमी से मारपीट की है। आरोपी ने पत्नी को घसीटकर कमरे में ले जाकर बांस के डंडे से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों द्वारा डॉयल 112 को सूचना दी गई, जिसके बाद घायल महिला को सिविल अस्पताल खरसिया में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। सूचना पर थाना खरसिया में मर्ग कायम कर आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया।

काशीराम रजक के प्राचार्य पदभार ग्रहण करने पर ग्रामीणों ने निकाली शोभायात्रा

मस्तूरी/नवप्रदेश। मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के बूढ़ी खार ग्राम के वरिष्ठ शिक्षाविद् काशीराम रजक ने शनिवार को प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया। पदोन्नति की जानकारी मिलते ही गांव में उत्साह की लहर दौड़ गई तथा शिक्षा जगत में खुशी की चमक दिखाई दी।नवोदय विद्यालय चौक से विद्यालय परिसर तक ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं एवं शाला विकास समिति द्वारा भव्य स्वागत शोभा यात्रा निकाल कर ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक वादन तथा फूल-मालाओं से सजे स्वागत मंचों पर ग्रामीणों ने 'हमारा गौरव हमारे गांव का प्राचार्य' जैसे नारों के बीच प्राचार्य काशीराम रजक को ऐतिहासिक बधाई दी। इस अवसर पर जनपद सदस्य अतिथि स्वरूप शामिल हुए तथा प्राचार्य रजक के उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बूढ़ी खार के सरपंच दीपक लहरें, ओखर सरपंच लल्लू यादव, परसराम निर्णेजक, मध्य नगरीय के प्राचार्य प्रदीप वैष्णव ,ओखर के पूर्व सरपंच, शिक्षक शेषनारायण गुप्ता, शैक्षिक समन्वयक विश्वजीत राय, विद्यालय के व्याख्याता, महिला शिक्षक-शिक्षिकाएँ, टंडन मैडम, तथा मिडिल व प्राथमिक शाला से आए प्रधानपाठक एवं शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व में काशीराम रजक के विद्यार्थी रहे छात्र-छात्राएँ भी विशेष रूप से पहुंचे, जिन्हें अपने गुरु को प्राचार्य पद संभालते देख भावुक होते पाया गया।शाला विकास समिति के सदस्यों तथा ग्रामीणों ने कहा कि रजक का यह पदभार विद्यालय के लिए स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत है।

योजना | ग्राम पंचायत चिलमा में लगा संध्या चौपाल, पहाड़ी कोरवा परिवारों से जिला पंचायत सीईओ ने किया आत्मीय संवाद

संध्या चौपाल में पीएम जनमन योजना अंतर्गत आवास पूरा करने किया प्रेरित

बलरामपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विकासखंड बलरामपुर के चिलमा गाँव में संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। संध्या चौपाल में जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने कोरवा समुदाय की महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के साथ जमीन पर बैठकर आत्मीय संवाद किया। उन्होंने प्रत्येक परिवार से उनकी वास्तविक जरूरतें, योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति, समस्याएँ और सुझावों को विस्तार से सुना। सीईओ तोमर ने ग्रामीणों को से कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना का उद्देश्य आपके जीवन में स्थायी और सकारात्मक बदलाव लाना है। शासन की मंशा है कि योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचे और इस योजना के तहत हर कार्य को जिम्मेदारी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि योजनाओं में मिली राशि का सही उपयोग करें और निर्धारित समय में आवास निर्माण पूरा करें। चौपाल के दौरान आवास पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को सम्मानित किया गया इससे न केवल उन्हें प्रोत्साहन मिला, बल्कि अन्य परिवारों को भी अपने आवास निर्माण को समय पर पूरा करने के लिए प्रेरणा मिली। इस अवसर पर नुक्कड़-नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। नाटक में संदेश दिया गया कि योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि का दुरुपयोग न करें। राशि का सही उपयोग करते हुए निर्धारित समय में आवास निर्माण पूरा करें, ताकि सभी पात्र परिवार को पक्के आवास की सुविधा प्राप्त हो। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री-जनमन अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 3347 आवासों को स्वीकृति प्रदान की गई। जिसमें से 3317 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 3084 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त, 2701 हितग्राहियों को तृतीय किश्त दिया गया है और 2205 आवास पूर्ण कराये जा चुके हैं। शेष आवास प्रगतिरत हैं। इस संध्या चौपाल में शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना समाधान के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन सभी योजनाओं को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों योजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने अपील भी की।

पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था के लिए प्रशासन सख्त

बलरामपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशन में जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने सभी अंतरराज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर चौकसी को और मजबूत करते हुए 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके तहत संदिग्ध वाहनों, परिवहन गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी नीति के तहत अब तक जिले में कुल 76 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें 10654.10 क्विंटल अवैध धान एवं 29 चार पहिया वाहन व 10 दोपहिया कुल 39 वाहनों को जब्त किया गया है, जो कि प्रशासन की सतत निगरानी तथा संयुक्त दलों की सक्रियता का परिणाम है। कलेक्टर कटारा के मार्गदर्शन में सभी अंतरराज्यीय एवं आंतरिक चेक पोस्टों पर भी टीमों को तैनात किया गया है। साथ ही प्रत्येक अनुविभाग में गठित निगरानी दल रात्रि कालीन गश्त के साथ ही आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही हैं और मंडी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है।

मरीजों की सेहत सुरक्षा सहित संक्रमण पर नियंत्रण प्राथमिकता: डॉ. मूर्ति

सिम्स हॉस्पिटल में इंफेक्शन कंट्रोल टीम की बैठक आयोजित, टीमवर्क और सतत मॉनिटरिंग से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना उद्देश्य

बिलासपुर/नवप्रदेश। सिम्स में 3 दिसंबर को हॉस्पिटल इन्फेक्शन कंट्रोल कमिटी की बैठक अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति की अध्यक्षता में हुई थी आज आगे की कार्रवाई के लिए हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल टीम की महत्वपूर्ण बैठक, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह तथा हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल टीम के अध्यक्ष डॉ. समीर पैकरा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की सुरक्षा की पहली शर्त है। हमारा लक्ष्य सिम्स को संक्रमण-नियंत्रण के उच्चतम मानकों पर स्थापित करना है। टीमवर्क और सतत मॉनिटरिंग से हम बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित कर रहे हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल टीम की नियमित बैठकें अस्पताल की गुणवत्ता सुधार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हम सभी विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और सुरक्षित कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मरीजों को सुरक्षित वातावरण मिले, यही हमारी प्राथमिकता है। बैठक में डॉ. सागरिका प्रधान, डॉ. संजय गीले, डॉ. सुचिता, डॉ प्रभात श्रीवास्तव नर्सिंग सुपरीटेंडेंट सरिता बहादुर, उज्ज्वला दास, नर्सिंग स्टाफ पुष्पलता शर्मा, गीता पासवान, अंजू लक्ष्मी, संदीप कौर, सरिता टोप्पो, अनामिका राय, रेनू साहू, योगेश्वरी, नेहा, गरिमा पाण्डेय तथा कमलेश दीवान सहित संबंधित स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु कई बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। नर्सिंग एवं अन्य स्टाफ के लिए नियमित इन्फेक्शन कंट्रोल प्रशिक्षण, फर्नीचर मेंटेनेंस का निर्धारित शेड्यूल, दैनिक एवं साप्ताहिक मूल्यांकन की समीक्षा, मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम के माध्यम से चेकलिस्ट रिकॉर्ड का संधारण।

बायोमेडिकल वेस्ट को सेग्रीगेशन के बाद सुरक्षित स्थान पर रखने बनी सहमति

बैठक में निर्णय लिया गया कि नर्सिंग टीम अपनी चेकलिस्ट गूगल शीट/गूगल फॉर्म के माध्यम से सबमिट करेगी। साथ ही प्रत्येक वार्ड में स्पिल मैनेजमेंट किट उपलब्ध कराने और बायोमेडिकल वेस्ट को सेग्रीगेशन के बाद सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करने पर भी सहमति बनी। हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल टीम ने मानक संचालन प्रक्रिया और चेकलिस्ट को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया। यह भी तय किया गया कि प्रत्येक माह के चौथे शनिवार को नियमित बैठक आयोजित की जाएगी। भविष्य में सेंट्रल स्टेरलाइज सप्लाई डिपार्टमेंट और लॉन्ड्री यूनिट की मॉनिटरिंग को और मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

न्यूज गैलरी

110 बच्चों को स्वेटर वितरित

सीपत/नवप्रदेश। शिक्षा के साथ साथ मानवीय संवेदना और संस्कारों का संदेश लिए कौवाताल गांव में प्रेरणादायी आयोजन देखने को मिला, जहाँ स्वर्गीय बद्री प्रसाद अग्रवाल (मालगुजार, मटियारी) की पुण्य स्मृति में 110 विद्यार्थियों को गर्म स्वेटर वितरित किए गए। यह आयोजन संकुल स्त्रोत केंद्र कन्या शाला सीपत के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला कौवाताल में मस्तूरी बीईओ शिवराम टंडन एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सूरज क्षत्री के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मटियारी निवासी सुपुत्र द्वय अवधेश अग्रवाल (जनपद सदस्य, बिल्हा) एवं राजेश अग्रवाल (एसएसपी, सरगुजा) द्वारा अपने पूज्य पिता की स्मृति को जीवंत रखते हुए इस सामाजिक सरोकार का निर्वहन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 110 बच्चों को स्वेटर मिलने से विद्यालय परिसर खुशी और उल्लास से गूंज उठा, बच्चों के चेहरों पर सच्ची मुस्कान साफ देखने को मिली। मुख्य अतिथि एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होती, शिक्षा से ही व्यक्ति के भीतर संस्कारों का निर्माण होता है।

डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के लिए युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन

अध्यात्म व तकनीक से जुड़ी हो तो राष्ट्र की उन्नति सुनिश्चित: डॉ. वर्णिका शर्मा

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के लिए युवाओं की भूमिका विषय पर एक दिवसी राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच डॉ वर्णिका शर्मा एवं केंद्रीय संचालन संचालन समिति राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के सदस्य गोलोक बिहारी राय एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय महासचिव विक्रमादित्य सिंह ने स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के लिए युवाओं की भूमिका विषय पर अपने विचार रखें। अतिथि वक्ताओं ने युवाओं को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययन से अध्यात्म तक जुड़ा हुआ है। जहां अध्यात्म से तकनीक जुड़ी होती है वहां उन्नति सुनिश्चित होती है। जिस राष्ट्र में केवल तकनीक का सहारा लेकर उन्नति करने की कोशिश की वह अवनति के दलदल में समा गया। हम सब अहिल्याबाई ,वीर शिवाजी, के देश में जन्मे लोग हैं । जिन्होंने कभी विश्राम नहीं किया । 300 साल पहले ही अहिल्याबाई ने स्वदेशी की सोच से कार्य करके हम सबको प्रेरणा दी है। उनके मार्ग पर चलते हुए हमें स्वदेशी अपनाना होगा। हमें सभी के मन में तंत्र स्वदेशी, मंत्र स्वदेशी और भाव स्वदेशी लाना होगा। इससे कृषि उद्योग बढ़ेगा, गांव में खुशहाली होगी। गांव गरीब किसान उठेगा घर-घर में दिवाली होगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित गोलोक बिहारी राय ने कहा कि जो राष्ट्र अपनी संस्कृति अपनी परंपरा अपने जीवन शैली को मौलिक रूप में जागृत रखेगा। वह देश उन्नति करेगा और वैश्विक स्तर पर अपनी मौलिक पहचान बनाए रखेगा। उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा बनी रहेगी। जो राष्ट्र नकल करता है, उसका पतन निश्चित है।

युवा वैचारिक रूप से जुड़ेंगे: प्रो. घोष

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि आज इस राष्ट्रीय व्याख्यान से स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की जो बात हुई है, उससे निश्चित तौर पर युवा वैचारिक रूप से जुड़ेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि अतिथियों ने जो बीजरोपित किए हैं ,वह निश्चित ही राष्ट्र निर्माण के रूप में एक बड़ा वृक्ष बनकर हम सबके सामने होगा।

पीटीआई का विवादित वीडियो वायरल शराब और जुए की बात कबूली

■ **डीईओ ने कार्रवाई का दिया आश्वासन**

बिलासपुर/नवप्रदेश। गौरेला विकासखंड के जोगीसार हाईस्कूल में पदस्थ पीटीआई उत्तम सिंह पैकरा इन दिनों एक विवादित वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे इस वीडियो में पीटीआई खुद यह स्वीकार करते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने अपने गांव मिठू नवागांव के देवारी बाजार में पूरी रात जुआ खेला और करीब 10 हजार रुपये की शराब का सेवन किया। वीडियो में वह नशे में होने की बात भी खुलकर मान रहे हैं।जब वीडियो में मौजूद व्यक्ति ने उनसे पूछा कि एक शिक्षक होकर ऐसे कृत्य क्या शोभा देते हैं, तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था। उन्होंने दावा किया कि 'रातभर जिन लोगों के साथ शराब पी, वे भी शिक्षक ही हैं।' इस बयान से पूरे क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। छात्रों को अनुशासन और संस्कार सिखाने वाले शिक्षक ही यदि नशे और जुए में लिप्त हों, तो शिक्षा की गुणवत्ता का जिम्मेदार कौन? ग्रामीणों का कहना है कि उत्तम सिंह पैकरा की यह हरकत नई नहीं है। उन पर पहले भी शराब के नशे में स्कूल पहुंचने के आरोप लगते रहे हैं। अभिभावक और स्थानीय लोग लंबे समय से इस शिक्षक की हरकतों से परेशान हैं और अब वीडियो सामने आने के बाद आक्रोश और भी बढ़ गया है। इधर, मामले में जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने कहा है कि यदि शिक्षक द्वारा ऐसा कृत्य किया गया है, तो यह गंभीर अनुशासनहीनता है। शिक्षक को नोटिस जारी कर तत्काल निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे सेकेंड एंट्री में अव्यवस्था, यात्रियों से भरे इलाके में खुलेआम गुंडागर्दी, आरपीएफ नदारद

■ **विरोध करने पर ई-रिक्शा चालक ने यात्रियों से की मारपीट**

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे स्टेशन की सेकेंड एंट्री अब स्टेशन कम और अघोषित ऑटो स्टैंड ज़्यादा नज़र आ रही है। हालात ये हैं कि न कोई नियम, न कोई जांच और न ही रेलवे प्रशासन की मौजूदगी–नतीजा, पूरे इलाके में ट्रैफिक जाम, अवैध कब्जे और अब खुलेआम गुंडागर्दी शुरू हो चुकी है। गजरा चौक और रनिंग रूम के पास रोज़ाना ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का ऐसा कब्जा रहता है कि यहां से पैदल गुजरना भी चुनौती बन गया है। ठेलों और खोमचों की लाइन में स्टेशन की पूरी सड़क बाजार में तब्दील हो चुकी है।

प्रशासन की चुप्पी ने इन कब्जेदारों के हौसले इतने बुलंद कर दिए हैं कि अब वे यात्रियों के साथ बदसलूकी और धमकी देने से भी पीछे नहीं हट रहे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब सिरगिट्टी ब्लैक डायमंड इलाके से एक ई-रिक्शा चालक चार यात्रियों को स्टेशन छोड़ने के नाम पर ऑटो में बिठाकर लाया, लेकिन स्टेशन के बजाय उन्हें गजरा चौक पर ही उतार दिया। यात्रियों ने आपत्ति जताई तो चालक भड़क गया और विवाद मारपीट तक पहुंच गया। पूरे मामले के दौरान न कोई आरपीएफ दिखाई दिया और न ही रेलवे का कोई जिम्मेदार अधिकारी। रेलवे पुनर्विकास के नाम पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि निर्माण सामग्री सड़क पर ऐसे पड़ी है जैसे कोई जिम्मेदार ही नहीं।

सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान

इस अव्यवस्था के बीच अवैध कब्जा लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे यात्री परेशान और सुरक्षा सवालों में घिरी हुई है। स्थानीय लोगों और यात्रियों का सवाल साफ है जब सेकेंड एंट्री के ठीक सामने यह हाल है, तो सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी कौन लेगा। अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो गजरा चौक रेलवे स्टेशन का हिस्सा नहीं, बल्कि अवैध बाजार और गुंडागर्दी का ठिकाना घोषित हो जाएगा।

सेंट्रल बंगाली एसोसिएशन की वार्षिक सभा 21 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। सेंट्रल बंगाली एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा की बैठक 21 दिसंबर को होगी। अध्यक्ष बीसी गोलदार ने बताया कि कुटीपारा रोड, मोपका में स्थित कार्यालय आनंदो निकेतन आश्रम के परिसर में सुबह 10.30 बजे बैठक होगी। इसमें आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा वर्ष भर के विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा।

डॉ. आंबेडकर ज्ञान केन्द्र में महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बिलासपुर /नवप्रदेश। भारत रत्न, संविधान शिल्पी डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव आंबेडकर ज्ञान केन्द्र, बिलासपुर जहाँ निर्धन जरुरत मंद बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है में श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि दिवस हर वर्ष 06 दिसंबर को डॉ. अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में संविधान निर्माण में उनके योगदान के सम्मान में आयोजित किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। उपस्थित पदाधिकारियों, आमंत्रित अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन धारण कर डॉ. आंबेडकर के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रो. जी. पी. रात्रे, कमल डहरिया, सी. एस. खांडे, जितेंद्र पाटले, विन्द्राप्रसाद सहित संस्थान के विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। वक्ताओं ने डॉ. आंबेडकर द्वारा भारतीय संविधान निर्माण, सामाजिक न्याय, समता और बंधुता की स्थापना के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ज्ञान केन्द्र, बिलासपुर द्वारा संचालित यह कार्यक्रम युवाओं में संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। केन्द्र के माध्यम से समय-समय पर डॉ. आंबेडकर के जीवन, विचार और संघर्ष यात्रा से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनसे विद्यार्थियों को प्रेरणा प्राप्त होती है।

दान में मिली गाय की देखभाल नहीं, प्रसव पीड़ित गाय की मौत

गौ सेवक ने की कार्रवाई की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रसव पीड़ित गाय की मौत के मामले ने पशु उपचार व्यवस्था और गौ-संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गौसेवकों ने आरोप लगाया कि गंभीर हालत में लाई गई गाय को पशु चिकित्सालय में उचित उपचार नहीं दिया गया। बताया गया कि डॉक्टर ने गाय को बेहोशी का इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद उसकी स्थिति सुधरने के बजाय और बिगड़ती चली गई। इलाज में देरी और लापरवाही के कारण कुछ ही देर में गाय की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि मृत गाय को पहले तारबहार डीपू क्षेत्र में रहने वाले कथावाचक जलेश्वर महाराज को दान में दिया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कथावाचक ने गाय की देखभाल करने के बजाय उसे बेसहारा सड़क पर छोड़ दिया था। इसी लापरवाही के कारण गाय प्रसव पीड़ा में तड़पती हुई सड़क पर पाई गई और समय पर उचित देखभाल न मिलने से मां और गर्भस्थ बछड़े दोनों की जान चली गई। गौसेवकों ने घटना को बेहद संवेदनहीन और गंभीर लापरवाही करार दिया है। उनका कहना है कि यदि समय पर देखभाल और सही उपचार मिलता तो गाय की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में मौजूद स्टाफ ने स्थिति की गंभीरता को समझने के बजाय लापरवाही दिखाई, जिसका खामियाजा एक बेजुबान को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। घटना से आक्रोशित गौसेवकों ने तारबहार थाने पहुंचकर कथावाचक सहित जिम्मेदार चिकित्सा कर्मचारियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त व्यवस्था लागू करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अन्नपूर्णा कॉलोनी सेक्टर 3 में सी सी रोड निर्माण का भूमिपूजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। अन्नपूर्णा कॉलोनी सेक्टर 3 में सी सी रोड निर्माण कार्य टॉप ढलाई भूमि पूजन महापौर पूजा विधानी वार्ड पार्षद इब्राहिम खान अब्दुल जोन अध्यक्ष शीनू राव की उपस्थिति में नितिन नानोटी के मकान से अनमोल पाटले के मकान तक किया गया। वार्ड के मुख्य से पार्षद प्रतिनिधि राज बंजारे, सैयद इमरान हुसैन, जोगेंद्र मो. अयूब, मुरली राव, नवीन कुमार, विष्णु तिवारी, लव सिंह, अरुण पटनायक, पार्थो घोष, अंकित पाल, नरेंद्र श्रीवास, गजेंद्र जगन पटनायक, जितेंद्र कुर्रे, मुकेश जांगड़े, अमर दास जोन कमिश्नर इंजीनियर एवं वार्ड के वरिष्ठजन माताओं बहनों की उपस्थिति रही।

अव्यवस्था

केंद्र सरकार हर चीज का विकल्प भी तैयार करें और मनॉपली रोके

दो तिहाई हवाई उड़ान मार्केट पर एक ही एयरलाइंस, आई परेशानी और पूरा सिस्टम ध्वस्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने हाल ही में चल रहे इंडिगो एयरलाइंस प्रॉब्लम के कारण हवाई उड़ाने रद्द होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पूरा देश हवाई सेक्टर में मोनोपोली बनने का नुकसान झेल रहा है। समिति ने कहा कि जिस तरह बिलासपुर हवाई अड्डे पर एलाइंस एयर की मोनोपोली का नुकसान बिलासपुर झेल रहा है वैसा ही अनुभव सबसे ज्यादा सफल इंडिगो एयरलाइंस में समस्या आने पर आया है। 1 दिन में लगभग 1000 उड़ान संचालित करने वाली कंपनी की आधी से ज्यादा उड़ान रद्द हो रही है।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने कहा कि मुक्त अर्थव्यवस्था तभी सफल होती है जब उसमें किसी भी सेक्टर में मोनोपोली ना बनने दी जाए। अन्यथा निजीकरण और मुक्त अर्थव्यवस्था में मोनोपोली होने पर इसी तरह के दुष्परिणाम सामने आते हैं। समिति ने कहा के इंडिगो एयरलाइंस का यह मामला केंद्र सरकार के लिए एक खतरे की घंटी है और न केवल हवाई उड़ान सेक्टर में बल्कि सभी प्रमुख सेक्टर में चाहे वह ऊर्जा का क्षेत्र हो या अन्य उद्योग क्षेत्र जहां चुनिंदा एक दो उद्योगपति पूरे बड़े क्षमता पर कब्जा करते जा रहे हैं वह मोनोपोली देश के लिए अत्यंत घातक परिणाम देगी। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने मांग की कि केंद्र सरकार की हवाई उड़ान समेत अन्य सभी सेक्टर में नीतियां बनाते समय स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और विकल्प खड़े करने और उन्हें मजबूत करने की नीति पर काम करना चाहिए। केंद्र सरकार के द्वारा एयर इंडिया को बेचने का निर्णय आज सवालों के घेरे में है अगर एयर इंडिया केंद्र सरकार के पास होती तो इंडिगो एयरलाइंस की समस्या आने के बाद भी कम से कम किरायों पर मनमानी नहीं हो रही होती और जिन्हें अत्यंत आवश्यक है उन्हें अपने गंतव्य तक यात्रा एक उचित किराया दार पर मिल सकती थी।

प्रतिनिधिमंडल दिल्ली 9 को होगी रवाना

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल का दिल्ली जाने का प्रवास 9 दिसंबर को तय है और इस संबंध में समिति की तैयारी जारी है समिति बिलासपुर से ही बैनर पोस्टर आदि तैयार करके लेकर जाएगी जिससे कि वहां इन सब कार्यों में समय व्यर्थ ना हो। समिति में उम्मीद जाहिर की के वर्तमान उड़ान संकट जल्दी ढल जाएगा और एक-दो दिन में सभी हवाई उड़ने नॉर्मल हो जाएगी जिससे कि अगले सप्ताह उनकी मुहिम दिल्ली में उचित तरीके से चल सके।

न्यूज गैलरी

चुनाव हारते ही तेज प्रताप की मुश्किलें बढ़ीं: निजी आवास पर 3.6 लाख का बिजली बिल बाकी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद अब उनके सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पटना के बेउर स्थित उनके निजी आवास के बिजली बिल को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, तेज प्रताप यादव ने पिछले तीन साल से अपने इस घर का बिजली बिल नहीं भरा है, जिसके चलते अब उन पर बिजली कंपनी का 3.6 लाख रुपये से अधिक का बकाया हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, तेज प्रताप यादव भले ही विधायक होने के नाते लंबे समय से सरकारी बंगले में रह रहे हों, लेकिन बेउर में उनका एक निजी मकान भी है। बिजली विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि इस मकान पर लगे कनेक्शन (कंज्यूमर खाता संख्या 101232456) का बिल जुलाई 2022 के बाद से जमा ही नहीं किया गया है। रिकॉर्ड के मुताबिक, आखिरी बार 20 जुलाई 2022 को उन्होंने करीब 1 लाख 4 हजार रुपये का भुगतान किया था। इसके बाद लगातार बिजली का उपयोग तो होता रहा, लेकिन बिल का भुगतान नहीं किया गया। अब बकाये की कुल राशि 3,24,974 रुपये हो गई है, जिसमें 23 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी शामिल है।

मैक्सिको में पुलिस स्टेशन के बाहर धमाका, तीन की मौत, छह घायल

नई दिल्ली(आईएएनएस)। मैक्सिको में पुलिस स्टेशन के बाहर जोरदार धमाके की खबर सामने आई है। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुरक्षा अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार शनिवार को पश्चिमी मैक्सिकन के मिचोआकन में एक स्थानीय पुलिस स्टेशन के बाहर हुए धमाके में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। हाल के कुछ दिनों में इन जगहों पर कुछ हाई-प्रोफाइल मर्डर के मामले देखने को मिले। इसके बाद वहां की फेडरल सरकार ने सुरक्षा गतिविधियों को बढ़ा दिया था और भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती की गई थी। अटॉर्नी जनरल के ऑफिस की ओर से इस संबंध में एक बयान भी जारी किया गया है। बयान के अनुसार, कोहुआयाना में एक सेंट्रल एवेन्यू पर एक गाड़ी में धमाका हुआ। ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो और लोगों की स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई, और छह दूसरे घायल हो गए। कोहुआयाना कम्युनिटी पुलिस के कमांडर हेक्टर जेपेडा ने कहा कि अस्पताल में मरने वाले दो लोग कम्युनिटी पुलिस अधिकारी थे। शव धमाके वाली जगह पर बिखरे हुए मिले। धमाके की वजह से आसपास की इमारतों को भी नुकसान हुआ। जेपेडा ने कहा, फेडरल सरकार की ओर से चलाए जा रहे इस ऑपरेशन के साथ बहुत सारे सैनिक आए।

कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में पांच लाख लोगों ने गीता पाठ किया

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला, जहाँ सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित सामूहिक गीता पाठ में 5 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजकों ने इसे भारत में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ बताया है। इस विशाल आयोजन का मुख्य उद्देश्य गीता के संदेश को आम लोगों तक पहुँचाना और सनातन संस्कृति की मूल भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में देशभर से संत-महंत और आध्यात्मिक हस्तियाँ शामिल हुईं। पद्मश्री कार्तिक महाराज ने इस अवसर पर कहा कि गीता हिंदुओं का सबसे पवित्र ग्रंथ है और यह सभी को एकजुट करती है, यह विश्व कल्याण का मार्ग है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का किसी भी प्रकार की राजनीति से कोई संबंध नहीं है। सामूहिक पाठ में भाजपा नेताओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। पूर्व राज्य अध्यक्ष दिलीप घोष ने इस आयोजन को हिन्दुओं के जागरण का प्रतीक बताया। सांसद सुकांत मजूमदार ने शनिवार को ही श्रद्धालुओं को खाना खिलाकर सेवा में योगदान दिया। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जैसे प्रमुख व्यक्तित्व भी इस आयोजन में शामिल हुए।

न्याजा यात्रा देख गदगद हुए भक्त; बड़ियारी वंशजों ने की थी मंदिर की स्थापना

कुमाऊं-गढ़वाल की कालिंका के मेले में उमड़ी हजारों की भीड़

गढ़वाल और कुमाऊं की सीमा पर स्थित प्राचीन कालिंका माता मंदिर में शनिवार को पारंपरिक जतोड़ मेला आयोजित हुआ। हर तीन साल में आयोजित होने वाले इस मेले में हजारों की संख्या में भक्त शामिल हुए। ठंडे मौसम के बावजूद सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि बड़ियारी वंशजों और उनके गांवों की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत उत्सव भी माना जाता है। मंदिर प्रशासनिक रूप से पौड़ी गढ़वाल जिले के बीरोंखाल ब्लॉक में आता है, जबकि अल्मोड़ा जिले की सीमा इसके बिल्कुल पास है।

यही स्थिति इसे गढ़वाल और कुमाऊं के दोनों क्षेत्रों के लिए समान रूप से पवित्र और महत्वपूर्ण बनाती है। जतोड़ मेले की एक खास पहचान 'न्याजा' परंपरा है, जिसमें प्रमुख रूप से 14 गांवों के लोग देवी का ध्वज लेकर गांव-गांव भ्रमण करते हैं। मेले

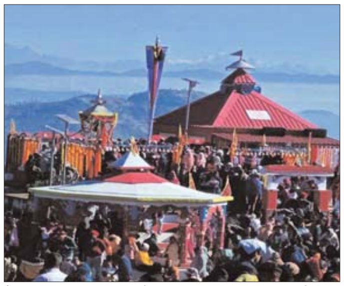

के अंतिम दिन, न्याजा दल ढोल-दमाऊ की थाप के साथ कालिंका धाम पहुंचते हैं और मंदिर परिसर में प्रवेश कर भक्तों को दर्शन प्रदान करते हैं। उत्तराखण्ड के दो जिलों, पौड़ी गढ़वाल और अल्मोड़ा के 14 गांवों में बड़ियारी रावत वंशज अपनी कुल देवी मां काली के रूप में मां भगवती न्याजा की सामूहिक पूजा और यात्रा आयोजित करते हैं। यह यात्रा इस साल सिर्फ 6 दिनों की हुई, 1 दिसंबर को माता के स्वरूप में न्याजा यात्रा कोठा तल्ला गांव में निकली, इस बीच कई गांवों से हजारों श्रद्धालु इसमें शामिल हुए। यात्रा का प्रारंभ हर साल कोठा गांव से ही होता है और विभिन्न गांवों से होते हुए न्याजा मंदिर में पहुंचती है। यात्रा के दौरान लाल और सफेद रंग का ऊंचा ध्वज और अखंड जोत साथ रहती है, जो सभी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतीक है।

बड़ियारी वंशज अल्मोड़ा के मवाण बाखली, तल्लीसैंण, बाखली रानी, मल्ला लखोरा, मठखानी और बंदरकोट मल्ला तथा पौड़ी गढ़वाल के बीरोंखाल क्षेत्र के कोठा, धोबीघाट, मरखोली और थबरिया तल्ला गांवों में रहते हैं। यात्रा में लगभग 150 लोग न्याजा के साथ रहते हैं, पुजारी और जगरिए यात्रा की देखरेख करते हैं और धर्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते हैं। पौराणिक लोक कथाओं के अनुसार बड़ियारी वंशजों के पूर्वज लैली बूबा 17वीं शताब्दी में टिहरी जिले के वडियार गढ़ में पैदा हुए।

माता वैष्णो देवी भक्तों के लिए खुशखबरी, अब रात 12 बजे तक कटरा स्टेशन पर मिलेगा आरएफआईडी कार्ड

कटरा। मां वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाएँ बढ़ाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण की समय-सारणी में बदलाव किया है। अभी तक सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों पर श्रद्धालुओं को सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक ही आरएफआईडी यात्रा कार्ड मिलता था, जिसके बाद ही वे यात्रा शुरू कर सकते थे। बिना आरएफआईडी कार्ड के माता वैष्णो देवी यात्रा की अनुमति नहीं है, जिसके कारण देर रात आने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।इन समस्याओं को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने समय-सारणी में परिवर्तन किया है। नए आदेश के अनुसार कटरा रेलवे स्टेशन परिसर स्थित यात्रा पंजीकरण केंद्र पर अब सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध रहेगा। दर्शनी डियोड़ी प्रवेश द्वार पर देर रात ऑनलाइन यात्रा पर्ची लेकर आने वाले श्रद्धालु और देर रात आने वाली ट्रेनों से पहुंचने वाले यात्री अपने ट्रेन टिकट और ट्रेन का नाम बताकर तुरंत आरएफआईडी कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। नए ताराकोट मार्ग पर स्थित पंजीकरण केंद्र पर श्रद्धालुओं को 24 घंटे आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध होगा, चाहे उनके पास ऑनलाइन यात्रा पर्ची हो या वे तत्काल सेवा लेना चाहें। कटरा मुख्य बस अड्डा और अंतरराज्यीय बस अड्डे पर स्थित दोनों पंजीकरण केंद्रों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यहाँ पहले की तरह सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक आरएफआईडी कार्ड जारी किए जाएंगे।कटरा हेलीपैड पंजीकरण केंद्र पर यात्रियों को हेलीकॉप्टर सेवा के समय के दौरान ही, अर्थात सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक, आरएफआईडी कार्ड मिलेंगे। जम्मू रेलवे स्टेशन के पास स्थित वैश्णवी भवन और जम्मू एयरपोर्ट के यात्रा पंजीकरण केंद्रों की समय-सारणी में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दोनों स्थानों पर सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक कार्ड जारी किए जाएंगे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का यह नया आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रशासन का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाना है, ताकि देर रात यात्रा पर आने वाले यात्रियों को कोई परेशानी न हो। साथ ही श्राइन बोर्ड कटरा के चिंतामणि मंदिर क्षेत्र में भी एक नया पंजीकरण केंद्र खोलने की तैयारी कर रहा है, जहाँ आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं को यात्रा पंजीकरण की सुविधा मिल सकेगी।

खेल, व्यापार, मनोरंजन

टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कोच की नई पारी

अब इस टीम का थाम लिया हाथ; टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे प्लान

विंडहोक। भारतीय क्रिकेट इतिहास में साल 2011 का वनडे वर्ल्ड कप बेहद खास है, जब टीम इंडिया ने 28 साल बाद ट्रॉफी पर कब्जा किया था। उस ऐतिहासिक जीत में महेंद्र सिंह धोनी के साथ अहम भूमिका निभाने वाले तत्कालीन हेड कोच गैरी कर्स्टन को अब एक नई जिम्मेदारी मिली है। दक्षिण अफ्रीका के इस दिग्गज को नामीबिया की राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है। कर्स्टन अब नामीबिया के मुख्य कोच क्रेग विलियम्स के साथ मिलकर काम करेंगे और टीम को अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे। अपनी इस नई नियुक्ति पर गैरी कर्स्टन ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट नामीबिया के साथ जुड़ना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने नामीबिया के क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर की तारीफ करते हुए कहा कि उनका नया अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम इस बात का सबूत है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। कर्स्टन ने बताया कि नामीबिया की सीनियर टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वह आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम की तैयारियों में अपना योगदान देने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

गैरी कर्स्टन का कोचिंग करियर बेहद शानदार और अनुभव से भरा रहा है। साल 2004 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया, जिसके बाद 2011 में भारत विश्व विजेता बना। इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी टीमों को भी कोचिंग दी। गौरतलब है कि साल 2024 में उन्होंने पाकिस्तान की पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी।बतौर खिलाड़ी भी गैरी कर्स्टन का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। उन्होंने साल 1993 में दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट डेब्यू किया था और अपने देश के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले। 101 टेस्ट मैचों में उन्होंने 21 शतकों और 34 अर्धशतकों की मदद से 7289 रन बनाए। वहीं, वनडे क्रिकेट में उनके नाम 13 शतकों के साथ 6798 रन दर्ज हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अपना आखिरी मैच साल 2004 में खेला था, जिसके बाद से वह लगातार नए खिलाड़ियों को तराशने का काम कर रहे हैं।

रणवीर सिंह की धुरंधर का बॉक्स ऑफिस पर धमाल, आते ही सैयारा को दी धोबी पछाड़

पिछले काफी समय से दर्शकों को रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का इंतजार था। 5 दिसंबर को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया। इसने न सिर्फ रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की, बल्कि 2025 की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में भी अपनी जगह बना ली। आइए जानें पहले दिन धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल किया।फिल्म की एडवांस बुकिंग पहले से ही शानदार रही थी, इसलिए धुरंधर की अच्छी ओपनिंग की पूरी उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन ये फिल्म अनुमान से कहीं ज्यादा आगे निकल गई। एडवांस बुकिंग में ही लगभग 9 करोड़ रुपये जुटा चुकी धुरंधर से उम्मीद थी कि ये पहले दिन 15 से 20 करोड़ रुपये का कारोबार कर लेगी, मगर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी छलांग लगाई कि ट्रेड पंडितों की भविष्यवाणियों को भी गलत साबित कर दिया।सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर ने पहले दिन भारत में 27 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही ये रणवीर के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है। इसने उनकी फिल्म सिंबा को पछाड़कर ये मुकाम हासिल किया है। धुरंधर के निर्देशक आदित्य धर हैं। इसमें संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और आर माधवन ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के देशभर में 13,000 शोज थे। इसका बजट 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।धुरंधर ने अनीत पड्डा और अहान पांडे की फिल्म सैयारा के 21.9 करोड़ रुपये के कारोबार को भी पीछे छोड़ दिया है और ये 2025 की पहले दिन तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। हालांकि, ये फिल्म पहले दिन विक्की कौशल की छावा को मात नहीं दे पाई, जो 31 करोड़ की ओपनिंग के साथ 2025 की सबसे बड़ी ओपनर रही है। उधर 29 करोड़ की कमाई के साथ वॉर 2 दूसरे स्थान पर काबिज है।उधर धनुष और कृति सैनन की तेरे इश्क में ने 8 दिनों में अपने बजट से ज्यादा कमाई कर ली है। फिल्म की लागत 85 करोड़ रुपये है, वहीं ये 87 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है।

किस-किस को प्यार करूं 2 का गाना राँझे नू हीर हुआ रिलीज, कपिल और हीरा के रोमांस ने लगाई आग

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा स्टारर फिल्म किस किस को प्यार करूँ 2 जल्द ही बड़े परदे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का नया गाना राँझे नू हीर रिलीज हो गया है जिसे आवाज जुबिन नौटियाल ने दी है। इस गाने में हमेशा हंसाने वाले कपिल को आप रोमांटिक अंदाज में देखेंगे। फिल्म में कपिल के अलावा आयशा खान, पारुल गुलाटी, हीरा वारिना और त्रिधा चौधरी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में भी कपिल की तीन शादियाँ होंगी लेकर अलग-अलग धर्मों में। फिल्म किस किस को प्यार करूं 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है। रांझे नु हीर को साल के सबसे रोमांटिक गानों में से एक माना जा रहा है। दिल से निकला संगीत, शायरी से भरे बोल और सच्चे प्यार को सेलिब्रेट करता इसका विजुअल इसे खास बना देता है। कपिल शर्मा और हीरा वरीना की जोड़ी इस गाने में कमाल की लग रही है। कपिल का यह अब तक का सबसे नया और अनदेखा रोमांटिक अवतार है, जिसमें उनकी पगड़ी वाला लुक उनके स्क्रीन प्रेज़ेंस में एक नई ताज़गी और आकर्षण जोड़ देता है। हीरा के साथ उनकी केमिस्ट्री बेहद सहज, गहरी और खूबसूरती से मेल खाती नज़र आती है, जो इस गाने को सुरों के साथ-साथ नज़ारों का भी शानदार तोहफा बना देती है। यह गाना डिजीवी ने कम्पोज़ किया है, जिसकी सुरीली और भावनाओं से भरी धुन एक अमर प्रेम कहानी का एहसास कराती है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने नागालैंड के लिए 645 करोड़ के विकास पैकेज का अनावरण किया

कोहिमा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक्ट ईस्ट विजन' से प्रेरित केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने शुक्रवार को नागालैंड में 645 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री गुरुवार को नागालैंड के तीन दिवसीय दौरे पर दीमापुर पहुंचे। इस दौरान सिंधिया ने राज्य के लिए एक प्रमुख विकास पैकेज का अनावरण किया। इस दिन 202 करोड़ रुपए से अधिक की पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन और लगभग 443 करोड़ रुपए की नई पहलों की आधारशिला रखी गई, जिससे कुल निवेश 645 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। भारत सरकार द्वारा पूर्वोत्तर में रणनीतिक संपर्क बढ़ाने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के तहत, प्रमुख सड़क गलियारों को मजबूत करने और प्रमुख मार्ग उन्नयन के माध्यम से हवाई अड्डों से जुड़ी कनेक्टिविटी में सुधार पर विशेष जोर दिया गया है। पूर्वोत्तर के लिए प्रधानमंत्री मोदी के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए सिंधिया ने कहा कि एक्ट ईस्ट नीति पर नए सिरे से जोर देने से पूरे क्षेत्र में विकास को गति मिली है, इससे विकास पथ को नया आकार मिला है और बुनियादी ढांचे के निर्माण में अभूतपूर्व गति आई है।

सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि नागालैंड की युवा और महत्वाकांक्षी आबादी में न केवल राज्य की प्रगति को गति देने की क्षमता है, बल्कि भारत की समग्र विकास गाथा में भी महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री द्वारा उद्घाटन की गई 202 करोड़ रुपए की परियोजनाओं में 24.46 करोड़ रुपए की लागत से 132 केवी सब-स्टेशन अपग्रेड, नागराजन (दीमापुर), 20 करोड़ रुपए की लागत से आवासीय सुविधाओं के साथ शिक्षक प्रशिक्षण और परीक्षा केंद्र, 18.95 करोड़ रुपए की लागत से 190 स्कूलों में आईसीटी अवसंरचना शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री ने स्वास्थ्य, खेल, नवाचार, ऊर्जा और प्रमुख सड़क विकास को कवर करते हुए लगभग 443 करोड़ रुपए की दस नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। जिन अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

किसानों की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए कर रही है एआई टूल्स का इस्तेमाल

नई दिल्ली। सरकार कृषि क्षेत्र की समस्याएं हल करने, खेती की पैदावार बढ़ाने, खेती को टिकाऊ बनाने और किसानों की आय सुधारने के लिये 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स' यानी एआई का उपयोग कर रही है। इसी उद्देश्य से 'डेवलपमेंट इनोवेशन लैबइंडिया' के साथ मिलकर एक एआई-आधारित परीक्षण किया गया। इसके तहत खरीफ 2025 के लिये 13 राज्यों के कुछ क्षेत्रों में स्थानीय मानसून आने के समय का पूर्वानुमान तैयार किया गया।

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के अनुसार, एक ओपन-सोर्स ब्लेंडेड मॉडल का इस्तेमाल किया गया। इसमें 'न्यूरल-जीसीएम', 'यूरोपीय सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स' यानी ईसीएमडब्ल्यूएफ का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फोरकास्टिंग सिस्टम (एआईएफएस) प्रणाली और भारतीय मौसम विभाग के 125 वर्ष के वर्षा आंकड़े शामिल किए गए। ये पूर्वानुमान केवल इस बात की सम्भावना बताते थे कि आपके क्षेत्र में मानसून कब शुरू होगा। यह जानकारी किसानों के लिए इसलिए जरूरी है क्योंकि इसी के आधार पर बुवाई की तिथि तय होती है। स्थानीय मानसून पूर्वानुमान एम-किसान पोर्टल के माध्यम से एसएमएस भेजकर 13 राज्यों के 3,88,45,214 किसानों तक पांच भाषाओं (हिन्दी, उड़िया, मराठी, बांग्ला और पंजाबी) में पहुंचाए गए। पूर्वानुमान भेजने के बाद मध्य प्रदेश और बिहार में किसान कॉल सेंटरों के द्वारा किसानों से टेलीफोन पर प्रतिक्रिया ली गई। सर्वे में पाया गया कि लगभग 31 से 52 प्रतिशत किसानों ने इन पूर्वानुमानों के आधार पर अपनी बुवाई की योजनाएं बदलीं। इसमें जमीन की तैयारी, बुवाई के समय, फसल चयन और अन्य आवश्यक इनपुट बदलना शामिल था।

खबरों की मरम्मत

बिजली बिल में किश्तों में राहत

छत्तीसगढ़ विद्युत के मामले में सरप्लस राज्य है जो अपनी जरूरतों को पूरा कर अन्य राज्यों को बिजली बेचकर अच्छी आय भी अर्जित करता है। ऐसे में छत्तीसगढ़ के लोगों को बिजली बिल में राहत मिलनी ही चाहिए। विष्णु देव साय सरकार ने पहले तो पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार की हाफ बिजली बिल योजना को संशोधित कर छूट की सीमा कम कर दी थी। अब वह किश्तों में राहत दे रही है। अब चार सौ यूनिट तक खपत करने वाले घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को भी दो सौ यूनिट बिजली आधे दाम पर मिलेगी लेकिन सिर्फ एक साल तक। यदि सरकार बिजली चोरी पर अंकुश लगाए तो इस तरह की रियायत सभी घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को लंबे समय तक दी जा सकती है लेकिन बिजली चोरी रोकने कोई कारगर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं जो हैरत की बात है।

अब कांग्रेसी आएंगे सड़क पर

खबरों की मरम्मत कालम में जनहित से जुड़े मुद्दों पर छत्तीसगढ़ की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस की उदासीनता पर कटाक्ष किया गया था। ऐसा लगता है तीर निशाने पर लगा है और अब प्रदेश कांग्रेस के आला नेताओं ने सभी नवनियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक लेकर उन्हें काम पर लगा दिया हैं। धान खरीदी में अव्यवस्था और बिजली बिलों में बढ़ौतरी सहित जनहित से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर आंदोलन करने के निर्देश दिए हैं। अब कांग्रेसी सड़क पर नजर आएंगे और सरकार को घेरने का काम करेंगे।

आयोग में भी तारीख पर तारीख

वैसे तो न्यायालयों में ही हर पेशी पर तारीख पर तारीख मिलती है लेकिन अनुसूचित जनजाति बाहुल छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजाति आयोग में भी फरियादियों को तारीख पर तारीख देकर टरकाया जा रहा है। नये अध्यक्ष रुप सिंह मंडावी और दो सदस्यों ने हाल ही में पदभार संभाला है। उनके सामने प्रकरणों का अंबार लगा पड़ा है। डेढ़ हजार से ज्यादा आवेदन वर्षों से फाईलों में पड़े धूल खा रहे हैं। जिनमें कई आवेदन तो चार पांच सालों से अपने निराकरण की बाट जोह रहे हैं। आदिवासी बहनों प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री के रहते हुए अनुसूचित जनजाति आयोग का हाल बेहाल होना तो दिया तले अंधियारा वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है।

छत्तीसगढ़ है सबले बढ़िया

छत्तीसगढिया तो सबले बढ़िया है ही छत्तीसगढ़ भी सबके लिए सबसे बढ़िया है। सब में घुसपैठिये भी शामिल हैं। जो यहा वर्षों से बसे हुए हैं। उत्तर प्रदेश, असम, नई दिल्ली, गुजरात और बिहार सहित कई राज्यों में घुसपैठियों के खिलाफ युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है लेकिन छत्तीसगढ़ में इस नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। राजधानी रायपुर की कानून और व्यवस्था के लिए ये घुसपैठिये खतरनाक सिद्ध हो सकते हैं। यहां भी घुसपैठियों के खिलाफ अन्य राज्यों की तरह सख्त कार्यवाही की जरूरत शिद्दत से महसूस की जा रही है। देखना दिलचस्प होगा कि छत्तीसगढ़ में कब ऐसी कार्यवाही होती है?

उनका खून-खून हमारा खून पानी

एक पुरानी फिल्म में सोहराब मोदी का यह डायलाग - उनका खून खून हमारा खून पानी.. छत्तीसगढ़ के दैनिक रेल यात्री याद कर रहीं हैं और खबरिया चैनलों पर फ्लाईट रद्द होने से हवाई जहाज को होने वाली दिक्कतों की खबर दिखाने की होड़ देखकर खून के घूंट पी रहे हैं। छत्तीसगढ़ में ट्रेनों की लेटलतीफी आम बात है। कोई भी ट्रेन कभी भी कैंसल हो जाती है। बिलासपुर से रायपुर के बीच 6 दिसम्बर से 8 दिसम्बर तक एक दो नहीं पूरी दस लोकल व पैसेंजर ट्रेन रद्द की गई लेकिन इससे होने वाली रेल यात्रियों की परेशानी किसी खबरिया चैनल को खबर के लायक नहीं लगी।

आंदोलन की राह पर अन्नदाता

दुर्ग में ही सबसे पहले सहकारी समितियों के कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन छेड़ा था जिससे धान खरीदी प्रक्रिया प्रभावित हुई थी। यह टंटा तो टूट गया। अब धान खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था को लेकर दुर्ग जिले के अन्नदाता आंदोलन की राह पर चल पड़े हैं। विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले जिले के किसान 10 दिसम्बर से आंदोलन का सूत्रपात करने जा रहे हैं। शासन प्रशासन को किसानों को सुध लेनी चाहिए। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि धान बोने वाला किसान धनिया भी बो सकता है।

पार्षदों का यह कैसा कुर्सी प्रेम

प्रदेश के अधिकांश नगरीय निकायों में पिछले कार्यकाल के दौरान बहुत से पार्षदों ने अपनी पार्षद निधि से थोक के भाव में लोहे की बेंचनुमा कुर्सियां खरीदवाकर जगह जगह डलवा दी थीं। कुम्हारी नगर पालिका क्षेत्र में पूर्व पार्षदों का कुर्सी प्रेम चर्चा का विषय बना था। वे कुर्सियां कचरे के ढेर में पड़ी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही हैं। प्रदेश के अधिकांश नगरीय निकायों की यही स्थिति है। कुर्सियां इधरउधर लावारिस पड़ी हुई हैं। कई तो फूट फूट कर कबाड़ियों के पास पहुंच गई है। नागरिकों का कहना है कि और नहीं बस और नहीं लोहे की कुर्सियां और नहीं वार्ड में जगह नहीं बाकी रोक कुर्सियां खरीदना साथी। कैलाश यादव, चन्द्र शेखर राव, हेमंत धोटे, हरिओम चौहान, शाहीन कुरैशी, दीपक राजपूत, ध्रुव कुमार नायक।

कैलाश यादव, चन्द्रशेखर राव, हरिओम चौहान, हेमंत धोटे, शाहीन कुरैशी, रंजन पांडेय, ध्रुव कुमार नायक।

करणी सेना का बड़ा प्रदर्शन! सूदखोर तोमर केस पर उबाल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर में सूदखोर तोमर बंधु प्रकरण को लेकर शनिवार को राजपूत करणी सेना की प्रस्तावित महापंचायत से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। महापंचायत में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से पहुंच रहे करणी सेना के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को पुलिस ने विभिन्न स्थानों से रोककर हिरासत में ले लिया है।

कई पदाधिकारियों को थानों में बिठाया गया है, जबकि बाकी जिलों से कार्यकर्ताओं के रायपुर पहुंचने का सिलसिला जारी है। वादी पक्ष के समर्थन में आयोजित इस महापंचायत के जरिए करणी सेना ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ आठ प्रमुख मांगें उठाई हैं। इनमें थाना प्रभारी योगेश कश्यप को तत्काल निलंबित कर उन पर कस्टडी में रोहित तोमर की पत्नी भावना तोमर के साथ अश्लील हरकतें करने के आरोप में स्न्ढ्ढक्र दर्ज करने की मांग शामिल है। साथ ही तत्कालीन ष्टस्क्र राजेश देवांगन को भी निलंबित कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

कारी सेना की अन्य मांगों में: कारणी सेना ने अपनी अन्य प्रमुख मांगों में संगठन के पदाधिकारियों पर दर्ज कथित फर्जी और राजनीतिक प्रेरित मामलों को निरस्त करने, तोमर परिवार को हुए मानसिक और आर्थिक नुकसान की भरपाई कराने तथा संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत के खिलाफ दर्ज स्न्ढ्ढक्र को रद्द करने की मांग शामिल की है। संगठन ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र जांच टीम गठित करने की भी आवश्यकता जताई है।

करणी सेना की महापंचायत पर पुलिस की सख्ती

संस्था ने रायपुर एसपी लाल उम्मेद सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। करणी सेना का आरोप है कि उनके नेतृत्व में कस्टोडियल उत्पीड़न, अवैध दबाव और प्रशासनिक लापरवाही हुई। संगठन ने एसपी को तत्काल पदमुक्त कर संवैधानिक धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की मांग रखी है। करीब एक सप्ताह पहले तोमर परिवार के सदस्यों के साथ की गई कथित मारपीट व बीच सड़क पर अपमानजनक व्यवहार का भी करणी सेना ने विरोध किया है। संगठन ने आरोपित पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित कर उनके खिलाफआपराधिक कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षा ही हमारे सामाजिक विकास और सुधार का मूलमंत्र : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। सामाजिक विकास का वास्तविक आधार शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र – हर क्षेत्र में सफलता का पहला कदम शिक्षा ही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने मंच पर सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रारंभ से ही शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य गठन के समय जहाँ मात्र एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, सिपेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को बड़े अवसर प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समाज को मजबूत और संगठित होना समय की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मूलमंत्र – 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' – का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार राज्य सरकार 23 महीनों से सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हाल के महीनों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिसमें अन्नदाताओं के लिए कृषक उन्नति योजना, प्रत्येक परिवार को पक्का मकान देने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना, माताओं और बहनों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महतारी वंदन योजना, दूरस्थ अंचलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसे कदम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब तक विभिन्न विभागों में 10 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं पूर्ण निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई हैं, जिससे युवाओं में नया विश्वास उत्पन्न हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने नई उद्योग नीति लागू की है, जिससे स्थानीय लोगों को अधिक अवसर, रोज़गार और स्वरोजगार प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे अधिकाधिक संख्या में शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री ध्रुव कुमार मिर्धा ने भी संबोधित किया और नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर पर सर्व रविदास समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय मेहरा, रायपुर संभाग आयुक्त श्री महादेव कांवरे, श्री दिलीप वासनीकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

करंट से युवक की मौत, गैर इरादतन हत्या का जुर्म दर्ज

बिलासपुर/नवप्रदेश। कांटातार में प्रवाहित करंट से युवक के मौत के मामले में खेत मालिक के खिलाफ पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पचपेड़ी थाना प्रभारी राज सिंह ने बताया, जोंधरा शिवनाथ नदी खार में मुन्नीलाल प्रजापति के खेत में कांटातार में करंट प्रवाहित किया गया था। 5 अक्टूबर को शाम 5 बजे जोंधरा निवासी गौरव केंवट पिा विनोद केंवट 16 साल करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

मजदूर के घर से 14 लाख कैश बरामद

बिलासपुर/नवप्रदेश। पुलिस ने एकाएक अनाप शनाप मोटी रकम खर्च कर अय्याशी करने वाले अटल आवास में किराए के मकान में रहकर रोजी मजदूरी करने वाले के घर में छापा मारा। तलाशी लेने से आलमारी में नोटों के बंडल से भरा थैला मिला। थैले में 14 लाख रुपये रखे हुए थे। पुलिस मजदूर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ईडी के छापे के डर से ओहदेदारों द्वारा उक्त रकम मजदूर के घर में छिपाने की आशंका जताई जा रही है।

दो शिक्षकों पर गिरी गाज एक साल के वेतन वृद्धि रोकने की अनुशंसा

■ **शासन की योजना के तहत मिलना था बच्चियों को साइकिल**

सारंगढ़/नवप्रदेश। जिले के शाउमा विद्यालय सलौनीकला स्कूल सुर्खियों में था जहाँ प्रभारी प्राचार्य कुमार चौहान का बड़ा और गंभीर लापरवाही सामने आया है। सलौनीकला में पढ़ने वाली बच्चियों को शासन की योजना के तहत सायकल मिलना था लिहाजा बुधवार को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम प्रेम भुवन प्रताप सिंह शावि में, सम्बन्धित विद्यालय के प्राचार्य व प्रतिनिधियों को साइकिल वितरण किया गया जहां सलौनीकला में पढ़ने वाले बच्चों को ट्रैक्टर से भेज कर सायकिल ढुलवाया गया। हद तो तब हुआ जब बच्चे ही साइकिल से लदे ट्रैक्टर को खुद चलाते विद्यालय ले आये। इस मामले में खबर प्रकशित होने के बाद शिक्षा विभाग पूरे मामले की जांच कर रही थी जिसमें अब दो शिक्षकों पर प्रशासनिक कार्यवाही किया गया है जिस में योगेश्वर साहू व्याख्याता एलबी जिनको सायकल लाने के लिए प्रभारी बनाया गया था साथ ही संस्था के प्रभारी प्रिंसिपल कुमार चौहान पर डीईओ डहरिया ने कार्यवाही करते हुए एक साल का वेतन वृद्धि रोकने की अनुशंसा किया है।

करोड़ों की ठगी के फरार आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर

बिलासपुर/नवप्रदेश। बेरोजगारों को नौकरी लगाने का झांसा देकर फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर करोड़ों रुपये की ठगी करने के मामले में फरार आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन पुलिस अनुसार, नंदकुमार शांडिल्य ने रिपोर्ट लिखाई थी। कपिल उर्फ कपिलेश्वर गोस्वामी व उसके साथी ने जांजगीर जिला में आरक्षक के पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर उनसे 5 लाख 50 हजार 8 दिसंबर 2024 को लेकर नियुक्ति पत्र दिया था। वे नियुक्ति पत्र लेकर जांजगीर पुलिस अधीक्षक कार्यालय गए तो जांच में नियुक्ति पत्र फर्जी पाया गया था। इसी तरह से उक्त लोगों ने 15 से 20 लोगों बेरोजगार लोगों को फर्जी नियुक्त पत्र धमाकर करोड़ो रुपए की ठगी की गई थी।

ग्राम चौड़ग से चलका तक 06 किलोमीटर तक पक्की सड़क का होगा निर्माण

■ **विधायक लता उसेंडी ने चौड़ग में 07 करोड़ 18 लाख के सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन**

कोंडागांव/नवप्रदेश। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने शनिवार को ग्राम चौड़ग में 07 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत के चौड़ग से ग्राम चलका तक कुल 06 किलो मीटर लंबाई के सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। विधायक सुश्री उसेंडी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में पक्की सड़क मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास कार्यों में गति आएगी।

विधायक सुश्री उसेंडी द्वारा कार्यक्रम में दिव्यागजनों को 01 व्हील चेयर, 01 बैसाखी और 03 श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। इस दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव, प्रौद्योगिकी विभाग, श्रम विभाग, सी ए टी भारत गैस एजेंसी कोण्डागांव, जिला स्वास्थ्य समिति कोण्डागांव और वन विभाग द्वारा शिविर लगाई गई। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष श्री टोमेंद्र ठाकुर, जितेन्द्र सुराना, जनपद सदस्य मानबती कोर्राम, संतोष पात्रे, अश्वनी पाण्डे, आसमन नेताम, रिषभ देवांगन, प्रदीप नाग, विकास दुआ, नागेश देवांगन, शीतल पटेल, जैनेन्द्र ठाकुर, पार्षद सोनामणि पोयाम, संतोष सिंह, लक्ष्मी ध्रुव, सुष्मा खोब्रागड़े, डोके राम नेताम, मंगलू राम नेताम, चुन्नीबाई शोरी, रूपती कोर्राम, मंगनी बाई, नेताम, दयाबती मरावी, रामलाल सलाम, आसमन नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

खपरीकला परिक्षेत्र का शपथग्रहण कार्यक्रम संपन्न

सबको साथ लेकर चलने का गुण नेतृत्वकर्ता में हो : कमलकिशोर

डोंगरगाव/नवप्रदेश। डोंगरगाव तहसील के नवीन परिक्षेत्र खपरीकला का शपथग्रहण कार्यक्रम गत दिवस कमलकिशोर साहू संरक्षक जिला साहू संघ राजनांदगांव के मुख्य आतिथ्य मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष शिवराम साहू ने की, विशेष अतिथी पूर्व तहसील अध्यक्ष हेमंत साहू, पूर्व जिला महामंत्री अमरनाथ साहू थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथी कमलकिशोर साहू ने समाज मे सबको साथ लेकर चलने का आव्हान किया, एक नेतृत्वकर्ता के पास यह गुण होना ही चाहिए। कार्यक्रम को पूर्व तहसील अध्यक्ष हेमंत साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि समाज को समय देने की आवश्यकता है, जितना समय समाज को पदाधिकारीगण देगे विकास की गति उतने ही तेजी बढेगा। पूर्व महामंत्री-अमरनाथ साहू ने सामाजिक नियमावली पर प्रकाश डालते हुए उसके परिपालन करने का आव्हान किया।

इसके पूर्व समाज के अराध्यदेवी मां कर्मा का विधिवत पूजा अर्चना किया तत्पश्चात परिक्षेत्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मीलू राम साहू के नेतृत्व मे सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी ने पद व गोपनीयता की शपथ ली।

इस अवसर पर तहसील उपाध्यक्ष श्रीमति डेरहीन साहू, संगठन सचिव श्रीमति पूनम साहू, सलाहकार निवेदन साहू रामप्रकाश साहू, मदन साहू, सुरेद्र साहू, सत्यप्रकाश साहू संरक्षक, दयाराम साहू, परमानंद साहू, पिताम्बर साहू, हेमंत साहू टेका, ओमेश साहू, यशवंत साहू, पंचू साहू आदि सहित सामाजिकजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन परमानंद साहू ने किया।

होटल में मिली महिला की मौत के मामले का खुलासा

कोरबा/नवप्रदेश। सीतामणी स्थित चंदेला होटल में मिली महिला की रहस्यमयी मौत के मामले का कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी राकेश कुमार मानिकपुरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। 5 दिसंबर को चंदेला होटल के कमरे नंबर 207 में एक महिला का शव संदिग्ध अवस्था में मिला था।

जांच में पता चला कि महिला 04 दिसंबर को राकेश मानिकपुरी (25 वर्ष), निवासी मरकाडीह, जांजगीर-चांपा के साथ होटल में आई थी और दोनों ने कमरा किराये पर लिया था। अगले दिन सुबह 11 बजे तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर होटल प्रबंधन ने जांच की, जहां खिड़की से पैर दिखाई देने पर दरवाजा खोलकर भीतर देखा गया तो महिला मृत अवस्था में पड़ी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फोरेंसिक टीम की सहायता से जांच की, शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमॉर्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। बाद में मृतका के चाचा शिवा दास ने थाना कोतवाली में आरोपी राकेश मानिकपुरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर धारा 103 बीएनएस के तहत हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया गया। जांच के दौरान पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितिश ठाकुर और नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के निर्देशन में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेही राकेश मानिकपुरी को पकड़ लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com